रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल गांधी फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ - 12

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- एफटीए में डेयरी और एमएसएमई के हितों पर ध्यान - 12

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती- 13

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 मैच में गिल की निगाह बड़े स्कोर पर- 14

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.28

सूर्यास्त 05.22

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 02:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 6 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 256, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में पहले चरण का मतदान आज 1,314 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर

पटना, एजेंसी

- तेजस्वी, सम्राट व विजय सिन्हा समेत कई दिग्गज मैदान में

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को 121 सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। इस चरण में कुल 3.75 करोड़ मतदाता 1,314 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे।

बिहार संग्राम

इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भाजपा के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। राजद के नेता तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से लगातार तीसरी जीत दर्ज करने की कोशिश में हैं। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सतीश कुमार हैं, जिन्होंने 2010 में जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर तेजस्वी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पराजित किया था। राघोपुर सीट से जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने मैदान में उतरने से परहेज किया और उनकी पार्टी ने चंचल सिंह को उम्मीदवार बनाया। राघोपुर सीट से सटी महुआ सीट पर तेजस्वी के बड़े भाई और जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव बहुकोणीय मुकाबले में फंसे हैं। तेज प्रताप इस सीट पर राजद विधायक मुकेश रौशन को चुनौती दे रहे हैं।

आयोग ने बूथों पर शत प्रतिशत वेबकास्टिंग, नई वीआईएस पर्ची की सुविधा और ईवीएम नेट ऐप के माध्यम से मतदान रिपोर्टिंग जैसे नवाचारों को लागू किया है। पहले चरण में तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र होंगे।

प्रधानमंत्री से मिलीं चैंपियन बेटियां, मिला सम्मान

- खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को प्रधानमंत्री के साथ किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से अपने निवास पर मुलाकात की। उन्होंने विश्व कप में लगातार तीन हार के कठिन दौर से गुजरने के बाद 'दृढ़ता और शानदार वापसी' के लिए खिलाड़ियों की तारीफ भी की।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार हार के बाद सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग के बारे में भी खिलाड़ियों से बात की और जबर्दस्त मानसिक दृढ़ता का परिचय देकर शानदार वापसी करने और इतिहास रचने के लिए उनकी सराहना भी की। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में ट्रॉफी के बिना प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात को भी याद किया।

नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम और ट्रॉफी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

स्नेहा को 50 लाख की प्रोत्साहन राशि

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली उत्तराखंड की बेटी, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर स्नेहा राणा से बुधवार को दूरभाष पर वार्ता की। मुख्यमंत्री ने स्नेहा राणा को भारतीय क्रिकेट टीम में चयन होने पर हार्दिक बधाई दी और वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन व भारत को विजय दिलाने के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने स्नेहा की उपलब्धियों और देश-प्रदेश का गौरव बढ़ाने पर उन्हें 50 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

ब्रीफ न्यूज

नेटवर्क समस्या से एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली तथा देश के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बुधवार को टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एअरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि तीसरे पक्ष द्वारा प्रबंधित कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणाली प्रभावित हुई है। इसके कारण एयर इंडिया समेत कुछ विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में देरी हो रही है। जिसे बाद में ठीक कर लिया गया।

सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प, कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में दो गांवों के निवासियों के बीच बुधवार को सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए और तीन से चार दुकानों में आगजनी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा हटाए जाने के कुछ दिन बाद हुई। इस मुद्दे पर पहले भी हिंसा हो चुकी थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

प्रवासी उत्तराखंडी हमारे सच्चे ब्रांड एंबेसडर : मुख्यमंत्री

सीएम धामी ने किया प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन को संबोधित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रवासी उत्तराखंडियों को प्रदेश का सच्चा ब्रांड एंबेसडर बताते हुए उनसे राज्य के विकास अभियान में भागीदार बनने का आह्वान किया।

उत्तराखंड स्थापना के रजत जयंती उत्सव के तहत बुधवार को राजधानी में आयोजित प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडी प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। प्रवासी उत्तराखंडी जहां भी रहते हैं, अपने साथ देवभूमि की संस्कृति और अपनी मिट्टी की सुगंध लेकर चलते हैं। राज्य सरकार ने प्रवासी उत्तराखंड परिषद का गठन इसी उद्देश्य से किया है ताकि उनके सुझाव और अनुभव राज्य के विकास की मुख्यधारा में शामिल किए जा सकें। प्रदेश के अनेक प्रवासी स्वयं अपने गांवों को गोद लेकर विकास में योगदान दे रहे हैं। राज्य सरकार विकसित भारत, विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है और शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, खेल, पेयजल, पर्यटन, ऊर्जा और हवाई संपर्क सहित सभी क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों में नीति आयोग की रैंकिंग में प्रदेश को प्रथम स्थान मिलना, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एचीवर्स तथा स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर्स श्रेणी प्राप्त होना राज्य के सुनियोजित प्रयासों का परिणाम है। राज्य सरकार सांस्कृतिक मूल्यों और जनसांख्यिकीय संतुलन को बनाए रखने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। धामी ने कहा कि चार वर्षों में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गयी है जबकि 200 से अधिक भ्रष्टाचारियों को जेल भेजा गया है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि स्वर्ण जयंती वर्ष तक उत्तराखंड ऐसा राज्य बने जहां हर युवा को सम्मानजनक रोजगार मिले, पलायन रुके और प्रवासियों की गौरवपूर्ण वापसी हो। मुख्यमंत्री ने प्रवासी उत्तराखंडियों से आह्वान किया कि वे भी राज्य के इस विकास अभियान में भागीदार बनें।

राज्य में टेक्सटाइल पार्क का सुझाव

सम्मेलन में दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी और राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित अनेक प्रवासी उत्तराखंडियों ने राज्य के विकास के लिए सुझाव पेश किए। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय में निदेशक पूर्णेश गुरूरानी ने उत्तराखंड में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग सेंटर स्थापित करने तथा राज्य के गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने सुझाव दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से 6 महिलाएं कटीं

मिर्जापुर। मिर्जापुर में चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री 13309 चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए।

- मिर्जापुर में ट्रैक पार कर गंगा स्नान करने जा रही थीं तभी हुआ हादसा

उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही 12311 नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। त्रिपाठी ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे। पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रशांत वर्मा ने बताया, मरने वालों में सभी महिलाएं हैं, जिनमें से पांच की पहचान हो गई है। अधेड़ उम्र की एक महिला का शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत है और उसकी पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि पांच की पहचान सविता (37), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), और कलावती (50) के रूप में हुई है।

महादेव सट्टेबाजी एप मामले में फरार आरोपी का पता लगाए ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर नाराजगी जताई, कहा- यह अदालत के विवेक को झकझोरता है

शीर्ष कोर्ट ने ईडी को महादेव सट्टेबाजी ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। वह दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। न्यायालय ने कहा कि सफेदपोश अपराध के आरोपियों के लिए अदालतों और जांच एजेंसियों को खिलौना बनाने नहीं दिया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी उप्पल के कानून से बचने पर गंभीर नाराजगी जताई और कहा, यह अदालत के विवेक को झकझोरता है, अब कुछ करना ही होगा। बताया जाता है कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल दुबई से किसी अज्ञात स्थान पर भाग गया है, जिसकी वजह से संयुक्त अरब अमीरात प्राधिकारियों ने उसकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया रोक दी। न्यायालय ने कहा, ऐसे अपराधियों के लिए अदालतें और एजेंसियां खिलौना नहीं हैं। ईडी उसे जल्द खोजे और गिरफ्तार करे। शीर्ष अदालत उप्पल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 22 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने उसे रायपुर की निचली अदालत में लंबित धन शोधन मामले की सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायालय को बताया कि उप्पल 2023 में दुबई में हिरासत में था लेकिन अब वहां से भाग निकला है।

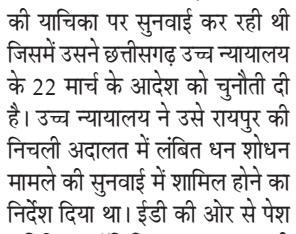

पश्चिमी विक्षोभ के बर्फीले रंग में गहराने लगे उच्च हिमालय

संवाददाता, नैनीताल/देहरादून

- पहाड़ों पर बर्फबारी, मैदानी इलाकों में मौसम अभी नरम-गरम
- इस बार हिमपात के अनुकूल बनी हुई हैं परिस्थितियां

अमृत विचार: पश्चिमी विक्षोभों का बर्फीला रंग उच्च हिमालय में गहराना शुरू हो गया है, जिसका असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों में शुरू हो चुके हिमपात से दिखाई देना शुरू हो गया है। हालांकि मैदानी इलाकों में अभी मौसम नरम-गरम बना हुआ है।

हिमपात की अनुकूल परिस्थितियों के कारण हिमालय की चोटियों पर बर्फबारी जारी है। बुधवार को भी उच्च हिमालय क्षेत्र में हिमपात जारी रहा। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह का कहना है कि इस वर्ष लंबे समय तक मानसून के निरंतर बरसने से हिमपात की परिस्थितियां अनुकूल हो चली हैं। नमी की मात्रा काफी हद तक बढ़ी हुई है और जब भी पश्चिमी मानसून के मेघ पानी लेकर पहुंचेंगे तो हिमालय की वादियों में हिम की बरसात करेंगे। इन दिनों पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जिस कारण उच्च हिमालय क्षेत्र में हिमपात हुआ है।

उधर, पश्चिमी विक्षोभ का असर गुरुवार को भी बने रहने की संभावना है। उत्तरकाशी, चमोली, देहरादून, टिहरी, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर और चमोली में बारिश होने की संभावना है जबकि चार हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात होगा। शुक्रवार से मौसम में सुधार आने लगेगा। वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि इस बार उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात अधिक होने की संभावना है, क्योंकि अब ला नीना भी सक्रिय हो चला है। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान में गिरावट जारी है। उम्मीद जताई जा सकती है कि इस बार दो हजार मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात होगा।

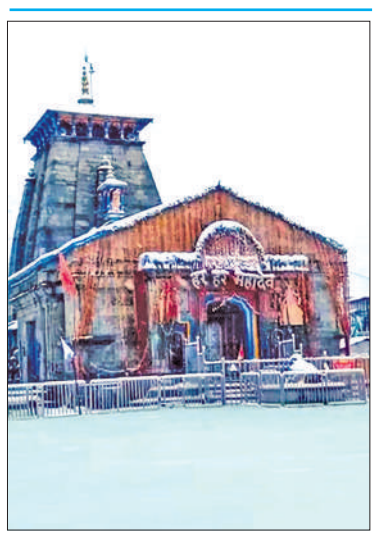

पश्चिमी विक्षोभ के कारण हिमालय की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ मंदिर के बाहर जमी वर्फ।

सर्द हुई पहाड़ों की रानी और सरोवर नगरी

पहाड़ों की रानी मसूरी और सरोवर नगरी नैनीताल में सर्द हवाओं ने ठंड बढ़ा दी हैं। हालांकि अधिकांश समय धूप के चलते दिन के समय ठंड का आभास कम हुआ, लेकिन सुबह और शाम के समय अधिक ठंड महसूस हुई। बादलों का आना-जाना पूरे दिन लगा रहा। जिस कारण तापमान गिरा ही रहा। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 22 व न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 45 प्रतिशत दर्ज की गई।

गंगा स्नान कर लौट रहे तीर्थयात्रियों में हिंसक झड़प, तीन को गोली लगी

संवाददाता, देहरादून/मुजफ्फरनगर

- मुजफ्फरनगर जिले के पुरकाजी थाना इलाके में दो समूहों के बीच हुई झड़प

अमृत विचार : मुजफ्फरनगर जिले के पुरकाजी थाना इलाके में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर गंगा स्नान कर लौट रहे तीर्थयात्रियों के दो समूहों के बीच हुई झड़प में चार लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को गोली लगी है।

पुलिस के अनुसार, पुरकाजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिल्ली-रुड़की गंगा नहर मार्ग पर कम्हेड़ा पुल के पास दो समूहों के बीच मामूली विवाद हुआ और फिर झड़प हो गई, जिस दौरान गोलियां चलीं। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) डॉ. रविशंकर ने बताया कि गोलीबारी में चार लोग घायल हो गए, जिनकी पहचान उत्तराखंड के रुड़की थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव के निवासी दीपांशु, आर्यन, विजय और अमित के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इनमें तीन को गोली लगी है और उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविशंकर के मुताबिक, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया है। सीओ ने बताया कि आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि कि जब यह झड़प हुई, तब तीर्थयात्री कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गंगा नदी में पवित्र स्नान करके लौट रहे थे।

आस्था की डुबकी

कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर स्नान के लिए बुधवार को हरिद्वार में भारी भीड़ उमड़ी। 26.36 लाख से अधिक श्रद्धालुओं पतित पावन गंगा में आस्था की डुबकी लगायी। स्नान को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के खास इंतजाम किए थे। (खबर पेज-2)

गर्व के पल

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में हुए मेयर पद के लिए चुनाव

भारतवंशियों का परचम, ममदानी बने न्यूयॉर्क के मेयर

- सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल दूसरी बार मेयर बने

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। वहीं, सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल भी दूसरी बार मेयर चुने गए। वर्जीनिया में गजाला हाशमी लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं।

जोहरान ममदानी

आफताब पुरेवैल

गजाला हाशमी

ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।

युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था और सात साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क सिटी आ गए थे।

ममदानी 2018 में ही अमेरिकी नागरिक बने थे। ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिनमें डेमोक्रेट आफताब पुरेवैल ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कोरी बोमैन को शिकस्त दी और इस पद पर अपना वर्चस्व बरकरार रखा।

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार,6 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

केमिकल इंजीनियर ने की खुदकुशी

हरिद्वार : शहर की पॉश कॉलोनी में केमिकल इंजीनियर द्वारा मायके गई पत्नी को व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर आत्महत्या करने का मामला सामने आने पर हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, इंजीनियर ने बाथरूम के अंदर अंगीठी जलाकर धुआं भरा और फिर वहीं लेट गया। इंजीनियर को अपनी पत्नी को मौत से पहले भेजे संदेश में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस से मौत को चुनने की जानकारी दी थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना कनखल थाना क्षेत्र की न्यू विष्णु गार्डन कॉलोनी में बुधवार दोपहर को होना सामने आई। थानाध्यक्ष मनोहर सिंह रावत ने बताया लव कुमार (40) अपने घर के बाथरूम में मृत अवस्था में मिले।

युवक ने फांसी लगायी

रुड़की : पनियाला रोड स्थित आम के बाग में बुधवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। गंगनहर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त श्यामवीर (30) पुत्र जयकरन, निवासी ग्राम गुरेला, पोस्ट मोहम्मदी, जनपद लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश के रूप में की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही परिजनों को सूचित किया। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि युवक ने आत्महत्या की है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

सीएम धामी देवभूमि के धर्म रक्षक: धर्माचार्य

मुख्यमंत्री आवास में आयोजित अध्यात्मिक संगम में बोले संत महात्मा, कुंभ में भरपूर सहयोग का आश्वासन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास बुधवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक सौहार्द का केंद्र बन गया, जब देश भर के प्रमुख संतों एवं धर्माचार्यों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर राज्य की प्रगति, सांस्कृतिक संरक्षण और अध्यात्मिक समृद्धि के प्रति उनके प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात करते हुए संत समाज ने प्रदेश के लिए सकारात्मक बदलाव, धार्मिक सांस्कृतिक मानकों को मजबूत करने वाले फैसलों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री धामी को आशीष प्रदान करते हुए उन्हें देवभूमि का धर्म रक्षक बताया। संतों ने कहा कि, मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विकास की नई बुलंदियों की ओर अग्रसर है। संतों ने प्रदेश के सांस्कृतिक सम्मान और आध्यात्मिक धरोहर संरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री के समर्पण की सराहना भी की।

संत समाज ने मुख्यमंत्री धामी से कहा कि हरिद्वार कुंभ 2027 को भव्य, दिव्य और विश्वस्तरीय आयोजन के रूप में स्थापित करने के लिए सभी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। कुंभ एक धार्मिक पर्व ही नहीं बल्कि सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति का महासंगम है। संतों और आध्यात्मिक गुरुओं ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को कुंभ 2027 में एक नया अंतर पहुंचने की जो सोच मुख्यमंत्री ने प्रस्तुत की है वह प्रेरणादायक है। सरकार के त्वरित निर्णय, पारदर्शिता और धार्मिक परंपराओं के प्रति हमें पूरा विश्वास है कि यह कुंभ इतिहास में अपने स्वर्णिम अध्याय के रूप में गिना जाएगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया है कि सभी संत महात्मा, अखाड़े और धर्म संस्थान परिवार की तरह एकजुट होकर कुंभ की सफलता के लिए लगातार योगदान देंगे। कुंभ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सनातन परंपरा, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आध्यात्मिक चेतना का महासंगम है, जिसे ऐतिहासिक स्वरूप देना सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने संत महात्माओं का आभार जताते कहा कि, राज्य सरकार धर्म, संस्कृति और विकास के समरस समन्वय के मार्ग पर अग्रसर है। देवभूमि उत्तराखंड सदैव धर्म, अध्यात्म और आस्था का केंद्र बना रहे, यही हमारी प्रतिबद्धता है। इस आध्यात्मिक संगम में जगद्गुरु शंकराचार्य राजराजेश्वर महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी महाराज, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के अध्यक्ष चिदानंद सरस्वती, अखाड़ा परिषद अध्यक्ष स्वामी रविंद्रपुरी, बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण, आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी, चिंतक और लेखक डॉ. कुमार विश्वास मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आवास में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित आध्यात्मिक संगम के दौरान मौजूद संत समाज के प्रतिनिधि।

सनातन की रक्षा को खरशाली से आगाज

उत्तरकाशी : बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और कवि डॉ. कुमार विश्वास बुधवार को उत्तरकाशी जनपद में यमुना मां के शीतकालीन प्रवास खरसाली स्थित यमुना मंदिर में पहुंचे और पूजा-अर्चना की। लघु प्रयाग गंगनानी में दर्शन एवं स्नान कर धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। डा. विश्वास और महंत शास्त्री ने सनातन की रक्षा के लिए खरशाली से यात्रा का आगाज किया। उन्होंने देश के सनातनियो को यात्रा में शामिल होने की अपील की।

प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा रीठा साहिब में अरदास करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

गुरु नानक देव के उपदेश आज भी मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत : सिंह

संवाददाता, चम्पावत

- प्रकाश पर्व पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गुरुद्वारा रीठा साहिब में की प्रदेश-देश के लिए अरदास

अमृत विचार: साहिब गुरु नानक देव ने अपने उपदेशों के माध्यम से मानवता, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज को प्रकाशमान कर रहा है। ''नाम जपो, किरत करो और वंड छको'' का उनका सिद्धांत मानव जीवन का आधार है, जो सत्य, ईमानदारी, परिश्रम और परस्पर सहयोग का प्रतीक है।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने बुधवार को गुरु नानक देव साहिब के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर चम्पावत स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा रीठा साहिब में मत्था टेका और प्रदेश व देश की खुशहाली के लिए अरदास की। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव के चरणों की यह भूमि दिव्यता और आत्मिक शांति से परिपूर्ण है। यहां आकर मन को अलौकिक शांति की अनुभूति होती है। यह तीर्थस्थल न केवल सिख धर्म के अनुयायियों के लिए, बल्कि समूची मानवता के लिए एक आध्यात्मिक प्रेरणा केंद्र है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड सिख धर्म के पवित्र तीर्थ स्थलों से सुसज्जित है और रीठा साहिब उनमें प्रमुख स्थान रखता है। गुरु नानक देव की शिक्षाएं न केवल सिख समाज के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके जीवन से हमें प्रेम, सहिष्णुता, समरसता और भाईचारे की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे गुरु नानक देव की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। इस दौरान प्रबंधक बाबा श्याम सिंह व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर हरि की नगरी में आस्था का सैलाब

संवाददाता, हरिद्वार

- 26 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पावन गंगा में डुबकी लगायी

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर स्नान के लिए बुधवार को हरिद्वार में भारी भीड़ उमड़ी। सायंकालीन आरती संपन्न होने तक 26 लाख से अधिक श्रद्धालु गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगा चुके थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सायंकालीन आरती तक 26 लाख 36 हजार श्रद्धालु हर की पौड़ी सहित गंगा के विभिन्न घाटों पर स्नान कर चुके थे। उसके बाद भी स्नान का सिलसिला जारी रहा। बुधवार तड़के से ही दूर-दूर से आए स्नानर्थियों ने हरकी पौड़ी तथा अन्य घाटों पर जुटना शुरू कर दिया था। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है और अपनी ऊर्जा पृथ्वी के विशेष स्थानों पर प्रदान करता है जिसे देखते हुए इस दिन दूर-दूर से श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए हरिद्वार आते हैं।

स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के खास इंतजाम किए थे। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल लगातार पूरे क्षेत्र का जायजा लेते रहे।

डीएम ने बताया कि हर की पौड़ी के आसपास भारी भीड़ के दबाव को देखते हुए कई स्थानों पर मार्ग परिवर्तन लागू किया गया था तथा पूरे क्षेत्र पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी रखी गयी।

धर्मनगरी हरिद्वार में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगायी।

इनरव्हील क्लब ने कराया तुलसी विवाह

रामनगर, अमृत विचार : इनरव्हील क्लब की सखियों ने हनुमान धाम में तुलसी विवाह सम्पन्न कराते हुए अपनी आस्था को प्रकट किया। भजन संध्या व दीपदान के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालु झूमते दिखाई दिए। इस दौरान हनुमान धाम को इनरव्हील क्लब द्वारा एक्वागार्ड प्रदान किया। क्लब के सदस्यों ने हनुमान धाम की प्रबंध समिति को आश्वस्त किया कि मंदिर के धार्मिक अनुष्ठानों में इनरवील क्लब की हमेशा भागीदारी रहेगी। इस दौरान क्लब की अध्यक्ष कविता अग्रवाल, सचिव अंजली जिंदल, पीयूसी अग्रवाल, चारुल जिंदल, मीना मित्तल, समिति मेहरोत्रा, नेहा, सुमन, रुचि, शिवानी, शालिनी, रितु, चित्रा, रैना, छवि, प्रियंका, बबीता, दीपिका, कविता, संगीता मौजूद रहे।

हनुमान धाम मंदिर में तुलसी विवाह के दौरान मौजूद इनरव्हील क्लब की सदस्या।

छात्रसंघ अध्यक्ष से मारपीट का वीडियो वायरल

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: मालधनचौड़ मार्ग पर एक युवक से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। पीड़ित को पीएनजी महाविद्यालय का छात्रसंघ अध्यक्ष कृष्ण कुमार बताया गया। वीडियो में कुछ युवक उन्हें घेरकर मारपीट करते नजर आ रहे हैं। हालांकि मारपीट का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। चर्चा थी कि किसी युवती को संदेश भेजने को लेकर यह विवाद हुआ। हालांकि, इस की अधिकृत पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वीडियो में दिख रहे लोगों की पुलिस द्वारा पहचान की जा रही है। इस घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज है। कुछ लोग इसे छात्र राजनीति से जुड़ा विवाद बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे व्यक्तिगत मामला मान रहे हैं। सोशल मीडिया में लोगों की प्रतिक्रिया सामने आई हे लोगों का कहना है कि मामला जो भी है छात्र संघ अध्यक्ष के साथ मारपीट करना उचित नहीं था। यदि कुछ गलत हुआ है तो उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत की जानी चाहिए थी। कानून अपने हाथ में लेना उचित नहीं है।

विस का विशेष सत्र चर्चा के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्य की रजत जयंती वर्ष महोत्सव पर आहूत विधानसभा का विशेष सत्र बुधवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से शुरू हुआ यह सत्र ऐतिहासिक रहा। इससे पहले वर्ष 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने विस के विशेष सत्र को संबोधित किया था। बुधवार को समाप्त हुए सत्र के दौरान सत्तापक्ष ने विभिन्न समस्याओं को उठाने के साथ सरकार की उपलब्धि गिनाईं। वहीं, विपक्षी कांग्रेस, बसपा और निर्दलीय सदस्यों ने अपने दलों की तारीफ के साथ नाकामियों पर चर्चा की। यह सत्र बीस घंटे, अठ्ठाईस मिनट (20.28) मिनट संचालित हुआ, जो रिकॉर्ड है। सत्र के अंतिम दिवस सत्ता और विपक्षी सदस्यों के बीच कई मुद्दों को लेकर नोकझोंक और बहस देखने को मिली।

वहीं, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने चर्चा में कहा कि, प्रदेश एवं देश को विकसित बनाने में युवाओं और महिलाओं का सबसे बड़ा योगदान रहेगा इसलिए उनका सशक्तिकरण पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सात विभागों की उपलब्धियां सदन के समक्ष रखी और वर्ष 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में राज्य किन लक्ष्यों को लेकर चल रहा है इस पर भी चर्चा की। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने सत्र समाप्ति के बाद बताया कि सोमवार से शुरू हुए सत्र की कार्यवाही बुधवार शाम तक 20 घंटे 23 मिनट तक चली।

बुधवार को विशेष सत्र के दौरान चर्चा के लिए सदन में जाते विधानसभा सदस्य।

कार्मिकों को अब 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/निकायों में कार्यरत संस्थाएं,जहां सातवां वेतनमान लागू है, के नियमित कार्मिकों को राजकीय कार्मिकों की भांति 1 जुलाई 2025 से मूल वेतन में अनुमन्य महंगाई भत्ते की वर्तमान दर 58 प्रतिशत करने का अनुमोदन दिया है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9-12 तक सामान्य व पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक प्रदान करने को 54.72 करोड़ अवमुक्त किए हैं। 21 अशासकीय महाविद्यालयों के कार्मिकों को चालू वित्तीय वर्ष के अन्तिम चार माह के वेतन आदि के भुगतान को 57.14 करोड़ की धनराशि अवमुक्त करने की स्वीकृति दी है।

खेल-खिलाड़ी | खेल मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार में राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का किया आगाज

2036 ओलंपिक के लिए शुरू कर दें तैयारी

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: खेल मंत्री रेखा आर्या ने राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष पर बुधवार को वंदना कटारिया हॉकी स्टेडियम में राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में प्रदेश की 14 टीमें भाग ले रही हैं।

खेल मंत्री ने खिलाड़ियों से देश को खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया। कहा कि उत्तराखंड में खेल संस्कृति तेजी से विकसित हो रही है और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने नगद इनाम राशि, सरकारी नौकरियों में चार प्रतिशत आरक्षण तथा आउट ऑफ टर्न जॉब की व्यवस्था लागू की है। उन्होंने खिलाड़ियों से 2036 ओलंपिक के लिए अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। इस मौके पर पारंपरिक खेल पिट्ठू का प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया गया। मंत्री ने रोशनाबाद खेल परिसर के मल्टीपरपज योगस्थली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हेमलता कोहली मेमोरियल उत्तराखंड स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप का उद्घाटन भी किया और खिलाड़ियों से सरकारी खेल सुविधाओं का नियमित रूप से उपयोग करने की अपील की।

उत्तराखंड में पहली बार महिला क्रिकेट लीग

देहरादून : देहरादून में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) 25 नवंबर से पहली बार महिला क्रिकेट लीग का आयोजन करेगा। सीएयू के संयोजक पीसी वर्मा ने बुधवार को बताया कि इच्छुक खिलाड़ी आठ से 20 नवंबर तक एसोसिएशन के रायपुर स्थित कार्यालय से नि :शुल्क पंजीकरण फार्म प्राप्त करके जमा कर सकती हैं। स्वीकृत फार्म वाले खिलाड़ियों का ट्रायल 23 और 24 नवंबर को होगा, जिसके आधार पर 15 सदस्यीय टीमें गठित होगी। मैच 25 नवंबर से देहरादून के विभिन्न क्रिकेट मैदानों पर आयोजित होंगे। इसी तरह पुरुष जिला क्रिकेट लीग एक दिसंबर से होगी। खिलाड़ी आठ से 20 नवंबर तक क्रिकेट क्लब एकेडमी स्कूल और कॉलेज से पंजीकरण फार्म प्राप्त कर सकते हैं। टीम में अधिकतम 20 खिलाड़ी शामिल हो सकेंगे।

सिटी ब्रीफ

राज्य में बदला मौसम गढ़वाल में हुई बारिश

हल्द्वानी : उत्तराखंड में मौसम में बदलाव आया है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से गढ़वाल में बारिश हुई है। मैदानी इलाकों में दिन के समय तेज धूप निकल रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने पहले ही बारिश का अनुमान जताया था। पांडुकेश्वर में 22 मिमी, बद्रीनाथ में छह, हर्षिल में पांच और जखोली में दो मिमी बारिश हुई है। हल्द्वानी में दिन के समय अपेक्षाकृत तेज धूप निकली। अधिकतम तापमान 29 .2 और न्यूनतम तापमान 14 .3 डिग्री सेल्सियस रहा। मुक्तेश्वर में पारा 19 और न्यूनतम पारा 9 .3 डिग्री रहा।

बनभूलपुरा से ट्रक चोरी

हल्द्वानी : कब्रिस्तान गेट गांधीनगर बनभूलपुरा निवासी शोकत खां ने पुलिस को बताया कि वह छोटा ट्रक गौजाजाली रजा मस्जिद के पास खाली प्लॉट में खड़ा करता है। 31 अक्टूबर की रात भी उन्होंने ट्रक प्लॉट में ही खड़ा किया था। अगली सुबह शौकत प्लॉट पर पहुंचे तो ट्रक चोरी हो चुका था। थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बागजालावासियों का धरना 80 वें दिन जारी

हल्द्वानी : बागजाला में जमीन के मालिकाना हक समेत विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा धरना बुधवार को 80 वें दिन भी जारी है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार गरीब किसानों और मजदूरों को उजाड़ने का काम कर रही है। वन विभाग के निर्माण कार्यों पर लगाई गई रोक हटाने की मांग की और घोषणा की कि 7 नवंबर को तराई पूर्वी वन डिवीजन डीएफओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान डॉ. उर्मिला, हरीश चन्द्र सिंह, हरक सिंह आदि रहे।

बनभूलपुरा में किशोर मुखानी से किशोरी लापता

हल्द्वानी : मुखानी थाने से गुमशुदा 14 वर्षीय किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 4 नवंबर की सुबह घर से निकली थी और फिर लौट कर नहीं आई। उन्होंने काफी खोजबीन की, लेकिन पता नहीं लगा। एसओ दिनेश जोशी ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है। उधर, बनभूलपुरा से लापता किशोर के पिता ने पुलिस को बताया कि बीती 3 नवंबर को उनका बेटा दोस्त के साथ सामान खरीदने गया था। जिसके बाद दोनों लापता हो गए। दोस्त लौट आया, लेकिन बेटा नहीं आया। घर लौटे दोस्त ने बताया कि दोनों दिल्ली जाने वाले थे। एसओ सुशील जोशी ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की तलाश की जा रही है।

हल्द्वानी के महत्तवपूर्ण अस्पताल में सुविधाओं का टोटा, स्टाफ की कमी और पुरानी जांच मशीनों से परेशानी

बेस अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं का आधार ही गायब

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी का सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल हल्द्वानी में दूसरा सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है। यहां प्रतिदिन ओपीडी में 1500 से 1800 मरीज आते हैं।

पुराने समय में यह कुमाऊं का प्रमुख सरकारी अस्पताल रह चुका है। हालांकि अभी भी लोगों के उपचार का एक बड़ा जिम्मा इस अस्पताल के ऊपर है लेकिन दिक्कत यह है कि स्टाफ की कमी और पुरानी जांच मशीनों की वजह से सुविधाएं प्रभावित हो रहीं हैं। इन सुविधाओं को जोड़ने का प्रयास तो किया जाता है कि लेकिन सफलता नहीं मिलती है। इस वजह से इस बड़े अस्पताल को भी आम लोग रेफरल सेंटर के तौर पर ही देखते हैं। पीएमस डॉ. केएस दताल ने बताया कि जरूरी स्टाफ के लिए शासन में सूचित किया जाता है। जैसे ही स्टाफ आएगा सुविधाओं को और भी बढ़ा दिया जाएगा।

सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी

: बेस अस्पताल में सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भारी कमी है। न्यूरोसर्जन भी सप्ताह में दिनों के हिसाब से बैठते हैं। इसके अलावा यूरोसर्जन, नेफ्रोलॉजिस्ट जैसे सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों का अभाव है। राहत की बात है कि अस्पताल में मेडिसन, पीडियाट्रिक, डर्मा ट्रोलोजिस्ट, आर्थोपेडिक्स विभाग में उपचार मिल जाता है।

सीटी स्कैन मशीन पुरानी

हल्द्वानी : बेस अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन पुरानी हो चुकी है। नैनीताल रोड को चौड़ा करने के दौरान इस मशीन को दूसरी जगह रखा गया और जब बाद में जब इसे शिफ्ट किया गया तो यह मशीन काम ही नहीं कर रही है। यही हाल एक्स-रे मशीन का भी है वह भी पुरानी हो चुकी है जबकि ओपीडी और आईपीडी में भर्ती मरीजों को इन जांचों की बहुत जरूरत पड़ती है।

आईसीयू शुरू नहीं हुआ

हल्द्वानी : कोविड की पहली लहर के दौरान बेस अस्पताल में नौ बेड का आईसीयू स्थापित किया गया। तब उम्मीद जगी थी कि बेस अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। स्टाफ नहीं होने की वजह से केवल एचडीयू संचालित किया गया और आईसीयू की शुरूआत ही नहीं हो पाई। अगर आईसीयू चल जाए तो एसटीएच पर मरीजों का भार कम होगा।

दवा काउंटर पर स्टाफ बढ़ाने की जरूरत

हल्द्वानी : बेस अस्पताल में दवा काउंटर पर स्टाफ बढ़ाने की जरूरत है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से दवा काउंटर है लेकिन मुख्य काउंटर पर केवल दो ही स्टाफ रहता है। ऐसे में मरीजों की लंबी कतार लग जाती है। साथ ही अस्पताल में पार्किंग की भी समस्या है। मरीजों और तीमारदारों को ओपीडी के समय पार्किंग के लिए जगह मुश्किल से मिलती है।

बिल्डिंग बनाई लेकिन इस्तेमाल नहीं हुई

बेस अस्पताल में मुख्य ओपीडी ब्लॉक की तीसरी मंजिल पर निर्माण किया गया और तब कहा गया है कि यहां पर डॉक्टरों और स्टाफ की संख्या को बढ़ाने के बाद अस्पताल का विस्तार किया जाएगा। मगर ऐसा नहीं हो पाया और यह बिल्डिंग बनने के बाद से ही बंद पड़ी है और जनता का करोड़ों रुपये बर्बाद हो गया।

बनभूलपुरा में स्मैक तस्कर दबोचा

हल्द्वानी : पुलिस ने बरेली की स्मैक के साथ बनभूलपुरा के तस्कर को गिरफ्तार किया है।

बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि बीती 4 नवंबर को एसआई मनोज यादव टीम के साथ गश्त पर थे। टीम जब गौला बाईपास रोड पर किनारे स्थित स्लाटर हाउस के पास पहुंची तो एक व्यक्ति को यात्री विश्राम गृह पर बैठे देखा। पुलिस को देखते ही युवक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। तलाशी में पुलिस को उसके पास से 56.7 ग्राम स्मैक मिली। पूछताछ में उसने अपना नाम मो. फिरोज पुत्र स्व. बाबू खान निवासी गफूरबस्ती बनभूलपुरा बताया। साथ ही बताया कि बरामद स्मैक वह इज्जत नगर बरेली में तस्लीम नाम के व्यक्ति से लाया था, जो टेंपो चालक है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीवर टैंक की सफाई करने गए थे युवक, एक की मौत, दूसरा गंभीर

श्यामखेत में एक निजी टैंक की सफाई के दौरान हुआ हादसा, पुलिस ने शुरू की जांच

संवाददाता, भवाली

विजय कुमार।

अमृत विचार: श्यामखेत में बुधवार सुबह दो युवक एक निजी सीवर टैंक की सफाई करने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से बेहोश हो गए और टैंक में डूब गए। इनमें से विजय कुमार (34 वर्ष) पुत्र वेद राम निवासी टमट्यूड़ा की मौत हो गई। जबकि दूसरे युवक गौरव (35 वर्ष) पुत्र रामेश्वर निवासी रानीखेत रोड को गम्भीर हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार बुधवार को दो युवक किसी व्यक्ति के निजी सीवर टैंक की सफाई के लिए टैंक में उतरे। लेकिन काफी देर बाद भी बाहर नहीं निकले। इस पर लोगों ने जब उन्हें आवाजा लगाई तो टैंक से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर जब लोगों ने टैंक में झांककर देखा तो उनके होश उड़ गए। दोनों युवक टैंक के पानी में बेसुध पड़े थे। इस पर आनन-फानन में दोनों को बेहोशी की हालत में टैंक से बाहर निकाला गया और तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवाली लाया गया। जहां चिकित्सकों ने विजय कुमार को मृत घोषित कर दिया। साथ ही गौरव की हालत को गंभीर देख हायर सेंटर भेज दिया गया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में लोगों का जमावड़ा लग गया। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने मृतक युवक का पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भवाली में युवक के सीवर टैंक में डूबने से मौत के बाद पंचनामे की कार्यवाही करती पुलिस।

माना जा रहा है कि सीवर टैंक में उतरने के बाद दोनों युवक टैंक में जमा जहरीली गैस की चपेट में आने से बेहोश हो गए और टैंक के गंदे पानी में गिर गए। बताया जा रहा है कि मृतक विजय कुमार विवाहित था। वह अपने पीछे पत्नी व तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है।

पीलीभीत का श्रद्धालु शारदा नदी में बहा

टनकपुर : शारदा नदी में स्नान करते वक्त एक श्रद्धालु नदी की तेज धारा में बह गया। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और जल पुलिस ने युवक की ढूंढ खोज शुरू कर दी। देर शाम तक युवक का पता नहीं चल पाया था। पुलिस के अनुसार भूड़ा विक्रमपुर बरखेड़ा, पीलीभीत निवासी राहुल (23) पुत्र हरिशंकर भाई और साथियों के साथ बूम के कांकर घाट के निकट शारदा नदी में स्नान कर रहा था। इस बीच पांव फिसलने से वह शारदा नदी के तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना पर बूम चौकी पुलिस, एसडीआरएफ और जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की। एसआई सुरेंद्र सिंह खड़ायत ने बताया कि नदी में बहे युवक की तलाश जारी है।

दुकान के आगे ठेला न लगाया जाए

हल्द्वानी : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने बुधवार को एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी को ज्ञापन सौंपकर दुकानों के बाहर फड़-ठेले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

व्यापारियों ने एसएसपी से सत्यापन अभियान, नशा बिक्री पर रोक लगाने के साथ पुलिस चौकी स्तर पर स्थानीय जनता के साथ चौपाल लगाने की मांग रखी। साथ ही कहा कि काठगोदाम से तीनपानी, कालाढूंगी चौराहा से ऊंचापुल और रामपुर रोड से ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे तक प्रतिदिन जाम लगता है। शादियों के सीजन में रात्रि गश्त को मजबूत की जाए। मुख्य बाजार में ठेलों की वजह से जाम लगता है और चोर-उचक्के सक्रिय हो जाते हैं। ठेलों को वेंडिंग जोन में बसाने की मांग रखी और उन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जो दुकानों के आगे ठेले लगवाते हैं। ताकि व्यवस्था सुधर सके। ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेन्द्र गुप्ता, राजेन्द्र फर्स्वाण, भगवान सहाय, प्रज्ञान भारद्वाज, ऋषभ पाठक, कुंदन रावत, ललित जायसवाल, पुरन लाल साह, राजकुमार अग्रवाल, प्रभजोत चंडोक, निलेश भारद्वाज आदि थे।

मेडिकल कॉलेज में छह डॉक्टर्स की होगी नियुक्ति

वरिष्ठ संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार डॉक्टरों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो गई है। शासन ने करीब एक माह बाद चयनित डॉक्टरों के नियुक्ति पत्र जारी कर दिए हैं। कॉलेज प्रशासन को आदेश प्राप्त हो चुके हैं और सभी चयनित डॉक्टरों को 15 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

कॉलेज प्रबंधन ने कांट्रैक्ट के आधार पर 119 फैकल्टी पदों के लिए रिक्तियां निकाली थीं। इन पदों के लिए 4 अक्तूबर को इंटरव्यू आयोजित किए गए थे, लेकिन केवल 6 डॉक्टर ही पहुंचे थे। इंटरव्यू में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अस्थि रोग, ईएनटी, फार्माकोलॉजी और एनेस्थीसिया विभागों से चार डॉक्टर शामिल हुए, जबकि प्रोफेसर पद के लिए हृदय रोग और न्यूरोसर्जरी विभाग से एक-एक डॉक्टर ने भाग लिया। इंटरव्यू प्रक्रिया हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. त्रिपाठी की अध्यक्षता में गठित चयन समिति की निगरानी में संपन्न हुई। चयन के बाद कॉलेज प्रबंधन ने अगले ही दिन सभी छह डॉक्टरों के दस्तावेज चिकित्सा शिक्षा निदेशक को भेज दिए थे। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी.एस. तितियाल ने बताया कि उन्हें नियुक्ति पत्र संबंधी आदेश प्राप्त हुए हैं। डॉ. तितियाल ने कहा कि सभी चयनित डॉक्टरों को 15 दिनों के भीतर ज्वाइन करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए डॉक्टरों के जुड़ने से न केवल मेडिकल शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि मरीजों के इलाज की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

हृदय रोग और न्यूरोसर्जरी में मिलेंगे डॉक्टर

हल्द्वानी : अगर ये डॉक्टर ज्वाइन करते हैं तो सालों बाद मेडिकल कॉलेज को हृदय रोग विभाग में डॉक्टर मिलेगा। इससे मरीजों को काफी राहत मिलेगी। साथ ही न्यूरोसर्जरी विभाग में भी एक और डॉक्टर मिलेगा। हालांकि अभी भी अस्पताल में 110 से ज्यादा डॉक्टरों के पद रिक्त चल रहे हैं।

आज शहर के कई रूटों पर ट्रैफिक डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राज्य स्थापना की रजत जयन्ती के उपलक्ष्य में होने वाले पूर्व सैनिक कल्याण समिति के सम्मेलन को लेकर शहर में बड़े स्तर पर ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था की गई है। रूट डायवर्जन प्लान आज सुबह 9 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान शहरी क्षेत्र में सभी छोटे-बड़े, मालवाहक और आवश्यक सेवा वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा। पर्वतीय क्षेत्र से आने और जाने वाले वाहन गौला बाईपास या लालडांट तिराहा से पनचक्की, कॉलटैक्स तिराहा मार्ग से गंतव्य तक जाएंगे।

रोडवेज व निजी बसों के लिए विशेष व्यवस्था : बरेली और रामपुर रोड से आने वाली बसें टीपी नगर तिराहा, होण्डा शोरूम तिराहा, मंगलपड़ाव से रोडवेज स्टेशन जाएंगी। कालाढूंगी रोड से आने वाली बसें मुखानी, अर्बन बैंक, कालाढूंगी तिराहा से रोडवेज स्टेशन मार्ग का प्रयोग करेंगी। पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाली बसें नारीमन तिराहा, तिकोनिया, नैनीताल बैंक, रोडवेज स्टेशन मार्ग से आएंगी। जबकि इंटरसिटी बसों के लिए नैनीताल बैंक तिराहा से तिकोनिया चौराहा की ओर पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज जिले में

हल्द्वानी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर जनपद के भ्रमण पर रहेंगे। वह सुबह 9:30 बजे मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय देहरादून से प्रस्थान कर 9:50 बजे जीटीसी हेलीपैड देहरादून पहुंचेंगे, जहां से 9:55 बजे नैनीताल के लिए हेलीकॉप्टर से प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री 10:55 बजे आर्मी हेलीपैड हल्द्वानी पहुंचेंगे। वह सुबह 11 बजे एमबीपीजी कॉलेज मैदान में होने वाले पूर्व सैनिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद 12:25 बजे हल्द्वानी से प्रस्थान कर 12:45 बजे नगर वन रामनगर पहुंचेंगे, जहां जन वन महोत्सव में हिस्सा लेंगे। इसके बाद सीएम 14:05 बजे नगर भ्रमण करेंगे तथा 14:10 बजे डिग्री कॉलेज, रामनगर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम उपरांत सीएम हेलीपैड से दून को रवाना होंगे।

छोटे वाहनों का डायवर्जन

- बरेली रोड से पर्वतीय क्षेत्र को जाने वाले तीनपानी फ्लाईओवर से गौलापार होते हुए जाएंगे।
- रामपुर रोड से पंचायत घर, आरटीओ रोड, छड़ायल चौराहा, गैस गोदाम रोड, लालडांट, पनचक्की से कॉलटैक्स मार्ग से जाएंगे।
- कालाढूंगी रोड से वाहन लालडांठ, पनचक्की, कॉलटैक्स, नारीमन तिराहा मार्ग से जाएंगे।
- पर्वतीय क्षेत्र से आने वाले नारीमन तिराहा से गौलापार होते हुए जाएंगे।

इन सड़कों पर होगा जीरो जोन

- दोनहरिया तिराहा–कुल्यालपुरा चौराहा
- पानी की टंकी–कुल्यालपुरा चौराहा
- कलावती चौराहा–कुल्यालपुरा
- तिकोनिया–कैनाल रोड–कुल्यालपुरा
- डिग्री कॉलेज तिराहा–कुल्यालपुरा/महारानी होटल–सरस्वती रेस्टोरेंट तिराहा

ट्रेन में छात्रा से लूट, रेलवे कर्मी का बैग ले उड़ा शातिर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : द्वारका इंक्लेव मथुरा निवासी भारतीय रेलवे में चीफ कमर्शियल कम टिकट सुपरवाइजर के पद पर तैनात विष्णु कुमार मीना ने जीआरपी को बताया कि बीती 17 अक्टूबर को वह मथुरा जंक्शन से लालकुआं के बीच ट्रेन में कार्यरत थे। विष्णु की ड्यूटी ट्रेन के तीन कोच में थी। किच्छा और लालकुआं के बीच उनका हैंड बैग चोरी हो गया। बैग में फॅआइल, जांच अधिकार पत्र, आईडी कार्ड, 15 सौ रुपए, पैन कार्ड, आधार कार्ड था। दूसरे मामले में नगदपुरा पहाड़पुर बरहैनी बाजपुर निवासी सुहानी पुत्री राकेश सिंह ने जीआरपी को बताया कि बीती 3 नवंबर को वह सहेली कविता के साथ रेलवे स्टेशन बाजपुर से काशीपुर स्थित कॉलेज के लिए निकली थीं। पैसेंजर ट्रेन में बैठे दोनों मोबाइल पर कॉलेज का असाइंमेंट चेक कर रहे थे। तभी ट्रेन चलने लगी और इसी बीच एक लुटेरे ने सुहानी के साथ से मोबाइल छीना और ट्रेन से कूद गया। सुहानी के चीखने पर यात्रियों में से किसी ने ट्रेन की चेन खींची और लुटेरा का पीछा, लेकिन वो हाथ नहीं आया। जीआरपी काठगोदाम थानाध्यक्ष कमल कोरंगा ने बताया कि दोनों में मुकदमा दर्ज कर शातिरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

16 बकायेदारों के कनेक्शन काटे

हल्द्वानी : ऊर्जा निगम की टीम ने बुधवार को गौलापार, बनभूलपुरा और इंद्रानगर में वसूली अभियान चलाया। जिन उपभोक्ताओं ने बार-बार नोटिस मिलने के बाद बिल जमा नहीं किए थे, उनके कनेक्शन काटे गए। स्पष्ट किया यदि उपभोक्ता अब भी बकाया जमा नहीं करते हैं तो उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि प्राथमिकता उपभोक्ताओं से बकाया वसूली कर राजस्व की हानि को रोकना है। उन्होंने कहा कि वसूली अभियान आगे भी जारी रहेगा और जिन उपभोक्ताओं पर बकाया है, वे जल्द से जल्द अपने बिल जमा कर दें, अन्यथा उनके खिलाफ भी इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी सैनिक को समस्या न हो

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को एमबी इंटर कॉलेज मैदान में गुरुवार को होने वाले सैनिक सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि उत्तराखंड स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आज हल्द्वानी में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नैनीताल, ऊधम सिंह नगर और अल्मोड़ा जिलों से पूर्व सैनिक बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद महेंद्र भट्ट भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में वीर नारियों एवं वीरों को सम्मानित किया जाएगा।

एमबी इंटर कॉलेज मैदान में सम्मेलन की तैयारियों को लेकर निर्देश देते कैबिनेट मंत्री।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में आने वाले प्रत्येक पूर्व सैनिक को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी आगंतुकों की बैठने, पेयजल, भोजन, शौचालय की व्यवस्थाएं चाक चौबंद की जाए। सम्मेलन में जिन वीर नारियों को सम्मानित किया जाना हैं कार्यक्रम स्थल पर उनके बैठने के लिए उचित स्थान निर्धारित हो। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, महापौर गजराज सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, एसडीएम राहुल शाह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल (सेनि) रमेश मौजूद रहे।

नई पहल | उप निदेशक रशिका सिद्दीकी और उप क्रीड़ाधिकारी वरुण बेलवाल को मिली विश्वविद्यालय संचालन की अहम जिम्मेदारी

अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में बना खेल विवि का दफ्तर, नए सत्र में शुरू होंगे कोर्स

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं को उच्चस्तरीय खेल शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए राज्य का पहला खेल विश्वविद्यालय जुलाई 2026 से पहले सत्र की शुरुआत करेगा। यह विश्वविद्यालय खेल शिक्षा, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में राज्य के युवाओं को नई दिशा देगा। इस पहल से उत्तराखंड न केवल खेल शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान मजबूत होगी।

खेल विभाग के अनुसार, विश्वविद्यालय की प्रारंभिक कक्षाएं अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के पवेलियन में जुलाई से संचालित की जाएंगी। खेल विश्वविद्यालय की स्थापना और संचालन संबंधी तैयारियों को सुचारु रूप देने के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया है। खेल विभाग के कुलपति अमित सिन्हा की ओर से जारी आदेश के अनुसार उप निदेशक रशिका सिद्दीकी और उप क्रीड़ाधिकारी वरुण बेलवाल को विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों अधिकारी विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे के विकास, बुनियादी सुविधाओं की स्थापना और प्रारंभिक सत्र की व्यवस्थाओं की देखरेख करेंगे। विश्वविद्यालय की स्थापना से राज्य में खेल संस्कृति को नया आयाम मिलेगा और युवाओं को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त होगा। उप निदेशक रशिका सिद्दीकी का कहना है, खेल विश्वविद्यालय का शुभारंभ प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। विश्वविद्यालय के माध्यम से हम युवाओं को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं, अनुसंधान के अवसर और करियर के नए मार्ग मिलेंगे। विवि की स्थापना से खेल बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ीकरण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी अवसर मिलेगा।

गौलापार स्थित आईजीआई स्टेडियम परिसर में लगा खेल विश्वविद्यालय का बोर्ड।

5 कक्ष किए गए तैयार

अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के पवेलियन में पांच अस्थायी कक्ष तैयार किए गए हैं। इसमें कुलपति अमित सिन्हा, कुल सचिव डॉ. आशीष चौहान, कुलपति की विशेष कार्याधिकारी राशिका सिद्दीकी, उप क्रीड़ाधिकारी और कुलपति के सहायक विशेष कार्याधिकारी वरुण बेलवाल व वित्त नियंत्रण बीएन पांडे के कक्ष शामिल हैं। साथ ही अब अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के मुख्य गेट को आवाजाही के लिए खोल दिया गया है।

खिलाड़ियों को होंगे ये लाभ

1. प्रदेश के खिलाड़ियों को राज्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण मिलेगा
2. खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ उच्च शिक्षा भी हासिल कर सकेंगे
3. विश्वविद्यालय में खेल विज्ञान, खेल प्रबंधन, कोचिंग और अन्य संबंधित विषयों में अध्ययन और शोध के अवसर उपलब्ध होंगे
4. प्रदेश में आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास होगा
5. खेल और संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय का बोर्ड लगा

खेल विभाग की ओर से राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय मानसखंड खेल परिसर हल्द्वानी का बोर्ड परिसर में लगा दिया गया है। बोर्ड लगाए जाने के साथ ही विश्वविद्यालय की स्थापना संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। खेल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह कदम विश्वविद्यालय के औपचारिक शुभारंभ की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण है। विभाग की ओर से परिसर में आधारभूत ढांचे के विकास और प्रारंभिक सत्र की व्यवस्थाओं पर भी कार्य तेजी से जारी है।

सिटी ब्रीफ

तेज रफ्तार दो पहिया वाहनों पर हो कार्रवाई

भीमताल : विधायक राम सिंह कैड़ा के प्रयासों से ब्लाक रोड में इंटरलाकिंग टाइल्स बिछाने से स्थानीय व्यापारियों और जनता के जल भराव की समस्या का समाधान तो हो गया है लेकिन टाइल्स बिछाने के बाद इस व्यस्त बाजार में कई युवा दो पहिया वाहन काफी तेजी से चला रहे हैं जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्र के कारोबारी और जिला मंत्री भाजपा मनोज भट्ट प्रकाश ने थानाध्यक्ष भीमताल से मार्ग पर वाहनों की चेकिंग करने तथा तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रपति से मिले सैनिक स्कूल के कैडेट्स

नैनीताल : सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के कैडेट्स ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से बीते मंगलवार को मुलाकात की। ये मुलाकात हीरक जयंती समारोह के अवसर पर हुई। राष्ट्रपति को बताया कि सैनिक स्कूल घोड़ाखाल देश का 15वां सैनिक स्कूल है। उत्तराखंड का एकमात्र सैनिक स्कूल है जो 1966 में स्थापित किया गया था। स्कूल अब तक 10 बार रक्षा मंत्री ट्रॉफी प्राप्त कर चुका है। सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के कैडेट्स की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से हुई यह भेंट विद्यालय की गौरवशाली यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज हुई है। कैडेट्स के साथ विद्यालय के प्राचार्य ग्रुप कैप्टन विजय सिंह डंगवाल ने कहा कि यह संपूर्ण घोड़ाखाल परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बना। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च सेनानायक से हुई यह भेंट कैडेट्स को सदैव याद रहेगी।

करंट से बंदर के बच्चे की मौत, लोगों पर झपटे बंदर

कालाढूंगी : मुख्य बाजार में पानी के टंकी के पास करंट से एक बंदर के के बच्चे की मौत हो गई। इससे गुस्साए बंदरों का झुंड राहगीरों को काटने के लिए झपटने लगा। इससे मौक पर अफरा-तफरी मच गई। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर दफना दिया है। बुधवार देर शाम पानी की टंकी वार्ड नं 3 में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से बंदर की बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत देख बंदरों का झुंड उग्र होकर राहगीरों को काटने झपटने लगा। बंदरों के हमले में कई राहगीर बाल-बाल बचे। अफरा-तफरी के चलते सड़क पर कुछ देर जाम की स्थिति बन गई। अंधेरा होने पर बंदरों का आतंक कम हुआ। सूचना पर वन विभाग की टीम ने बंदर के शव को कब्जे में ले लिया। डिप्टी रेंजर भूपेन्द्र बिष्ट ने बताया कि जंगल में शव का दफना दिया गया है।

गैस सिलेंडर के लिए केवाईसी कराना जरूरी

रामनगर : गैस उपभोक्ताओं को अब केवाइसी कराना नितांत आवश्यक है। यह जानकारी गैस सर्विस के प्रबंधक दीपक कुमार आर्य ने देते हुए बताया कि एलपीजी कनेक्शन में केवाईसी अनिवार्य हो गई है।उन्होंने बताया कि गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को एलपीजी कनेक्शन में केवाईसी कराना अनिवार्य है।यह इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के निर्देशानुसार आवश्यक है।कहा कि यदि उपभोक्ताओं की केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण नहीं है, तो गैस बुकिंग नहीं हो पाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि जल्द से जल्द अपनी केवाईसी पूरी कराएं। केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए ग्राहक को स्वयं गैस एजेंसी पर जाना जरूरी है।

कुमाऊं विवि में हाइड्रोपोनिक्स और बायो फ्लॉक तकनीक का लोकार्पण

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया ऑनलाइन शुभारंभ, बोले- मिलेगा लाभ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में आज उत्तराखंड के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने रुसा परियोजना के कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के तहत हाइड्रोपोनिक्स तकनीक तथा बायो फ्लॉक तकनीक का ऑनलाइन माध्यम से लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि मछली उत्पादन और हाइड्रोपोनिक खेती उत्तराखंड के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। इन तकनीकों के माध्यम से प्रदेश के युवा आधुनिक कृषि प्रणाली अपनाकर उत्पादन में वृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पर्वतीय प्रदेश में सीमित भूमि और संसाधनों के बीच ये तकनीकें कृषि और मत्स्य पालन को नया आयाम देंगी। कुलपति प्रो. दिवान सिंह रावत ने बताया कि यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला रुसा तथा मेरु योजनाओं के अंतर्गत स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि इससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और शोधार्थी आधुनिक तकनीक से जुड़कर कृषि, पर्यावरण और मत्स्य क्षेत्र में नवाचार ला सकेंगे। कुलसचिव डॉ. मंगल सिंह मंद्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. हरीश बिष्ट, प्रो. सुची बिष्ट, प्रो. सुषमा टम्टा आदि शिक्षकों ने विचार साझा किए।

क्या है हाइड्रोपोनिक्स तकनीक?

हाइड्रोपोनिक्स ऐसी "मिट्टी रहित खेती" तकनीक है, जिसमें पौधों को मिट्टी की जगह पोषक तत्वों से भरपूर जल घोल में उगाया जाता है। इस प्रणाली में पानी की खपत कम होती है, कीटनाशकों की आवश्यकता न्यूनतम होती है और यह सीमित स्थान वाले शहरी क्षेत्रों में ताजी सब्जियां उगाने का उत्कृष्ट समाधान है।

बायो फ्लॉक तकनीक की विशेषता

बायो फ्लॉक तकनीक माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित है, जो जल में उपस्थित विषाक्त नाइट्रोजन घटकों का उपचार कर उन्हें मछलियों के लिए प्रोटीनयुक्त आहार में परिवर्तित करती है। इससे छोटे तालाबों में भी मछली पालन संभव हो जाता है। इस तकनीक से मछलियों का वजन मात्र आठ माह में एक किलोग्राम तक हो जाता है। डीएसबी परिसर में स्नो ट्राउट मछली का संरक्षण भी इसी विधि से किया जा रहा है। डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि हाइड्रोपोनिक्स और बायो फ्लॉक जैसी तकनीकें आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूत कदम हैं और ये राज्य में रोजगार व आजीविका बढ़ाने की अपार संभावनाएं खोलेंगी।इस अवसर पर प्रो. नीता बोरा शर्मा, डॉ. एस.एस. बरगली, डॉ. किरण बरगली, डॉ. नीलू लोध्याल, डॉ. महेंद्र राणा, ए.ई. संजय पंत, विशाल बिष्ट, लता एवं दीपशिखा ओली सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

लेक्स इंटरनेशनल स्कूल में गुरु नानक जयंती पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

लेक्स इंटरनेशनल स्कूल में गुरु नानक जयंती धूमधाम से मनाई

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: लेक्स इटंरनेशनल स्कूल, भीमताल में गुरु नानक जयंती विधि विधान से मनाई गई। प्रातः काल विद्यालय के प्रधानाचार्य एसएस नेगी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिक्षक अरुण दास ने गुरु नानक जी के जीवन दर्शन, उनके कार्यों पर अंग्रेजी तथा कक्षा 8वीं के छात्र आरुष नेगी ने हिन्दी में गुरु नानक देव की महिमा का बखान किया।

बाद कक्षा 12वीं की छात्राओं पल्लवी चौहान, काजल वर्मा और खुशनूर राजपाल ने मूल मंत्र ''इक ओंकार सतनाम'' का पाठ किया। कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने एक गीत और खुशनूर राजपाल ने अरदास प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य / निदेशक एसएस नेगी ने गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों को बधाई दी। साथ ही धर्म के मूल विषय मानव धर्म, एकता व सामाजिक सौहार्द का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं की छात्रा पल्लवी सिंह चौहान ने किया।

संगीतकार सलिल को मिला ग्लोबल म्यूजिक अवार्ड

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : युवा संगीतकार व संगीत निर्माता सलिल पंत को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित प्रतिष्ठित ग्लोबल म्यूजिक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें उनकी संगीत रचना रिलैक्स इट विल ऑल बी फाइन के लिए न्यू एज और एक्सपेरिमेंटल श्रेणियों में दो ब्रॉन्ज मैडल अवार्ड प्राप्त हुए हैं।

यह रचना उनके प्रसिद्ध एल्बम टेक मी टू स्लीप का हिस्सा है, जिसे इसकी शांत व ध्यानात्मक सांगीतिक के लिए सराहा गया है। ग्लोबल म्यूजिक अवार्ड विश्व के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगीत सम्मानों में से एक है, जो स्वतंत्र संगीतकारों को उनकी रचनात्मकता और साउंड डिजाइन में योगदान के लिए दिया जाता है। इस अवार्ड की अंतरराष्ट्रीय जूरी में भारत के ग्रैमी विजेता संगीतकार रिकी केज भी शामिल हैं।

सलिल पंत, स्वर संगम के निदेशक आचार्य हरीश चन्द्र पंत के सुपुत्र हैं। बीटेक और वायलिन में विशारद की उपाधि प्राप्त करने के बाद वे बीते एक दशक से मुंबई में संगीत निर्माण के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। प्रदेशभर के कलाकारों ने सलिल पंत को इस वैश्विक उपलब्धि पर बधाई दी है।

घटिया डामरीकरण के खिलाफ किया प्रदर्शन

भीमताल: पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरु ने ओखलकांडा विकासखंड के अंतर्गत पीएमजीएसवाई और लोक निर्माण विभाग के द्वारा निर्मित हो रही सड़क मार्ग निर्माण में व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष थाना खनस्यू को तहरीर सौंप कर इन मार्गों को करने वाले ठेकेदार विभागीय और अभियंता व अन्य विभागीय अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने मोटर मार्ग में गड्ढे में बैठकर प्रदर्शन भी किया। उन्होंने कहा कि ओखलकांडा विकासखंड की बहुत सारी सड़क मार्गों पर डामरीकरण का कार्य चल रहा है। छीड़ाखान से अमजड़ मिडार मोटर मार्ग और लोक निर्माण विभाग के तहत ल्वार डोबा सड़क मार्ग में डामरीकरण में हो रही अनियमित का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। कहा कि 9 को थाना खनस्यू में भ्रष्टाचार के विरुद्ध धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

मेथोडिस्ट चर्च का स्थापना दिवस मनाया

● भक्ति, स्तुति और प्रेम के वातावरण में गूंजा प्रभु का घर

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में मेथोडिस्ट चर्च के स्थापना दिवस पर प्रार्थना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रामनगर स्थित मेथोडिस्ट चर्च का स्थापना दिवस धूमधाम, हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु, चर्च सदस्य, बच्चे, युवा और महिलाएं सम्मिलित हुए।कार्यक्रम की शुरुआत चर्च के पादरी प्रमोद अभिषेक ने प्रार्थना और बाइबिल पाठ के साथ की।

उन्होंने बाइबिल से प्रेरणादायक वचन साझा करते हुए कहा कि चर्च केवल एक भवन नहीं, बल्कि यह प्रभु की उपस्थिति का स्थान है, जहां विश्वास, प्रेम और सेवा का संगम होता है।"उन्होंने सभी विश्वासियों से एकता, प्रार्थना और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान चर्च के बच्चों और युवा मंडली ने प्रभु की स्तुति में मधुर भजनों और गीतों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को आनंद और आत्मिक शांति से भर दिया। इस विशेष अवसर पर पादरी प्रमोद अभिषेक ने सभी सदस्यों के साथ मिलकर केक काटा, और सभी ने प्रभु का धन्यवाद करते हुए एक-दूसरे को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। पूरे चर्च में भाईचारे और आनंद का दिव्य वातावरण देखने को मिला। अंत में पादरी ने सभी श्रद्धालुओं और चर्च परिवार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रभु से सभी के जीवन में शांति, आशीष और प्रेम की प्रार्थना की। इस दौरान कोषाध्यक्ष डॉ. चमनलाल, सेक्रेटरी आरके राही, डेलीगेट अजय कुमार, टॉमस जोन, मीडिया प्रभारी जॉन मसीह, पूर्व डेलीगेट दीपक मसीह. राजेश कुमार, अजय (टिंगु), प्रमोद, शुभम मसीह, सूरज कुमार, सुषमा, सुनीता, लविना, अमित, सनी सहित कई अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना के साथ हुआ

अब खेतों को शीघ्र मिलेगा पानी

संवाददाता, हल्दूचौड़

नई सिंचाई व्यवस्था की जानकारी देते ग्राम प्रधान व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: वर्षों से खेतों तक पानी पहुंचाने में लगने वाले घंटों की मशक्कत अब बीते दिनों की बात हो गई है। ग्राम सूपी भगवानपुर मोटाहल्दू के किसानों के लिए ग्राम प्रधान रमेश जोशी की पहल किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई है।

मोटाहल्दू में ग्राम प्रधान की कोशिशों और नलकूप विभाग के सहयोग से जिला योजना के अंतर्गत करीब 6 लाख रुपये की लागत से लगभग 400 मीटर लंबी अंडरग्राउंड पाइप लाइन (8 इंच व्यास) बिछाई गई है। इस व्यवस्था से अब पानी मात्र 5 मिनट में खेतों तक पहुंच रहा है। इस तकनीकी सुधार से किसानों की सिंचाई व्यवस्था न सिर्फ बेहतर हुई है बल्कि उनकी मेहनत और समय की भी बड़ी बचत हो रही है। कृषक कांति वल्लभ कबड़वाल, प्रकाश कबड़वाल, गिरीश चंद्र कबड़वाल, राजू कवड़वाल, गौरव कबड़वाल, सौरभ कबड़वाल, मदन शर्मा, अशोक कांडपाल, विमल कांडपाल, हीरा कबड़वाल, सुरेश कबड़वाल ने प्रधान व नलकूप विभाग का आभार जताया है।

नैनीताल में फिर बढ़ी सैलानियों की भीड़

नैनीताल, अमृत विचार: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हालिया नैनीताल दौरे के चलते कुछ दिनों तक प्रशासनिक प्रतिबंधों और सुरक्षा बंदोबस्तों से शांत रहे नैनीताल में अब दोबारा सैलानियों का आवागमन शुरू हो गया है। बुधवार से ही शहर की माल रोड, नैना देवी मंदिर परिसर और झील क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। होटलों में बुकिंग बढ़ने लगी है, वहीं झील में नौकायन और माल रोड पर घूमते पर्यटकों के कारण बाजारों में रौनक लौट आई है। स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि लंबे सप्ताहांत (वीकेंड) से पहले ही सैलानियों की आमद से कारोबार में तेजी आने लगी है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

संवाददाता, भीमताल

छात्रों को पुरस्कृत करते निदेशक सर्तकता डॉ. वी मुरुगेशन

अमृत विचार : सतर्कता विभाग के तत्वावधान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ। इस मौके पर सतर्कता निदेशक डॉ. वी मुरुगेशन के निर्देशन में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ।

निदेशक ने छात्रों और उपस्थित अधिकारियों व अध्यापकों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान छात्रों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों विश्वविद्यालय के छात्रों और अध्यापकों को भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए सत्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई । कार्यक्रम की थीम (सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी) पर लघु फिल्म बनाई गई जिसमें तेजस उप्रेती ने प्रथम साहिल सिंह ने दूसरा और अभिनव खर्कवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उन्हें पुरस्कृत किया गया। डॉ. फराह खान के निर्देशन में छात्रों ने नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इस दौरान विश्व विद्यालय के छात्र छात्राएं शिक्षक कर्मचारी रहे।

25 प्रशिक्षुओं को किया सम्मानित

नैनीताल, अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले 25 प्रशिक्षुओं को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पर्यटन विभाग, नैनीताल द्वारा नैना देवी हिमालयन बर्ड कंजर्वेशन रिजर्व, पंगोट में एक नवंबर से बर्ड वॉचिंग पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बुधवार को इसका समापन जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी द्वारा किया गया।

जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों एवं युवाओं को बर्ड वॉचिंग प्रशिक्षक के रूप में रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस दौरान पंगोट होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक मर्तोलिया, प्रशिक्षक दीपक मेहरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

नई पहल | 1999 में केएमवीएन के द्वारा प्रारंभ गर्म गुब्बारे से प्रारंभ सफर की देश विदेश में धूम

पैराग्लाइडिंग ने दी भीमताल को नई पहचान

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल जहां अपनी सुंदर झील के कारण पहचाना जाता है वहीं भीमताल में होने वाली पैराग्लाइडिंग देश-विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। भीमताल व आसपास के लगभग 400 से 500 युवकों को पैराग्लाइडिंग से रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है।

यहां पर्यटन विभाग द्वारा जारी सुरक्षा नियमों के तहत और सभी उपकरणों के साथ पैराग्लाइडिंग कराई जाती है। माना जाता है कि सुरक्षा के मामले में भीमताल में पैराग्लाइडिंग अव्वल है। यहां लगभग वर्तमान में 10 पैराग्लाइडिंग कंपनियां हैं। भीमताल नगर में पैराग्लाइडिंग का व्यवसाय लगभग 10 साल पुराना है। इससे पूर्व कुमाऊं में पैराग्लाइडिंग की शुरुआत 1999 में कुमाऊं मंडल विकास निगम ने की थी। तत्कालीन प्रबंध निदेशक उमेश सिन्हा की पहल पर कुमाऊं मंडल विकास निगम ने नैनीताल के सुखाताल में गर्म हवा के गुब्बारे की शुरुआत की थी। शुरू में तो इस पहल को खूब सराहा गया पर बाद में कुछ कमी के चलते यह योजना परवान नहीं चढ़ पाई। 1999 में केएमवीएन भीमताल में भी पैराग्लाइडिंग की शुरुआत की उसे समय हिमाचल स्नोलैंड हॉलीडे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से अनुबंध कुमार मंडल विकास निगम ने किया और इसी के तहत नैनीताल के चीन पीक से भी उड़ान भरी गई। सर्वे के तहत भीमताल और नकुचिया लाल के अलावा द्वाराहाट समेत कई अन्य स्थानों की पहाड़ी उपयुक्त पाई गई। तब से भीमताल में पैराग्लाइडिंग आयोजित हो रही है। पिछले 10 वर्षों में पैराग्लाइडिंग ने जोर पकड़ा तो भीमताल में अकेले 10 कंपनियां स्थापित हो गईं। अब यहां स्थानीय युवक भी पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं। पैराग्लाइडिंग साइट संचालकों की मानें तो अब तक लगभग आधा दर्जन से अधिक स्थानीय युवक पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण लेकर अपनी सेवा दे रहे हैं। यहां सवेरे से पैराग्लाइडिंग साइड में पर्यटकों की भीड़ रहती है। स्थानीय पैराग्लाइडिंग साइड स्वामियों की मानें तो आने वाले दिनों में इसका काफी स्कोप है।

पैराग्लाइडिंग में क्षेत्र के लगभग पचास प्रतिशत से अधिक युवक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सेवा दे रहे हैं। पैराग्लाइडिंग पलायन रोकने पर सफल रहा है। -**नितिन राणा** निदेशक ईगल आई एडवेंचर कंपनी

पैराग्लाइडिंग भीमताल की पहचान बनाने में सफल रहा है कई स्थानीय युवकों को इससे रोजगार मिला है पर्यटक भी इसकी जानकारी लेते रहते हैं और पैराग्लाइडिंग उत्साह के साथ करते हैं कुमाऊं मंडल विकास निगम का प्रयास पर्यटन को बढ़ावा देने में सफल रहा है। -**विपिन पांडे**, सेवानिवृत्ति मुख्य पर्यटन विकास अधिकारी कुमाऊं मंडल विकास निगम

इसमें कोई भी शक नहीं है कि भीमताल ने पैराग्लाइडिंग को लेकर ऊंचाइयों को छुआ है और अपनी पहचान बनाई है। भीमताल में शायद ही कोई ऐसा पर्यटक होगा जो की पैराग्लाइडिंग साइट ना आता हो । भीमताल में पैराग्लाइडिंग करना लगभग शत सुरक्षित है। -**नितेश बिष्ट**, निर्देशक न्यू भीमताल एडवेंचर क्लब

सतगुरु नानक प्रगटया मिट्टी धुंध जग चानन होआ...

श्रद्धा व आस्था से मना गुरु नानक देव जी का 556वां प्रका श पर्व, विशेष कीर्तन दीवान व अरदास के साथ गूंजा गुरुद्वारा साहिब

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व बुधवार को शहर भर में श्रद्धा, आस्था और पावनता के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा, रामलीला ग्राउंड परिसर में विशेष कीर्तन दीवान का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में पटना साहिब से पधारे ज्ञानी रणजीत सिंह मस्कीन ने कथा के माध्यम से संगत को गुरु की शिक्षाओं से अवगत कराया। वहीं अमृतसर से आए हजूरी रागी ज्ञानी अवतार सिंह और आनंदपुर साहिब से पहुंचे रागी हरजोत सिंह ने शबद कीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर हेड ग्रंथी ने जगत कल्याण की अरदास की। गुरुद्वारा परिसर में 'सतगुरु नानक प्रगटया मिट्टी धुंध जग चानन होआ' के स्वर गूंजते रहे और वातावरण गुरु नानक देव जी के उपदेशों नाम जपो, किरत करो और वंड छको से आलोकित रहा।

रामलीला मैदान में गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर शबद गायन करता रागी जत्था।

दोपहर 12 बजे के बाद विशाल लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरुद्वारे के स्टेज सेक्रेटरी हरविंदर सिंह, बबलू कुकरेजा और प्रवक्ता हरजीत सिंह चड्ढा ने बताया कि प्रकाश पर्व पर दिनभर दीवान सजाए गए और रात्रि में भी विशेष भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, मेयर गजराज सिंह बिष्ट, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कांग्रेस नेता खजान पांडे, पूर्व सांसद बलराज पासी, आरटीओ प्रशासन गुरदेव सिंह, और डॉ. हरभजन सिंह ने माथा टेक कर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मुख्य सेवादार वीरेंद्र सिंह चड्ढा, कंवलजीत सिंह उप्पल, रमन साहनी, परमजीत सिंह शंटी, कुलविंदर सिंह चड्ढा, सनी आनंद, मनलीन कोहली, सुरिंदर कौर, बलजीत कौर, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सभी श्रद्धालुओं, सेवादारों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में संगत मौजूद रही।

रामलीला मैदान में गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर दरबार में मत्था टेकती संगत।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सजाया गया कीर्तन दरबार

नैनीताल, अमृत विचार : सरोवर नगरी नैनीताल में बुधवार को प्रथम सिख गुरु, श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा साहिब मल्लीताल में भव्य कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब को रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक बिजली की झालरों से सजाया गया। सुबह अखंड पाठ साहिब के आरंभ के साथ कीर्तन दरबार का आयोजन हुआ। प्रसिद्ध रागी वीर पारस सिंह तथा लुधियाना से आई बीबी सिमरन कौर ने अपनी मधुर वाणी में कीर्तन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। दोपहर के समय गुरुद्वारा परिसर में लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को दीवान सभा के साथ रंगारंग आतिशबाजी भी की गई। इस अवसर पर जोगेंद्र सिंह आनंद, जीत सिंह आनंद, अमनप्रीत सिंह, यशपाल सिंह, संदीप सिंह, जसमीत सिंह, गगनदीप सिंह, जसकरण सिंह, सतनाम सिंह, अमरजीत सिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गिरिजा मंदिर की तलहटी पर कोसी नदी में श्रद्धालुओं की भीड़। ● अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा पर गिरिजा में उमड़े सैकड़ों श्रद्धालु

संवाददाता, रामनगर

- हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई कोसी नदी में डुबकी

अमृत विचार: कुमाऊं गढ़वाल के प्रवेश द्वार रामनगर में स्थित गिरिजा मंदिर की तलहटी पर बह रही कोसी नदी में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाने के बाद मां गिरिजा देवी की पूजा अर्चना करते हुए मन्नत मांगी।बुधवार सुबह तड़के से ही मंदिर परिसर और नदी किनारे श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी।

मान्यता के अनुसार कोसी नदी को कोशिकी नदी के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में स्नान का यह मेला हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होता है। यहां पर काशीपुर,जसपुर, मुरादाबाद, कालाढूंगी,ठाकुरद्वारा आदि क्षेत्रों के श्रद्धालु मेले में शामिल होने पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए मंदिर समिति और प्रशासन की ओर से विशेष इंतज़ाम किए गए। नदी किनारे गोताखोर और जल पुलिस की टीमें तैनात रहीं, वहीं मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रसाद और साफ-सफाई की व्यवस्था की। हालांकि, इस बार पिछले वर्षों की तुलना में श्रद्धालुओं की भीड़ में कमी देखने को मिली। स्थानीय लोगों का कहना है कि मौसम और परिवहन की असुविधा इसकी वजह रही। श्रद्धालु सुमन बिष्ट ने बताया कि हर साल हम माता के दर्शन के लिए यहाँ आते हैं। मन को बहुत शांति मिलती है। इस बार भीड़ थोड़ी कम है, लेकिन माहौल पहले जैसा ही श्रद्धा भरा है। वहीं श्रद्धालु भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कोसी का पानी बहुत पवित्र माना जाता है। यहाँ स्नान करने से पाप धुलते हैं। हम कई सालों से आ रहे हैं, हर बार अलग अनुभव मिलता है। मंदिर समिति के अध्यक्ष कुबेर सिंह अधिकारी ने बताया कि मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। प्रशासन और समिति ने मिलकर पूरी व्यवस्था संभाली। गिरिजा मंदिर का यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोक आस्था का पर्व है, जहां श्रद्धा, संस्कृति और कुमाऊं की परंपरा एक साथ दिखाई देती है।

इस दौरान एसडीएम प्रमोद कुमार, कोतवाल सुशील कुमार,चौकी प्रभारी गगनदीप सिंह, समिति सचिव दीप कुमार जोशी, समिति उपाध्यक्ष गोविंद सिंह अधिकारी, डॉ. देवी दत्त दानी, डॉ. निशांत पपनै, दिनेश जोशी, नारायण दत्त जोशी, उमेश रेखाड़ी, नितेश जोशी, हेमचंद हर्बोला, दिनेश चंद पांडे, डीके सुयाल, नारायण दत्त जोशी, पुजारी मनोज पांडे, पुजारी दिनेश पांडे आदि मौजूद रहे।

शरदोत्सव मेला 10 से 14 नवंबर तक

हल्द्वानी, अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर मानव विकास सेवा संस्थान पांच दिवसीय 25वां शरदोत्सव मेला आयोजित करने जा रहा है। संस्थान के अध्यक्ष व फिल्म निर्माता-निर्देशक विक्की योगी ने बताया कि यह महोत्सव 10 से 14 नवंबर तक रामलीला मैदान में संपन्न होगा। महोत्सव में उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर, लोक कला, हस्तशिल्प, लोक संगीत और पारंपरिक वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन में नीरज शारदा व कृष्णा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रबंध निदेशक डॉ. जेएस खुराना का विशेष संयोजन रहेगा।

भव्यता के साथ हुआ राधाकृष्ण मन्दिर का नव निर्माण

- रामबाग कॉलोनी में देव मूर्तियों का हुआ भ्रमण, प्राण प्रतिष्ठा के बाद किया गया भंडारा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रामपुर रोड स्थित रामबाग कॉलोनी में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री राधाकृष्ण मन्दिर का नव निर्माण आयोजन श्रद्धा, भव्यता और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

तीन नवंबर से 5 नवंबर तक मंदिर में विराजमान देवी-देवताओं की मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा मंत्रोच्चार द्वारा पंडितों द्वारा की गई। बुधवार को श्री राधाकृष्ण मन्दिर में पूर्ण आहुति हवन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 500 भक्तों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया। इससे पूर्व प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक मूर्ति भ्रमण कार्यक्रम रामबाग कॉलोनी में किया गया, जिसमें काफी संख्या महिलाओं और श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महिलाएं मांगलिक अवसरों पर पारंपरिक और कुमाऊनी संस्कृति के अनुरूप परिधानों में मंदिर में पहुंचीं। आयोजन में मुख्य रूप से विधायक बंशीधर भगत, पार्षद अमित बिष्ट, आलोक शर्मा, राधा कृष्ण मन्दिर सेवा समिति के संरक्षक उर्वादत्त जोशी, मोहन चंद्र जोशी, विजय डबराल, समिति के अध्यक्ष बिरेंद्र परिहार, पुष्कर परिहार, ईश्वरी दत्त जोशी, खजान विरदी, किशोर वार्ष्णेय, मोहन चंद्र बुढ़लाकोटी, आदेश गुप्ता, गिरीश जायसवाल, भुवन भाष्कर पांडे और उमेश जोशी का विशेष सहयोग रहा।

रामबाग कॉलोनी में श्री राधा कृष्ण मंदिर की स्थापना पर पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

राधा- कृष्ण मंदिर में मूर्तियों की स्थापना के अवसर पर शोभायात्रा निकालते श्रद्धालु।

एकलव्य क्रिकेट अकादमी व एचसीसी के बीच मैच ड्रा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कोल्ट्स क्लब के मैदान में आयोजित अंडर-14 स्वर्गीय पूरन चन्द्र बलूटिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे मैच में एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन एकलव्य क्रिकेट अकादमी की टीम ने 286 रनों पर पारी घोषित कर दी। गजेंद्र ने 175 और देवांश ने 44 रनों का योगदान दिया।

एचसीसी की पूरी टीम अपनी पहली पारी में 190 रनों पर आल आउट हो गयी। ओम बोरा ने 62 और आवेश ठाकुर ने 40 रनों का योगदान दिया। एकलव्य क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज भावेश और विभाकर ने 3-3 विकेट लिए। एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने अपनी दूसरी पारी में देवांश के 185, और गजेंद्र के 125 रनों की मदद से 353 बनाए। अपनी दूसरी पारी में 450 रनों का लक्ष्य पूरा करने उतरी एचसीसी की टीम ने चंद्रभान के 44 और आवेश ठाकुर के 35 रन की पारी खेली और मैच ड्रा हुआ। एकलव्य के गेंदबाज विवेक बिष्ट ने 3 और विभाकर ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एकलव्य क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी गजेंद्र बजवाल को दिया गया। मैच के अंपायर हरप्रीत सिंह कम्बोज और गौरव नेगी रहे जबकि स्कोरर की भूमिका रवि सिंह ने निभाई। इससे पूर्व मैच का उद्घाटन वरिष्ठ क्रिकेटर पाल ने दोनों ही टीमों से परिचय प्राप्त कर किया। इस मौके पर नीरज बलूटिया, आनंद बिष्ट, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, सचिन बेलवाल,पंकज गुरुरानी, योगेश चौहान ,संजय चौधरी , विक्रम बोरा, विजय आर्या, प्रशांत भंडारी,सोनू आर्या, प्रकाश भगत आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने कार्यशाला में बताए अपने सपने

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डेरा थिएटर देहरादून की ओर से रमोलिया हाउस में हिमालयन डायलॉग्स और काफल ट्री लाइव के सहयोग से क्रिएटिव ड्रामा की एक दिवसीय कार्यशाला की। इसमें छह स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य बच्चों को कला के विविध रूपों से परिचित कराना, रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर देना और व्यक्तित्व विकास की दिशा में नई राहें खोलना है। इसके अलावा प्रवासी मजदूरों के बच्चों को फतेहपुर के चारधाम मंदिर प्रांगण में तितली अभियान का आगाज एक नाट्य कार्यशाला से हुआ।

कुमाऊं मंडल विकास निगम शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित रमोलिया हाउस में बुधवार को कार्यशाला हुई। इसका संचालन शुबा ने किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को यह-वह सब करने का अवसर देना था जो वो स्कूल में नहीं कर पाते। रचनात्मक सामर्थ्य नए सोपानों की ओर ले जाना, अपनी बात, अपना नजरिया दूसरों के सामने बेझिझक रखना और दूसरे की बात को धैर्यपूर्वक सुनना, दूसरों से दोस्ती करते हुए उनको जानना, मिलकर काम करना और टीम वर्क का आनन्द लेना। इसमें बिड़ला स्कूल, निर्मला कॉन्वेंट, बीएलएम अकेडमी, स्वास्त्यन स्कूल और हैरिटेज स्कूल, ऑरम द ग्लोबल स्कूल के बच्चों सात्विक पाठक, नित्यम पाठक, दृष्टि, जाह्नवी, कार्तिक, जतिन, शाश्वत, मयंक, दिव्यांश, स्निग्धा, यात्रा, सारस्वत उप्रेती और आयुषी पंत ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। बच्चों ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं रोज होनी चाहिए। यहां गलती करने की भी आजादी थी। स्कूलों में ऐसा माहौल नहीं मिलता। कार्यशाला की अध्यक्षता पॉलीथिन बाबा प्रोफेसर व लेखक प्रभात उप्रेती ने की। उन्होंने कहा, बच्चों को जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी जाती है, तो उनमें आत्मविश्वास और संवेदनशीलता दोनों का विकास होता है। यही शिक्षा का असली उद्देश्य है। इसके बाद प्रवासी मजूदरों के बच्चों (जो स्कूल नहीं जाते) के लिए कार्यशाला की। तितली अभियान की संयोजक सुनीता भास्कर ने कहा कि मजदूर परिवारों के बच्चों को खेल सामग्री देना, उन्हें ट्यूशन के लिए आर्थिक मदद देना व लोगों से डोनेट कर पढाई की सामग्री को उन तक पहुंचाना इस अभियान का मकसद है। इस में राजेंद्र, पिंकी, कपिल, दीक्षा, डौली, रोहित मौजूद रहे।

रमोलिया हाउस में हुई कार्यशाला में मौजूद बच्चे। ● अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गार्गी नदी में स्नान और मुंडन संस्कार करवाते लोग।

स्वामी अवधेशानन्द गिरी का जन्मोत्सव मनाया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रभु प्रेमी संघ ने जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी महाराज का जन्मोत्सव समन्वय सेवा कुंज में हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने भजन संध्या और कीर्तन किया। दया त्रिपाठी ने मेरे सदगुरू परम सुजान गुरू का कैसे वरन करू भजना गाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान संरक्षक विजय बंसल, अध्यक्ष विमला गुप्ता, संगीता गुप्ता, नीमा साह, दीपक जोशी, गीता चिलवाल, मालती उपाध्याय, योगेश पांडेय मौजूद रहे।

आयोजन | विश्व हिन्दी रचनाकार मंच ने मनाया उत्तराखंड कवयित्री अवार्ड फेस्टिवल, विभिन्न अवार्ड देकर किया सम्मानित

अवार्ड फेस्टिवल में कवयित्रियों को दिया गया सम्मान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: विश्व हिन्दी रचनाकार मंच की ओर से बुधवार को अरुणोदय धर्मशाला सभागार में उत्तराखंड कवयित्री अवार्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। समारोह में मंच की ओर से उत्तराखंड की प्रतिभाशाली कवयित्रियों को उनकी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए उत्तराखंड डायमंड पोयट्री अवार्ड, उत्तराखंड गोल्डन पोयट्री अवार्ड, और उत्तराखंड कवयित्री सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम काशुभारंभ विश्व हिंदी रचनाकार मंच के संस्थापक अध्यक्ष राघवेन्द्र ठाकुर, समारोह अध्यक्ष डॉ. पुष्पलता जोशी, शिक्षाविद् डॉ. बीना मथेला, राधा बाल्मीकि व डॉ. शशि जोशी की ओर से मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि व मंच के संस्थापक अध्यक्ष राघवेन्द्र ठाकुर ने इस अवसर पर महिलाओं से अपने मन के विचारों को, अपनी कल्पनाओं को कविता के माध्यम से उजागर करने की अपील की। अरुणोदय संस्था के उपाध्यक्ष बिपिन चन्द्र पाण्डे ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रचनाकार बीना जोशी हर्षिता, इन्द्रा तिवारी व मंजू जोशी ने संयुक्त रूप से किया।

उत्तराखंड कवित्री अवार्ड कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन करते विश्व हिंदू रचनाकार मंच के अध्यक्ष राघवेन्द्र ठाकुर व अन्य।

इनको किया गया सम्मानित : उत्तराखंड डायमंड पोयट्री अवार्ड से डॉ. पुष्पलता जोशी, डॉ. बीना मथेला, डॉ. राधा वाल्मीकि, डॉ. शशि जोशी, डॉ. चम्पा बिष्ट, नीलम नेगी और दीपा कांडपाल को सम्मानित किया गया। उत्तराखंड गोल्डन पोयट्री अवार्ड पाने वालों में मंजू जोशी, मीना सती, सुश्री सीमा भाकुनी, मानसी जोशी, दीक्षा जोशी, हेमा हर्बोला, चंदू अवस्थी, इन्द्रा तिवारी, बीना जोशी 'हर्षिता', डॉ. भगवती पनेरू, किरन पंत, शालिनी शर्मा, किरन पंत, डॉ. विनीता खाती, डॉ. रीता देवी, सोनी यादव, हेमा जोशी, मीनू जोशी और सोनिया आर्या शामिल रहीं। साथ ही उत्तराखंड कवयित्री सम्मान से ज्योति पांडेय, कविता जोशी, पिंकी आर्या, शीतल सार्की, कविता भट्ट, बबिता जोशी, कमला जोशी, हिमानी महर, जानकी चतुर्वेदी, निकिता पंत, आशा बुटोला और जयमाला देवलाल को नवाजा गया। इसके अतिरिक्त, डॉ. नवीन चन्द्र जोशी को पवित्र सिंदूर सम्मान, आशा शुक्ला को राष्ट्र गौरव सम्मान, और विपिन चंद्र पांडे को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

निर्माताओं और विक्रेताओं के बीच सीधा संबंध बनाने को मिलेगा मंच

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला उद्योग केंद्र की ओर से राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना (रीप) व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के संयुक्त तत्वावधान में मल्टी स्टेक बायर-सेलर मीट हुई। इसके जरिए क्रेता-विक्रेता का सीधा संपर्क बनाया गया।

बुधवार को हुई काठगोदाम में हुई इस मीट का शुभारंभ मेयर गजराज बिष्ट, दर्जा मंत्री रेनू अधिकारी, सीडीओ अनामिका ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। सीडीओ ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य जनपद के भीतर उत्पादित हो रहे समस्त फार्म, नॉन फार्म व कृषि उत्पादित, सेवा संबंधी कार्यों के उत्पादों की बिक्री के लिए एक खुला मंच देने के लिए क्रेता का विक्रेता से सीधा सम्बन्ध स्थापित करना है। इस अवसर पर विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए गए थे जिसमें मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना से 20, रीप से 10 स्टाल, जिला उद्योग केंद्र से 10 स्टाल व एनआरएलएम से 10 कुल 50 स्टॉल थे। मीट में अतिथियों ने उद्यमियों से संवाद भी किया। इस मीट में 60 क्रेताओं व 80 विक्रेताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी, डीआईसी महाप्रबंधकपल्लवी गुप्ता, सहायक परियोजना निदेशक डीआरडीए चंदा फर्त्याल, प्रबन्धक दीपक जोशी, रीप के अरुण अधिकारी, हरीश तिवारी मौजूद रहे।

काठगोदाम में बायर सेलर मीट में लगे स्टॉल में उत्पाद देखते लोग।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

ध्यानपुर गांव में पेयजल लाइन में जगह-जगह लीकेज

नानकमत्ता/सितारगंज : सरकार की महत्वाकांक्षी ''जल जीवन मिशन'' योजना नानकमत्ता में टांय-टांय फिस्स होती नज़र आ रही है। जानकारी के अनुसार, लाखों रुपये खर्च करके ग्रामीण जनता की प्यास बुझाने के उद्देश्य से ''हर घर नल, हर घर जल'' के तहत यह योजना चलाई गई थी, लेकिन सितारगंज जल संस्थान के अधीन चल रही यह योजना केवल पाइपलाइन बिछाने तक ही सीमित रह गई है। पानी की टंकी से कनेक्शन तो घर-घर लगा दिए गए हैं, लेकिन अधिकांश नलों में पानी तक नहीं पहुंचा है। इसका मुख्य कारण यह है कि जगह-जगह से पाइप लाइनों में लीकेज होने के कारण पानी सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है। विभागीय अधिकारियों को शिकायत किए जाने के बावजूद भी कोई सुध नहीं ली गई है, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है।

महिला सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का किया आयोजन

काशीपुर : तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज महिला सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नीमा अग्रवाल रहीं। उन्होंने महिलाओं के उत्थान, समाज में महिलाओं की भूमिका एवं गुणों के महत्व पर विस्तृत रूप प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेविका राजदीपिका मधुर व संचालन रेखा शर्मा ने किया। यहां निधि पोखरियाल, संगीता रावत, प्रीति चौहान, पलक त्रिवेदी, आशा जोशी, मनीषा, रजनी जोशी, लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

रुद्रपुर में 36 लाख की अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से तीन किलो अफीम बरामद, एसटीएफ व पुलिस की कार्रवाई, पकड़े गए दोनों अभियुक्तों को कोर्ट में किया पेश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किच्छा पुलिस और एसटीएफ ने एक संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए दो अफीम माफियाओं को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से भारी मात्रा में अफीम भी बरामद की। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है।

बुधवार को खुलासा करते हुए एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि 4 नवंबर की शाम को किच्छा पुलिस और एसटीएफ कुमाऊं की टीम संयुक्त रूप से वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस बीच टीम गिद्धपुरी को जाने वाले निर्माणाधीन फ्लोर मिल के समीप पहुँची। तभी अचानक एक बाइक पर सवार दो युवक सकपका कर भागने की कोशिश करने लगे। संदेह होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर बाइक सवार युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम गाँव बहीपुर, बहेड़ी, बरेली निवासी सलीम अली और शेर मोहम्मद बताया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से तीन किलो अफीम भी बरामद की। पकड़ी गई अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 36 लाख रुपये आँकी गई है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे सीमावर्ती यूपी से अफीम लाकर तराई-भाबर क्षेत्र में सप्लाई करते हैं और पिछले कई वर्षों से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हैं। एसएसपी ने बताया कि जब अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास खँगाला गया तो सलीम अली पर बहेड़ी में हुई 40 लाख की डकैती के अलावा गैंगस्टर सहित कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अभियुक्तों का और आपराधिक इतिहास खँगाल रही है।

मामले का खुलासा करते एसएसपी मणिकांत मिश्रा और पुलिस गिरफ्त में अभियुक्त।

हमेशा बनी रहती है अराजकता की स्थिति

रुद्रपुर : शराब का नशा हो या फिर सूखा नशा। शाम ढलते ही ट्रांजिट कैंप इलाके में अराजकता की स्थिति बनी रहती है। ऐसा कोई दिन होता होगा। जहां लड़ाई-झगड़े, गोलीबारी या फिर मारपीट की घटनाएं नहीं होती है। आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा थाना ट्रांजिट कैंप में ही हाथापाई और लड़ाई झगड़े के मुकदमे भी पंजीकृत होते हैं और इन सभी प्रकरणों की मुख्य वजह है नशा। जिसकी रोकथाम बेहद जरूरी है। वरना कभी भी कच्ची शराब से अप्रिय घटना हो सकती है।

शराब के नशे में झूमता ट्रांजिट कैंप का इलाका

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: प्रदेश का सबसे बड़ा वार्ड कहे जाने वाला ट्रांजिट कैंप का इलाका पिछले कुछ माह से कच्ची शराब के नशे में झूमता हुआ दिखाई दे रहा है। शाम ढलते ही सड़कों पर इसका नजारा भी देखा जा सकता है, लेकिन पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी कही नहीं दिखाई देती है। चंद शराब विक्रेताओं की धरपकड़ के अलावा अभी तक बड़े शराब माफियाओं पर कार्रवाई नहीं होना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है।

बताते चलें कि चालीस वार्डों में शुमार ट्रांजिट कैंप वार्ड को प्रदेश की घनी आबादी और सबसे बड़ा माना जाता है। भौगोलिक परिस्थितियों की बात करें तो 80 फीसदी से अधिक लोग सिडकुल में दिहाड़ी मजदूरी कर अपनी जीविका चलाते हैं, लेकिन कुछ माह से ट्रांजिट कैंप का इलाका कच्ची शराब माफियाओं के आगोश में है और माफिया खुलेआम कच्ची शराब का धंधा करते हैं। हालात यह है कि स्थानीय व्यक्ति शराब के लती हो चुके हैं और सुबह होते ही हर गली और सार्वजनिक स्थानों पर शराब माफिया धड़ल्ले से शराब की बिक्री करते हैं। शाम ढलते-ढलते ट्रांजिट कैंप इलाके का नजारा ही बदलने लगता है। शराब के नशे में मदहोश शराबी दुकान पर पड़ा मिलता है तो कोई सड़क पर आराम करता हुआ दिखाई देता है। यहां तक सार्वजनिक भूखंड हो या फिर खेलकूद का प्रांगण किसी न किसी कोने एक शराबी पड़ा रहता है। देर रात्रि तक ट्रांजिट कैंप का ज्यादातर इलाका कच्ची शराब के नशे में झूमने लगता है और पुलिस बेबस होती जाती है। अब सवाल यह उठता है कि क्या थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को कच्ची शराब का धंधा होने की कोई जानकारी नहीं है या फिर महज छोटे शराब विक्रेताओं की धरपकड़ कर पुलिस बड़े माफियाओं को बचाने का प्रयास करती रहती है। यही सवाल ट्रांजिट कैंप की हर महिला के जहन में उठता है। जिनके घर- परिवार शराब ने तबाह कर दिए हैं या फिर उस कगार में पहुंच रहे हैं। जिसका जवाब शायद पुलिस के पास भी नहीं है।

ट्रांजिट कैंप इलाके में नशे में बेसुध पड़े नशेड़ी। ● अमृत विचार

ऐसा कोई नशा नहीं जो यहां बिकता नहीं

रुद्रपुर : ट्रांजिट कैंप इलाके में ऐसा कोई नशा नहीं जो इलाके में बिकता नहीं होगा। कारण घनी आबादी होने के कारण अक्सर नशा माफिया किराए पर रहते हैं और सीमावर्ती इलाकों का फायदा उठाकर स्मैक हो या फिर चरस अफीम की सप्लाई आसानी से कर देते है। जिस कारण ट्रांजिट कैंप इलाके के ज्यादातर व्यक्ति हो या फिर युवा हर घातक नशे का लती होता जा रहा है। यही नशा अपराध व अपराधी बनाने का जिम्मेदार होता है।

कई लोग गंवा चुके हैं अपनी जान

रुद्रपुर : उड़ता पंजाब बनता जा रहा ट्रांजिट कैंप इलाके में कई लोगों ने अपनी जिंदगी गंवा दी है। पिछले कुछ दिन भी दुकान के सामने एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला था जो अक्सर कच्ची शराब पीकर घूमते हुए दिखाई देता था। कई युवा ऐसे हैं जो बेहद ही खतरनाक नशे की वजह से जिंदगी गंवा चुके हैं। जिसको लेकर महिलाओं ने आंदोलन भी चलाया था, लेकिन अभी तक इलाके में धंधा तरक्की कर रहा है।

ट्रांजिट कैंप इलाके में पुलिस लगातार शराब व नशे के खिलाफ धरपकड़ की कार्रवाई करती है। समय-समय पर सत्यापन अभियान के साथ ही नशा माफियाओं के खिलाफ अभियान भी चलाया जाता है। बावजूद कच्ची शराब माफियाओं के खिलाफ मुहिम चलाई जाएगी और किसी भी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा। **-मोहन चंद्र पांडेय,** प्रभारी, थाना ट्रांजिट कैंप

कृषि मंत्री ने लिया सम्मेलन की तैयारियों का जायजा

● **अधिकारियों को दिए समय पर गुणवत्तापूर्ण तैयारी करने के निर्देश**

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ऊधमसिंह नगर जनपद प्रभारी एवं कृषि मंत्री गणेश जोशी ने पंतनगर पहुंचे। यहां उन्होंने उत्तराखंड राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती समारोह के तहत 7 नवंबर को गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर में होने वाले भव्य किसान सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया।

बुधवार को अधिकारियों के साथ पंतनगर विश्वविद्यालय स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण के कृषि मंत्री जोशी ने कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन राज्य के किसानों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होगा, जिसमें कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकों, नवाचारों और योजनाओं की जानकारी किसानों को मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसान सम्मेलन का आयोजन कृषि, उद्यान, ग्राम्य विकास, मत्स्य, डेयरी, सहकारिता, पशुपालन, मंडी परिषद और पंतनगर विश्वविद्यालय के संयुक्त समन्वय से किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, प्रगतिशील किसान और बड़ी संख्या में कृषक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 25 से 30 हजार प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। इस दौरान कृषि एवं संबंधित विभागों की वृहद प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक उपकरणों, बीजों और योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते कृषि मंत्री गणेश जोशी। ● अमृत विचार

धोखाधड़ी का परिवाद कोर्ट ने किया खारिज

काशीपुर: न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने ठगी और धोखाधड़ी से संबंधित एक परिवाद को खारिज कर दिया। जसपुर खुर्द स्थित किसान फूड्स के प्रोपराइटर संजय कश्यप ने कोर्ट में यह परिवाद दायर किया था। परिवाद में उन्होंने कहा था उन्होंने अपनी फर्म से वर्ष 2023 में कानपुर की प्रदीप अरोड़ा मार्केटिंग कंपनी को तैंतालीस लाख चौंसठ हजार पचास रुपये की मटर बेची थी। प्रदीप अरोड़ा ने इसमें से बारह लाख नवासी हजार तिरासी रुपये का भुगतान नहीं किया। जवाब में, प्रदीप अरोड़ा ने अपने अधिवक्ता अर्पित गरोडिया के माध्यम से कोर्ट में आपत्ति दायर कर अपना पक्ष रखा। दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद न्यायालय ने परिवादी (संजय कश्यप) का वाद खारिज करने के आदेश दिए।

दो पक्षों में हुई मारपीट दो महिलाएं घायल

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम इटव्वा बन्नाखेड़ा में बुधवार की सुबह पुराने आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों की दो महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें पुलिस के माध्यम से उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पहले पक्ष की 16 वर्षीय जशनप्रीत कौर पुत्री सोना सिंह का कहना है कि बुधवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह अपनी बहन 20 वर्षीय जौतकौर और दो वर्षीय भतीजे नमन सिंह पुत्र जसवंत सिंह को लेकर गुरुद्वारा साहिब इटव्वा में आयोजित समागम में जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोगों ने रंजिशन रास्ते में घेरकर गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया, जिसमें जशनप्रीत कौर घायल हो गई। वहीं दूसरे पक्ष की ग्राम इटव्वा निवासी 18 वर्षीय मनीषा कौर पुत्री अमरीक सिंह का आरोप है कि जशनप्रीत कौर पक्ष के लोगों ने घर में घुसकर गाली-गलौज व मारपीट की है, जिसमें वह घायल हुई है। दोनों घायलों को पुलिस के माध्यम से उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मनीषा कौर।

जशनप्रीत कौर।

चोरों ने सर्जन के घर से चुराई नकदी

सितारगंज: अज्ञात चोरों ने सर्जन के घर में रखी करीब दो लाख की नकदी और एक सोने की अंगूठी चुरा ली। वहीं, मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। एसएच अस्पताल में कार्यरत नेत्र सर्जन डॉ. ऋषिकेश सिंह ने बताया कि 4 नवंबर को करीब पांच बजे वह अपने कमरे में ताला लगाकर सर्जरी के लिए अस्पताल गए थे। सर्जरी करने के बाद शाम साढ़े सात बजे जब वह वापस लौटे तो देखा कि कमरे में रखी अलमारी का सामान फैला हुआ है। जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखी दो लाख की नकदी और एक सोने की अंगूठी गायब है। सीसीटीवी कैमरे की जांच करने पर पता चला कि एक अज्ञात चोर खिड़की के रास्ते उनके कमरे में घुसा था। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

हादसे में घायल महिला ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुई महिला ने चार दिन बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बीती 30 अक्टूबर को ग्राम इस्लामनगर भिक्कावाला, अफजलगढ़, बिजनौर निवासी सर्वजीत कौर (32) अपने पति गुरदीप सिंह और पाँच वर्षीय पुत्र सुखदेव के साथ मायके केलाखेड़ा गई थी। 31 अक्तूबर को तीनों बाइक से घर के लिए वापस लौट रहे थे। इस दौरान हाईवे पर बिजनौर रेहड़ पर गुरुद्वारे के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली की साइड लगने से तीनों बाइक से गिर गए। घटना में दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके पुत्र को मामूली चोटें आईं। घायलों को अफजलगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती करा या गया, जहाँ डॉक्टर ने गुरदीप सिंह को मृत घोषित कर दिया। सर्वजीत कौर की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने काशीपुर में मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया। चार दिन इलाज चलने के दौरान मंगलवार को सर्वजीत कौर की मौत हो गई। बुधवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

आवारा पशुओं के कारण सड़क पर चलना दूभर

● **आज़ाद समाज पार्टी ने नगर पंचायत परिसर में किया धरना-प्रदर्शन**

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार: शक्तिफार्म क्षेत्र में आवारा पशुओं के कारण सड़क पर चलना दूभर हो गया है। इन आवारा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होना आम हो चली है। इसके खिलाफ आज़ाद समाज पार्टी ने नगर पंचायत परिसर में धरना-प्रदर्शन कर, नगर पंचायत चेयरमैन को ज्ञापन प्रेषित किया।

नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य बाज़ार समेत ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर, आवारा पशुओं के कारण सड़क पर चलना आम लोगों के लिए दूभर हो गया है। इन आवारा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होना आम हो चली है। अब तक कई लोग गंभीर रूप से चोटिल हुए हैं, वहीं कई लोग दुर्घटना के बाद असमय मौत के मुँह में समा चुके हैं। आम लोगों की इन समस्याओं को लेकर आज़ाद समाज पार्टी के ज़िला अध्यक्ष, सत्येंद्र कुमार के नेतृत्व में पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत परिसर में धरना-प्रदर्शन कर, लोगों को आवारा पशुओं से निजात दिलाए जाने की माँग की। मामले में आज़ाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन भी प्रेषित किया। नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने आज़ाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि एक पखवाड़े के भीतर एक कमेटी का गठन कर, आवारा पशुओं की धर-पकड़ का अभियान चलाया जाएगा। जिसकी उनके द्वारा बुधवार से ही शुरुआत भी कर दी गई है।

नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम प्रधान स्वयं भी इस गंभीर समस्या का संज्ञान लें। आज़ाद समाज पार्टी के ज़िला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने कहा कि, आवारा पशुओं के खिलाफ उनका अभियान पूरे ज़िले भर में जारी रहेगा, ताकि आम लोगों को इन आवारा पशुओं से निजात मिल सके व सड़क पर होने वाले दुर्घटनाओं पर लगाम लग सके। इस मौके पर देवशरण, मुरारी प्रसाद, संदीप कुमार, सोनू, राजा, मनीष कुमार, आदेश कुमार, विशाल आदि मौजूद थे।

नगर पंचायत चेयरमैन को ज्ञापन सौंपते आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता।

बेटी ने पिता समेत चार के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वार्ड-23 की रहने वाली एक युवती ने अपने चाचा-चाची, पिता और भाई पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। युवती का आरोप है कि परिवार वाले प्रेम विवाह से नाखुश हैं और उन्हें जानमाल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, वार्ड-23, रंपुरा की रहने वाली सलोनी ने बताया कि 30 अप्रैल 2025 को उसने वार्ड-23 के ही रहने वाले सुधीर कुमार से प्रेम प्रसंग के बाद प्रेम विवाह किया था। शादी से उसके पिता ओम प्रकाश, भाई भारत कुमार, नीरज कुमार, चाचा राम चंद्र और चाची रजनी निवासी वार्ड-21 नाखुश थे और कई बार धमकियां देकर उनकी खुशहाल जिंदगी को बर्बाद करने का प्रयास भी कर चुके हैं। नौ जुलाई की शाम साढ़े पाँच बजे उसके पति सुधीर और ताऊ ससुर विजय कुमार घर के बाहर बैठे हुए थे। इस बीच अचानक उसके पिता, भाई, चाचा और चाची वहां आए और धारदार हथियारों व लाठी-डंडों से हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। घटना की तहरीर रंपुरा चौकी पुलिस को दी गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। कई बार शिकायती पत्र देने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर सलोनी ने अदालत में याचिका दायर की। पुलिस ने अब मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रतियोगिता | प्रतिभागियों ने ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, राज्य स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं हुईं

डिजिटल पोस्टर में रितिका, रील निर्माण में दीपांशु अव्वल

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय में वेटरनरी सोसाइटी की ओर से उत्तराखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर उत्तराखंड राज्य स्तरीय ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह आयोजन ऑल इंडिया नेटवर्क प्रोजेक्ट ऑन वन हेल्थ के सहयोग से संपन्न हुआ। इसमें उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ.एससी त्रिपाठी ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनात्मकता डिजिटल अभिव्यक्ति एवं राज्य की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत चार प्रमुख रील निर्माण, फोटोग्राफी, ऑनलाइन क्विज और डिजिटल पोस्टर ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। डिजिटल पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में कुल 28, रील निर्माण में 25, फोटोग्राफी में 32 और ऑनलाइन क्विज में 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल पोस्टर निर्माण में रितिका सिंह ने पहला, अदिति रावत ने दूसरा और पूजा गहतोड़ी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। रील निर्माण में दीपांशु ने पहला, चित्रा बजेठा व देवाशीष नाथ महंत ने दूसरा और दिव्यानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ऑनलाइन क्विज में अक्षिता रौथान ने पहला, चित्रा बजेठा व नीलकमल भंडारी ने दूसरा और अमन राणा व तनिष्का राजपूत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि फोटोग्राफी प्रतियोगिता में ईशा फर्स्वाण ने पहला, तमन्ना जोशी ने दूसरा और तृप्ति कुकरेती ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर स्टाफ काउंसलर डॉ.अमित प्रसाद, सह-स्टाफ काउंसलर डॉ.अमन कंबोज, डॉ.राजीव रंजन, डॉ.एके उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय में अतिथियों के साथ विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन सम्मानित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित एक सम्मेलन में गंगा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया है। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पद्मश्री एवं रमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्तकर्ता व पर्यावरणविद एमसी मेहता ने दिया।

हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय और विश्व गंगा धरोहर मंच उत्तरकाशी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय सम्मलेन राष्ट्रीय गंगा नदी दिवस एवं गंगा महोत्सव में यह पुरस्कार डॉ. मणिन्द्र को दिया गया। डॉ. मणिन्द्र को यह पुरस्कार पर्यावरण व विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने के लिए मिला है। डॉ. मणिन्द्र वर्तमान में पर्यावरण के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य कर रहे हैं। पूर्व में भी डॉ. मणिन्द्र को पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। डॉ. मणिन्द्र ने बताया कि कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक डॉ. शंभू प्रसाद नौटियाल, ग्रीन मैन विजयपाल बघेल, पर्यावरणविद प्रताप पोखरियाल, डॉ. हरिशंकर नौटियाल, नमामि गंगे के प्रदेश सहसंयोजक पवन नौटियाल, डॉ. कपिल पवार आदि उपस्थित रहे। इस दौरान 100 से अधिक लोगों को गंगा स्वच्छता, जागरूकता, अनुसंधान एवं अन्य विशिष्ट योगदान के लिए गंगा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं डॉ. मणिन्द्र की इस उपलब्धि पर परिषद के निदेशक डॉ. संजय कुमार ने बधाई दी है।

पर्यावरणविद एमसी मेहता से सम्मान प्राप्त करते वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन।

नानकमत्ता में गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व पर पालकी की अगुवाई करते पंज प्यारे। ● अमृत विचार

बाजपुर में गुरुद्वारा साहिब में आयोजित समागम में मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गुरु नानक देव के प्रकाशोत्सव में निहाल हुई संगत

कथावाचक व रागी जत्थों ने किया गुरु की महिमा का किया बखान, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में सजा धार्मिक दीवान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गुरु कृपा जेहि नर पै कीन्हीं, तिन्ह यह जुगुति पिछानी, नानक लीन भयो गोबिंद सों, ज्यों पानी सों पानी जैसे भावपूर्ण शबद कीर्तन के माध्यम से साध संगत निहाल हुई। मौका था गुरु नानक देव जी के 556 वां प्रकाशोत्सव का। जहां शहर के मुख्य गुरुद्वारे में धार्मिक दीवान सजा और गुरु की महिमा का बखान हुआ। जिसका अनुश्रवण कर संगत निहाल हुई और वातावरण गुरुमय हो गया।

बुधवार की सुबह होते ही शहर के मुख्य बाजार स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा गोल मार्केट में धार्मिक दीवान सजाया गया और साध संगत का जमावड़ा लगने लगा। जिसके बाद बाहर से आए रागी जत्थों और कथावाचकों ने एक ओंकार सतिनाम, करता पुरखु निरभऊ, निरबैर, अकाल मूरति, अजूनी, सैभं गुर प्रसादि, जो नर दुख में दुख नहिं मानै। सुख सनेह अरु भय नहिं जाके, कंचन माटी जानै, नहिं निंदा नहिं अस्तुति जाके, लोभ-मोह अभिमाना। हरश शोक तें रहै नियारो, नाहिं मान-अपमाना, प्रभु मेरे प्रीतम प्राण पियारे। प्रेम-भगति निज नाम दीजिये, घाल अनुग्रह धारे। जो नर दुख में दुख नहिं मानै जो नर दुख में दुख नहिं मानै। सुख सनेह अरु भय नहिं जाके, कंचन माटी जानै। नहिं निंदा नहिं अस्तुति जाक...जैसी भावपूर्ण शबद कीर्तन सुनाई कि वहां मौजूद साध संगत भी भावविभोर हो गई और वातावरण गुरुमय हो गया। इसके बाद संगत ने प्रसाद ग्रहण भी किया। इस अवसर पर प्रधान जोगिंदर सिंह, मीत प्रधान गुरमीत सिंह, सेकेटरी रक्षपाल सिंह हैप्पी, मीत सेक्रेटरी हरजीत सिंह विरदी, खंचाजी अजमेर सिंह बहल, गुरमीत सिंह के अलावा बड़ी संख्या में संगत मौजूद रही।

रुद्रपुर में गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाशोत्सव पर शबद कीर्तन सुनती संगत। ● अमृत विचार

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन

नानकमत्ता : गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर पांच प्यारों की अगुवाई में ' 'जो बोले सो निहाल'' के उद्घोष के साथ भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब की प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा श्री हरमंदिर साहिब को विद्युत की झालरों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। पर्व के उत्साह में श्रद्धालु प्रात: से ही गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर मत्था टेक रहे थे। तत्पश्चात, गुरु ग्रंथ साहिब की फूलों से सजी पालकी और पांच प्यारों की अगुवाई में गुरूद्वारा से नगर कीर्तन गुरु नानक इंटर कॉलेज के एनसीसी बैंड बाजों के साथ नगर के मुख्य मार्गों से निकाला गया। नगर कीर्तन का डेरा कार सेवा में स्वागत कर प्रसाद का वितरण किया गया। नगर में जगह-जगह स्टॉल लगाकर फल और प्रसाद वितरण कर स्वागत किया गया। बाजार पहुंचते ही नगर कीर्तन में शामिल रणजीत सिंह अखाड़ा की गतका पार्टी ने अपने हैरतअंगेज कारनामे (करतब) संगत को दिखाए। कविसरी जत्थों ने गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए यात्रा की। नगर कीर्तन में गुरू नानक महाविद्यालय की आकर्षक झांकी, गुरू नानक इंटर कॉलेज, गुरू नानक बालिका इंटर कॉलेज, एकेडमी स्कूल, सहित तमाम स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ क्षेत्र से सैकड़ों संगत ने पहुँचकर ' 'सत्त नाम वाहेगुरु'' का जाप किया। नगर कीर्तन वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर समाप्त हो गया। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जोगिंद्र सिंह, महासचिव अमरसिंह, सचिव हरभजनसिंह, प्रबंधक रणजीत सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेमसिंह टुरना, डेरा कार सेवा से दारा सिंह, शेर सिंह, डॉ. मनिंदर सिंह गुलाटी आदि संगत शामिल थी।

बाजपुर में गुरुद्वारा साहिब में गुरु नानक सेवक दल के अध्यक्ष को नामित करते कुलविंदर सिंह किंदा।

गुरु की महिमा का बखान करते कथावाचक। ● अमृत विचार

खटीमा में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब का अंखड पाठ हुआ

खटीमा : गुरुद्वारा गुरुनानक सत्संग सभा खटीमा द्वारा गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व बड़े श्रद्धा भक्ति व हर्ष उल्लास से मनाया गया। जिससे पूर्व 26 अक्टूबर से शहर में प्रभात फेरियां निकाली गई और 3 नवंबर को श्री गुरु ग्रन्थ साहिब का अखंड पाठ प्रारंभ हुआ। जिसके उपरांत 5 नवंबर को भोग पड़ा उसके पश्चात कीर्तन दरबार शुरू हुआ। जिसमें गुरुद्वारा ईशर प्रकाश खूबियां नंगल बिलासपुर, रामपुर यूपी से आए कुलविन्दर सिंह एवं कीर्तन जत्थे ने गुरु की महिमा का वर्णन किया एवं संगत को गुरु चरणों से जोड़कर निहाल किया। इसके बाद ज्ञानी हरदेव सिंह ने कथा सुना कर गुरु नानक जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। सभी संगत ने गुरु का लंगर चखा एवं कीर्तन सुनकर तन व मन को निहाल किया। इस अवसर पर हरभजन सिंह खिंडा, जगदीश सिंह मल्ली, रघुवीर सिंह, रमनदीप सिंह शेट्टी, जतिन ग्रोवर, गुरमीत सिंह, बलदेव सिंह चांदा, गुरदयाल सिंह खिंडा, पपिन्दर सिंह, कुलवंत सिंह, अमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह, डॉ. बलजीत सिंह, मनोज शाही, महेश जोशी, सराफ स्कूल प्रबंधन समिति के अजय बंसल एवं समस्त गुरुद्वारा स्टाफ उपस्थित रहा।

कुलबीर सिंह उर्फ वीरा सेवक दल के नए अध्यक्ष घोषित

बाजपुर : सेवा कार्यों को और अधिक सशक्त करने के उद्देश्य से गुरुद्वारा साहिब में सेवा संभाल रहे गुरु नानक सेवक दल को जत्थेदार महेंद्र सिंह रंधावा द्वारा कमेटी को भंग कर दिया गया। वहीं नई व्यवस्था बनाने के लिए गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान कुलविंदर सिंह किंदा ने कुलबीर सिंह उर्फ वीरा को सेवक दल का नया अध्यक्ष घोषित किया है तथा जल्द नई कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए हैं। नवनियुक्त अध्यक्ष कुलवीर सिंह ने कहा है कि समाज के युवाओं को संगठित कर नए सिरे से कमेटी का गठन किया जाएगा तथा सभी सक्रिय सदस्यों को सेवा भावना के उद्देश्य से सेवक दल का सदस्य बनाया जाएगा। इस मौके पर अवतार सिंह, बलविंदर सिंह, मंगा सिंह, अवतार सिंह सैनी आदि अनेक लोग मौजूद रहे।

बाजपुर गुरुद्वारा साहिब में भव्य समागम आयोजित

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाशोत्सव पर बुधवार को गुरुद्वारा साहिब बाजपुर में भक्तिभाव और आस्था का माहौल देखने को मिला। अखंड पाठ साहिब के भोग के उपरांत भव्य दीवान सजाया गया, जिसमें दरबार साहिब अमृतसर पंजाब से पधारे रागी जत्थों एवं कथावाचकों ने गुरबाणी का अमृतमय कीर्तन कर संगत को निहाल किया।

दीवान का शुभारंभ बच्चों द्वारा कविता व कीर्तन प्रस्तुति से हुआ, जिसमें गुरु नानक देव जी के जीवन संदेशों का वर्णन किया गया।इसके बाद हजूरी रागी भाई तनवीर सिंह व हजूरी ग्रंथी भाई इकबाल सिंह ने श्री गुरु नानक देव जी के अवतरण, उनके धरती पर आगमन के उद्देश्य तथा समाज में लाए गए सुधारों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। दरबार साहिब से आए भाई जसविंदर सिंह के रागी जत्थे ने कीर्तन के दौरान कहा: "जिथे बाबा पैर धरे औह थान सुहावा होवे..., गुरमुख नानक आराध्यो सब आखों धन-धन" वहीं पंजाब से आए कथावाचक भाई वरयाम सिंह ने कहा कि गुरुवाणी का निरंतर अभ्यास मनुष्य को सफलता व सही मार्ग प्रदान करता है। भक्तों ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेककर सुख-शांति की अरदास की। समागम के दौरान जीनियस ग्लोबल एकेडमी के बच्चों ने भी श्री गुरु नानक देव जी महाराज को समर्पित शब्द गायन किया। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा, उपाध्यक्ष हरजिंदर सिंह, महासचिव अवतार सिंह सैनी, सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों, हरमंदर सिंह बरार, जोरावर सिंह भुल्लर, हरवीर सिंह गिल, जगतार सिंह बाजवा, सुखविंदर सिंह रंधावा, अवतार सिंह, सतनाम सिंह, डॉ. हंसा सिंह, डॉ. हरजीत सिंह, रणजीत सिंह, मंगा सिंह, वीर सिंह, दलविंदर सिंह, अजीत सिंह मनचंदा सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बाजपुर गुरुद्वारा साहिब में शबद गायन करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

बाजपुर में गतका टीम को सिरोपा देकर सम्मानित करते प्रधान कुलविंदर सिंह किंदा।

प्रतियोगिता जीतकर लौटी गतका टीम सम्मानित

बाजपुर : बुधवार को गुरुद्वारा साहिब में आयोजित समागम के उपरांत विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज कर लौटे बाजपुर के हरि सिंह नलुवा अखाड़ा गतका टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से सिंह सभा बाजपुर के प्रधान कुलविंदर सिंह किंदा ने सिरोपाओ पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान खिलाड़ियों के साहस और पराक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में और ऊंचाइयां छूने का आशीर्वाद दिया गया। गतका टीम के प्रभारी चरनजीत सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक परिवार के सदस्यों को आत्मरक्षा को गतका सीखना चाहिए, जिसके चलते जल्द ही अभ्यास कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। संचालन जगजीत सिंह बाजवा ने किया। इस मौके पर चरणजीत सिंह, सरताज सिंह सैनी, करनजोत सिंह, अर्षदीप सिंह, गुनदीप सिंह, गगनदीप सिंह, मनिंदर सिंह, राजन सिंह खिलाड़ी रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर भक्तों ने शारदा में लगाई श्रद्धा की डुबकी

● जिपं अध्यक्ष और पालिकाध्यक्ष ने किया मेले का शुभारंभ

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर भारत नेपाल सीमा से लगे झनकईया में शारदा नगर के किनारे लगने वाले मेले का आज विधिवत शुभारंभ हुआ। वहीं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भोर से ही सैकड़ों की संख्या में शारदा नगर में पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा की डुबकी लगाई।

सीमावर्ती क्षेत्र झनकईया में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लाने वाले मेले का बुधवार को जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य और पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने नारियल तोड़कर और फीता काटकर किया। जिपं अध्यक्ष मौर्य ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला यह मेला भारत नेपाल के लोगों के मैत्री का भी प्रतीक है। इस मेले में भरी संख्या में नेपाली नागरिक पहुंचते और मेले का आनंद उठाते हैं। कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होकर आठ दिनों तक चलने वाला यह मेला आजादी के पहले से चल आ रहा है। मेले में आसपास के लोगों के साथ ही पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल के लोग भारी संख्या में यहां पहुंचकर शारदा नगर में डुबकी लगाकर मन्नते मांगते हैं और मन्नतें पूरी होने पर यहां आकर कार्तिक पूर्णिमा पर पूजा अर्चना करते हैं। वहीं मेले में जमकर खरीददारी करते हैं और बच्चे यहां के मनोरंजन के साधनों का भरपूर लाभ उठाते हैं। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मेला कमेटी अध्यक्ष पूरन धामी ने अतिथियों का आभार जताया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सूरज धामी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रविंद्र राणा, भाजपा पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा, चंपावत प्रभारी हिमांशु बिष्ट, अमित पांडे, महामंत्री शुभम पटवा, गोपाल सिंह राणा चांदा, विजय कुमार, करण यादव, महेश जोशी, महेंद्र ठाकुर, आनंद अधिकारी, थाना अध्यक्ष देवेंद्र गौरव आदि उपस्थित रहे।

प्रातः आठ बजे से ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट: थाना झनकईया के प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र गौरव ने कहा कि मेले में सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों का आवागमन प्रातः आठ बजे से देर शाम तक जबतक मेला चलता रहेगा बंद रहेगा। उन्होंने कहा कि पूरनपुर की ओर से आने वाले वाहनों का रूट झनकईया से कालापुल होते हुए खटीमा के लिए डायवर्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि मेले की आठ दिन की अनुमति दी गई है।

मेले का शुभारंभ करते जिपं अध्यक्ष अजय मौर्य और पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी।

कार्तिक पूर्णिमा मेले का शुभारंभ आज

खटीमा : भारत नेपाल सीमा क्षेत्र में शारदा नगर के किनारे झनकईया में 10 दिनों तक चलने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की माताजी बिशना देवी, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी और ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा संयुक्त रूप से करेंगे। यह जानकारी देते हुए मेला कमेटी अध्यक्ष पूरन धामी ने बताया कि मेले की समस्त तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले यह मेला दशकों से चल आ रहा है। जो दस दिनों से भी अधिक समय तक चलता है। मेले में आसपास के लोगों के साथ ही पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल के लोग भरी संख्या में मेले में पहुंचकर पूजा अर्चना के साथ ही जमकर खरीददारी करते हैं वहीं बच्चे यहां के मनोरंजन के साधनों का भरपूर का है उठते हैं। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

काशीपुर में खिचड़ी का वितरण करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

प्रकाश पर्व और गंगा स्नान पर खिचड़ी का वितरण

काशीपुर : उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत, तृतीय पखवाड़ा दिवस पर महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य किया। बुधवार को महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गंगा बाबा मंदिर पर प्रकाश पर्व/गंगा स्नान के पवित्र अवसर पर खिचड़ी का वितरण किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों को प्यार और स्नेह का संदेश देते हुए श्री गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एआईसीसी सदस्य एवं उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, अलका पाल, आईटी सेल संयोजक शादान इकबाल, मंसूर अली मंसूरी, गौरव चौधरी, अजीता शर्मा, सीमा नेगी, मो. आरिफ सैफी, राकेश भगत, संजीव शर्मा, तरुण लोहनी, परम सिद्धू, रमन दीप सिंह, सारीम सैफी आदि अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

आस्था | श्रद्धालुओं ने कौशिकी में डुबकी लगा घर-परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की

गंगा स्नान कोसी नदी किनारे लगा भव्य मेला

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम पंचायत गोबरा जोगीपुरा के अंतर्गत कोसी कांटा क्षेत्र से होकर गुजर रही कोसी नदी किनारे गंगा स्नान पर्व पर मेले का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने कौशिकी में आस्था की डुबकी लगाई तथा घर-परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की। अनेक परिवारों ने अपने बच्चों का मुंडन करवाया। घरों में लोगों ने खिचड़ी का प्रसाद बनाकर पूजन किया।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बुधवार को कोसी नदी किनारे कोसी कांटा स्थित बुक्सा जनजाति समाज की ओर से मेले का आयोजन करवाया गया। बताया गया कि इस मेले का आयोजन 105 वर्ष से लगातार बुक्सा समाज करता आ रहा है। सर्वप्रथम स्वर्गीय दौलत सिंह ने वर्ष 1921 में मेला लगवाना शुरू किया था, तब से अब तक यह मेला निरंतर लगवाया जाता है। दौलत सिंह की मृत्यु के बाद उनके पुत्र स्वर्गीय हरि सिंह, स्वर्गीय गोपाल सिंह व उनके भाइयों द्वारा संचालित किया जाता रहा। वर्तमान में दौलपुरी निवासी जनजाति समाज के लोग मेला लगवाते हैं और यहां की व्यवस्था की देखरेख करते हैं।

बाजपुर में गंगा स्नान पर्व पर कोसी नदी किनारे लगे मेले में उमड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

शिव मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान, विशाल भंडारा

बाजपुर : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को नगर स्थित श्री शिव मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन बड़ी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। मंदिर के प्रमुख महंत मोहन चंद्र भट्ट ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। हवन-यज्ञ के उपरांत मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर राजीव शर्मा, नेहा शर्मा, निधि शर्मा, कांता यादव, सरोज भट्ट, सतीश सुधा, अरविंद राणा, सुभाष सुधा, अग्रिमा यादव, अंशुल खुराना, ज्ञान चंद गुप्ता, शुभम गुप्ता, अक्षित यादव व ज्योति चंद

कार्तिक पूर्णिमा पर कोसी घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। मृत विचार

कोसी घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सुल्तानपुर पट्टी : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को घोसीपुरा पट्टी कला स्थित कोसी नदी घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान कर आस्था की डुबकी लगाई। तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता घाट पर लगना शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद भगवान भोलेनाथ सहित अन्य मंदिरों में पूजा-अर्चना कर मन्नतें माँगीं। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा में स्नान करने से मनुष्य के पाप धुल जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इसी आस्था के चलते सुबह से देर दोपहर तक घाट पर भीड़ उमड़ी रही। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर कमेटी की ओर से खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कोसी घाट पर कई श्रद्धालुओं ने अपने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया और प्रसाद चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। कार्तिक पूर्णिमा को लेकर मंदिर कमेटी की ओर से दो दिन के मेले का आयोजन भी किया गया है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार,6 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बूथ स्तरीय कार्यों पर की चर्चा

काशीपुर : भाजपा काशीपुर ग्रामीण मंडल गोपीपुरा में बूथ स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा की वास्तविक नींव हमारे बूथ कार्यकर्ता हैं। बूथ स्तर पर कार्य करने वाला प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन का सबसे मजबूत स्तंभ है। क्योंकि वह जनता के बीच रहकर पार्टी की नीतियों और योजनाओं को सही रूप से पहुंचाता है और समाज को जोड़ने का कार्य करता है। इस दौरान प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने बूथ तरीय कार्यकर्ता एवं मंडल पदाधिकरियों का परिचय लिया। वहां पर जिलाध्यक्ष मनोज पाल, मंडल अध्यक्ष ब्रिजेश पाल, प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, जिला महामंत्री सुशील शर्मा, अमित सिंह, प्रदेश प्रवक्ता गुरविंदर सिंह चंडोक आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार टेंपो की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति घायल

बाजपुर : तेज रफ्तार टेंपो की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे आनन-फानन में राहगीरों की मदद से उपचार के लिए उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहाँ से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया। मंगलवार की देर शाम करीब साढ़े छह बजे ग्राम गुलड़िया सीता कॉलोनी निवासी नितई मंडल पुत्र गुरपत मंडल ग्राम फौजी कॉलोनी में मजदूरी का काम करके बाइक से घर लौट रहा था कि इसी बीच रामराज रोड पर फौजी कॉलोनी क्षेत्र स्थित एक फार्महाउस के निकट तेज रफ्तार टेंपो चालक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार मजदूर घायल हो गया। हादसे के चलते मौके पर बड़ी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा।

हाथियों के झुंड ने कई किसानों की फसलें बर्बाद कीं

बाजपुर : ग्राम हजीरा में मंगलवार की रात हाथियों के झुंड ने कई किसानों की फसल को तहस-नहस कर दिया। पूर्व प्रधान रघुवीर सिंह ने बताया कि जंगल क्षेत्र से हाथी आबादी की तरफ आ रहे हैं जिससे किसानों की फसल को काफी नुकसान हो रहा है और इन वन्य जीवों से जान-माल का पूरा खतरा बना हुआ है। ग्राम हजीरा निवासी रऊफ अहमद की दो बीघा गन्ने की फसल को तहस-नहस बर्बाद कर दिया है। वहीं भजन सिंह, गुरमीत सिंह, जसपाल सिंह, सलमान आदि ग्रामीणों ने वन विभाग से वन्यजीवों द्वारा की जा रही फसल की बर्बादी की रोकथाम करने की मांग की है।

बूथ स्तर पर करें संगठन को मजबूत लोगों तक पहुंचाएं उपलब्धियां: भट्ट

संत कबीर मंडल के बूथ सम्मेलन में बोले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के रुद्रपुर आगमन पर संत कबीर मंडल की ओर से बूथ सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान संत कबीर मंडल के पदाधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का ढोल-नगाड़ों और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

बुधवार को सिटी क्लब में संत कबीर मंडल की ओर से 51 बूथ और 12 शक्ति केंद्र को लेकर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी रूप से पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी 2027 में उत्तराखंड में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसमें बूथ स्तर पर कार्यकर्ता को पार्टी को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की वास्तविक शक्ति उसका बूथ स्तर का कार्यकर्ता है जो हर परिस्थिति में संगठन की रीढ़ बनकर खड़ा रहता है। इस अवसर पर दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, नेत्रपाल मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, महापौर विकास शर्मा, संत कबीर मंडल के अध्यक्ष मुकेश पाल, महामंत्री नरदेव शर्मा, महामंत्री जितेंद्र, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, पूर्व महापौर रामपाल सिंह, संधू उपाध्यक्ष, साधना शर्मा, उपाध्यक्ष अमित मिश्रा, पिंटू पाल, भारत भूषण चुघ, धीरेंद्र मिश्रा, सुरेश गोरी, हिमांशी शुक्ला, उपेंद्र चौधरी, प्रीत ग्रोवर, एमपी मौर्य, पवन राना, तरुण दत्ता, अनिल चौहान, बिट्टू चौहान, सुरेश कोली, रश्मि रस्तोगी, श्वेता मिश्रा, रेनू जुनेजा, मयंक कंकड़ समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फूलमाला पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष भट्ट का स्वागत करते भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

किच्छा में भी हुई शक्ति केंद्र संयोजकों व बूथ अध्यक्षों के साथ कार्यशाला

किच्छा : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का किच्छा में स्वागत हुआ। उन्होंने चीनी मिल अतिथि गृह में शक्ति केंद्र संयोजकों एवं बूथ अध्यक्षों के साथ कार्यशाला सम्मेलन में शिरकत की। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि संगठन स्तर पर 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी गई है। हारी हुई विधानसभाओं को चिह्नित करके संगठन को मजबूत किया जाएगा।उन्होंने बूथ अध्यक्षों से सीधा संवाद किया और हर सीट पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने उत्तराखंड में तीसरी बार बहुमत से प्रचंड जीत का दावा किया। मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी पूरी होने की बात कही। किच्छा विधानसभा क्षेत्र से पिछले चुनाव में पार्टी की हार के सवाल पर भट्ट ने कहा कि यह राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हुआ। इस बार हर बिंदु का ध्यान रखा जाएगा और किच्छा विधानसभा में भाजपा का परचम लहराएगा। उन्होंने सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य के विकास पर ज़ोर दिया। कार्यशाला से पूर्व, कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर भट्ट का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, संजीव कुमार सिंह, नितिन फुटेला, दया डसीला आदि कई स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सितारगंज में दो महिला चिकित्सकों की हुई तैनाती

डॉक्टर नीतू चौधरी।

डॉक्टर स्वाति शर्मा।

सितारगंज: उप जिला अस्पताल सितारगंज में दो नए महिला चिकित्सकों की तैनाती हुई है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की महानिदेशक सुनीता टम्टा ने सोमवार को इसके आदेश जारी किए हैं।

सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव ने बताया कि शासन ने एमओ डॉ. स्वाति शर्मा और पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. नीतू चौधरी को सितारगंज में तैनाती दी है। बताया कि दोनों ही चिकित्सकों ने अस्पताल में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कहा कि दोनों महिला चिकित्सकों की तैनाती से अस्पताल की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। महिलाओं और बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकेंगी। उप जिला अस्पताल सितारगंज में बेशक नए चिकित्सकों की तैनाती हुई है, लेकिन अस्पताल में कई विशेषज्ञ चिकित्सकों का पद अब भी रिक्त है। सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव ने बताया कि अस्पताल में पीडियाट्रिशियन, नेत्र सर्जन, ऑर्थो सर्जन, रेडियोलॉजिस्ट और फिजिशियन, चीफ फार्मेसी अधिकारी सहित विभिन्न पद अब भी रिक्त हैं।

जनहित में निरंतर कार्य कर रही सरकार: डब्बू

प्रेस वार्ता करते उत्तराखंड कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अनिल डब्बू।

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अनिल डब्बू ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

बुधवार को बाजपुर रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. डब्बू ने कहा कि प्रदेश में इस बार धान की पैदावार बहुत ज्यादा हो गई है। जबकि स्टोरेज के लिए लिमिट सीमित है। इस कारण कुछ जगहों पर समस्या आ रही है। हालांकि मुख्यमंत्री ने केंद्र में लिमिट बढ़ाने की बात की है। दो लाख मीट्रिक टन लिमिट बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि किसानों का धान सरकारी दरों पर खरीदा जाए। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष बनने के बाद से वह रोज लगातार मंडी जाते हैं। व्यापारियों के लिए दुकानों का जगह-जगह निर्माण किया जा रहा है। उनके अध्यक्ष बनने से पहले मंडी की आय 100 करोड़ थी, जो एक साल के अंदर 120 करोड़ हो गई। इस वर्ष के अंत तक आय को पांच सौ करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अगर 500 करोड़ की आय होती है, तो 400 करोड़ रुपये मंडी के पास जमा कर देंगे और सौ करोड़ रुपये से प्रदेश की मंडियों को सुव्यवस्थित बनाएंगे। पहाड़ों पर किसानों को सुविधाओं पहुंचाने के लिए छोटे-छोटे सेंटर बनाए गए थे। इन सेंटरों को पुनर्जीवित करने के लिए कुमाऊं-गढ़वाल में दो टीमें बनाई गई हैं। यह टीमें किसानों से बात करके रिपोर्ट तैयार करेंगी। इसके बाद इन सेंटरों के माध्यम से किसानों से उत्पाद खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि कुमाऊं और गढ़वाल में कोल्ड स्टोर बनाए हैं, ताकि किसानों का माल स्टोरेज में रखा जाए। जब सही मूल्य मिले, तो उसकी बिक्री की जाए। वहां पर प्रदेश प्रवक्ता गुरविंदर सिंह चंडोक सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मेधावी विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

संवाददाता, नानकमत्ता

अमृत विचार: केजेएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल और श्रीमती खीमा जोशी मेमोरियल इंटर कॉलेज में आज कमला नेहरू पुरस्कार वितरण एवं मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना, सभासद, विद्यालय के प्रबंधक कैलाश चंद्र जोशी, प्रधानाचार्य दलजीत सिंह, प्रधानाचार्य महेश जोशी, उप प्रधानाचार्य पीयूष गुप्ता, अभय जोशी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ओम नारायण, शहरी मंडल अध्यक्ष विकास गुलाटी ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप जलाकर किया।

मुख्य अतिथि, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना, विशिष्ट अतिथि और सम्मानित सभासदों ने उत्तराखंड बोर्ड की टॉप 25 सूची में स्थान बनाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को चेक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हाईस्कूल में गरिमा जोशी, नेहा जोशी, सचिन आर्य, रोहित जोशी, कल्पना जोशी, लक्ष्यदीप सिंह, कशिश गोस्वामी, दीपिका वर्मा को पुरस्कृत किया गया वहीं इंटरमीडिएट में भावना जोशी, चन्द्र जोशी व महक को सम्मानित किया गया।

नानकमत्ता में छात्रों को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

वैश्य समाज को एक सूत्र में बांधता है फेडरेशन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंघल ने बाजपुर रोड स्थित एक निजी प्रतिष्ठान पर संगठनात्मक जिला काशीपुर शाखा पदाधिकारियों की बैठक ली और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान पदाधिकारियों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया।

प्रदेश अध्यक्ष सिंघल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन देश ही नहीं, बल्कि हांगकांग, दुबई, नेपाल, थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका समेत विदेशों में भी वैश्य समाज के 367 घटकों को एकता के सूत्र में बांधता है।

● अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के आगामी कार्यक्रमों की दी जानकारी

उन्होंने कहा कि फेडरेशन वैश्य समाज के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनके हितों के लिए संघर्ष के लिये सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने पदाधिकारियों से समाज की भलाई के लिए आरोप-प्रत्यारोप से हटकर सकारात्मक सोच के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष सिंघल ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 28 दिसंबर को देहरादून के हिंदू नेशनल इंटर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन उत्तराखंड और बालाजी सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में 51 से अधिक सभी वर्गों की कन्याओं का सामूहिक विवाह किया जाएगा। 30 जनवरी 2026 को दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के तहत केवल वैश्य वर्ग की कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश भर में शाखाओं का गठन तेजी से किया जा रहा है। देहरादून, रुड़की, हरिद्वार, ऋषिकेश, काशीपुर और सितारगंज में शाखाएं गठित हो चुकी हैं, जबकि हल्द्वानी, रामनगर, खटीमा, किच्छा, रुद्रपुर, बाजपुर और जसपुर में शीघ्र ही शाखाओं का गठन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल ने कहा कि समाज के अस्तित्व और एकजुटता के लिए युवाओं और महिलाओं का सक्रिय होना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा वैश्य समाज का डाटा एकत्र करने का काम जारी है, जिसे जल्द ही डिजिटल रूप दिया जाएगा। बैठक में विशिष्ट अतिथि प्रांतीय उपाध्यक्ष संजय गुप्ता, कौशलेश गुप्ता, जिला महामंत्री डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष नवनीत कुमार विश्नोई, महानगर अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल नागलिया, महेंद्र गुप्ता लोहिया, सर्वेश कुमार गुप्ता, अनिल कुमार अग्रवाल, मयंक गोयल, रजत गुप्ता आदि मौजूद रहे।

फुटबॉल में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: मझोला में हुए गुरु गोविंद सिंह जी फुटबाल टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मैचों में जीत हासिल कर बरेली, बनारस, शाहजहांपुर और सम्पूर्णानगर की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मैच गुरुवार को खेले जाएंगे।

मझोला के रेलवे ग्राउंड पर आयोजित श्री गुरु गोविंद सिंह फुटबाल टूर्नामेंट में पहला झुमका क्लब बरेली और केएफसी गोला के बीच खेला गया। बरेली की टीम गोला को 3-1 से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरे मैच के लिए मैदान में उतरी हरिद्वार और बनारस की टीमों से चंद्रशेखर सिंह ने वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश मौर्य ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। कहा कि खेल में आनंद तभी आता है जब खेल को खेल की भावना से खेला जाय। बनारस की टीम ने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली। लेकिन दूसरे हाफ में हमलावर हुई हरिद्वार की टीम ने दो गोल किए। वहीं बनारस ने एक और गोल कर मैच 4-2 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया। आज का तीसरा मैच डायमंड क्लब खटीमा और शाहजहांपुर के बीच खेल गया जिसमें दोनों टीमें एक-एक से बराबर रहीं। बाद में पेनाल्टी शूट में शाहजहांपुर की टीम ने 5-3 से जीत हासिल की। चौथा मैच बनबसा और संपूर्णानगर के बीच खेल गया। जिसमें दोनों ही टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1-1 की बराबरी पर रहीं। बाद में पेनाल्टी शूट में संपूर्णानगर की टीम 5-4 से विजेता रही। कल वृहस्पतिवार को सेमीफाइनल और शुक्रवार को फाइनल मैच खेले जाएंगे। आयोजक प्रदीप शर्मा ने सभी का धन्यवाद दिया। आज के मैच में हैप्पी शर्मा रहे।

मझोला में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश मौर्य।

लैब टेक्नीशियन पर मरीजों से वसूली करने के आरोप

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: सीएचसी में तैनात एक लैब टेक्नीशियन पर मनमाने ढंग से जाँच करने और मरीज़ों से शुल्क वसूलने के गंभीर आरोप लगने के बाद हड़कंप मच गया है। सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए न केवल एक जांच कमेटी का गठन कर आरोपी लैब टेक्नीशियन कृपेंद्र श्रीवास्तव को तत्काल जसपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संबद्ध कर दिया है।

नगर निवासी बृजेश सिंह ने लैब टेक्नीशियन कृपेंद्र श्रीवास्तव के खिलाफ सीएमओ को शिकायती पत्र सौंपा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, टेक्नीशियन द्वारा स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा लिखी गई निशुल्क रक्त जांचों की एवज में भी पैसे की वसूली की गई। जारी आदेश में डॉ. अग्रवाल ने कहा है कि लैब टेक्नीशियन पर मनमाने तरीके से जांच करने तथा मरीज़ से वसूली गई धनराशि को राजस्व कोष में जमा नहीं करने के गंभीर आरोप हैं, जिनकी जाँच चल रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके. अग्रवाल ने बताया, जांच कमेटी द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा की गई इस त्वरित कार्रवाई से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हड़कंप मच गया है।

बेंगलुरु पहुंची उत्तराखंड की गतका टीम

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड गतका एसोसिएशन के महासचिव हरप्रीत सिंह ने बताया कि राज्य के सात खिलाड़ियों का चयन द्वितीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक पायथियन खेलों के लिए हुआ है, जो सात से नौ नवंबर तक जीकेवीके यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चरल साइंसेज बेंगलुरु में आयोजित किए जाएंगे।

इस आयोजन के दौरान राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा। नेशनल गतका एसोसिएशन आफ इंडिया (एनजीएआई), जो विश्व गतका फेडरेशन और एशियाई गतका फेडरेशन से संबद्ध देश की सबसे पुरानी गतका शासक संस्था है, द्वितीय फेडरेशन कप की मेजबानी करेगी। यह आयोजन पायथियन काउंसिल आफ इंडिया (पीसीआई) के सहयोग से होगा। हरप्रीत सिंह ने बताया कि गतका में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को मास्को (रूस) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पायथियन खेलों में भारतीय टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह देश की परंपरागत मार्शल आर्ट गतका को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम है।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक पायथियन खेल में हिस्सा लेने के लिए बेंगलुरु पहुंची टीम।

उत्तराखंड के लिए गर्व की बात : बेंगलुरु गए चयनित खिलाड़ियों को हरवीर सिंह गिल (अध्यक्ष, उत्तराखंड गतका एसोसिएशन), डॉ. सुखजीत कौर (प्रिंसिपल, अकाल अकादमी तेलिपुरा), संदीप सलारिया (प्रिंसिपल, दसमेश स्कूल), मनप्रीत सिंह (प्रिंसिपल, मिरी पिरी अफगालगढ़), कुलविंदर सिंह किन्दा (प्रधान, गुरुद्वारा कमेटी) तथा डॉ. डीके सिंह (ओलंपिक एसोसिएशन) ने शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह उत्तराखंड के लिए गर्व का क्षण है और उम्मीद जताई कि खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे।

दीक्षांत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों उपाधि एवं मेडल प्राप्त करतीं अपर्णा जोशी।

अपर्णा को राष्ट्रपति ने प्रदान किए तीन गोल्ड मेडल

बाजपुर : कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल में आयोजित 20वें दीक्षांत समारोह में डीपीएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन बाजपुर की होनहार छात्रा अपर्णा जोशी ने राष्ट्रपति के हाथों तीन मेडल प्राप्त कर कॉलेज एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। बीएड सत्र 2023-25 में विवि स्तर पर सर्वोच्च अंक हासिल करने पर उन्हें एक साथ तीन स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपर्णा जोशी पुत्री बंशीधर जोशी को गौरा देवी गोल्ड मेडल, कुलपति गोल्ड मेडल और ओम कमला देवी नेगी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। अपर्णा की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। प्रबंधक महिपाल सिंह एवं सदस्यों डॉ. मुनीश कुमार पांडेय, डॉ. विवेक उपाध्याय, बीरेलाल सिंह न्याल, ज्ञानेंद्र सिंह, प्रियंक कुमार रुहेला, दीपमाला सैनी, बंदना बर्गली सहित समस्त स्टाफ ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सफलता | परिजनों व गांव में खुशी का माहौल, मिठाई खिलाकर स्मृति चिह्न किए भेंट

ममता को मेहनत से मिला मुकाम : देऊपा

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: किसान परिवार में जन्मी ममता मर्तोलिया के सीआरपीएफ दिल्ली में तैनाती होने पर परिवार व क्षेत्र में खुशी की लहर है। ममता मर्तोलिया पुत्री गंगा सिंह मर्तोलिया ने एसएससी जीडी की परीक्षा में ऑल इंडिया में 62वां रैंक हासिल किया, और उत्तराखंड से प्रथम स्थान पर रहीं। ममता मर्तोलिया ने 28 अक्टूबर को आरटीसी नीमच (मध्य प्रदेश) में सीआरपीएफ की कसम परेड में शामिल हुईं। उनके घर लौटने पर परिजनों व क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों व सामाजिक संगठन के लोगों ने उन्हें मिठाई खिलाकर स्मृति चिन्ह भेंट किए। बुधवार को ग्राम दलीपनगर में आयोजित सम्मान समारोह में सचिवालय सुरक्षा बल, दिल्ली में नियुक्ति के बाद ममता मर्तोलिया के घर आने पर परिजन व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने जोरदार स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान किसान नेता चंचल सिंह देऊपा ने कहा कि साधारण किसान परिवार में जन्मी ममता ने अपनी मेहनत व लगन से मुकाम हासिल किया है। उन्होंने हाई स्कूल बोर्ड की परीक्षा एटीएस गूलरभोज व इंटरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा एएनके इंटर कॉलेज गूलरभोज से प्रथम स्थान पाकर अच्छा प्रदर्शन किया। ममता ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपनी दादी, माता-पिता व गुरुजनों को दिया। इस मौके पर उनकी दादी द्रोपदी देवी, माता नीरू देवी, पिता गंगा सिंह मर्तोलिया, भाई तरुण सिंह मर्तोलिया व गौरव सिंह मर्तोलिया, समाजसेविका हीरा जंगपांगी रौतेला, समाजसेवी मनोज कुमार, जगदीश सिंह खोलिया, पंडित सुरेश पांडे, देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू उर्फ दीपू, कांग्रेस नेता ललित खोलिया, पूर्व सैनिक भगत सिंह धर्मशक्तू, पूर्व सूबेदार भगवत सिंह पांगती, देव सिंह धर्मशक्तू सहित सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

दिनेशपुर के ग्राम दलीपनगर में ममता मर्तोलिया को मिठाई खिलाते लोग।

डायनेस्टी गुरुकुल एकेडमी छिनकी की विजेता टीम के बच्चे के साथ आयोजक और प्रबंधन।

भारत को जानो प्रतियोगिता में डायनेस्टी के दिव्यांशु और विजय रहे प्रथम

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म खटीमा के विद्यार्थियों ने हिंद पब्लिक स्कूल में भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित ''भारत को जानो'' शाखा स्तरीय प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में दिव्यांशु बोरा और विजय देव ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, सुरेश ओली, दिगंबर भट्ट, मनीष ठाकुर, सुरेंद्र रावत, नर सिंह कुंवर, कल्पना चंद, शिल्पा सक्सेना, ऊषा चौसाली, हेमलता बोरा, लिंसी त्यागी, ऊषा भट्ट आदि ने उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ब्रीफ न्यूज

दोस्तों के साथ गए युवक से मारपीट, केस दर्ज

सितारगंज : बंगाली कॉलोनी निवासी शीला देवी ने बताया कि 20 अक्टूबर को उसका पुत्र संजीव अपने दोस्त रतन मंडल, राजू और शिवम दास के साथ घूमने गया था। घूमते हुए जब यहां लक्खा पुल के पास पहुंचा। तो वहां अभय, संजू और एक अज्ञात युवक ने लाठी-डंडे से उस पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए उसे उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। बताया कि रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वहीं, मामले में पुलिस ने एक अज्ञात सहित तीन लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेंट मैरी स्कूल के पास दो पक्षों में मारपीट

बाजपुर : आपसी बात को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई। जब तक वहाँ मौजूद लोग इन दोनों पक्षों को समझा पाते तब तक यह दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद बढ़ता गया। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर हाथापाई हो गई, जिसमें एक युवक घायल हो गया, जिसे पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ से चिकित्सकों ने युवक को प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना मंगलवार देर रात करीब साढ़े आठ बजे सेंट मैरी स्कूल के पास की बताई जा रही है।

कार्तिक पूर्णिमा: स्नान के लिए शारदा घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हजारों श्रद्धालुओं ने मां पूर्णागिरि धाम सहित विभिन्न मंदिरों में की पूजा- अर्चना

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर शारदा घाट में स्नान के लिए बुधवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसके अलावा बूम घाट, कांकर घाट में भी पर्व स्नान के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा, भगवान सूर्य की पूजा अर्चना कर खिचड़ी दान कर पुण्य कमाया। कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए मंगलवार की शाम से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। स्नानघाट से लेकर थ्वालखेड़ा तक नदी किनारे भक्तों की टोलियों ने कई जगह टेंट लगाकर रात्रि जागरण किया और ब्रह्म मुहूर्त में शारदा में डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। पर्व स्नान के बाद श्रद्धालु मां पूर्णागिरि के दर्शन के लिए रवाना हुए। इससे पूर्णागिरि धाम में भी दिन-भर मेले जैसे स्थिति बनी रही। शाम तक 25 हजार श्रद्धालु मां पूर्णागिरि के दर्शन कर चुके थे। परंपरा के अनुसार पड़ोसी देश नेपाल के सिद्धनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। ब्रह्मदेव और महेंद्रनगर में भी खासी चहल-पहल बनी रही।

टनकपुर के शारदा नदी में स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

पंचेश्वर, रामेश्वर, ऋषेश्वर व डिप्टेश्वर घाटों में भी उमड़ी भीड़

चम्पावत : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लोहाघाट, चंपावत, बाराकोट एवं पाटी ब्लाकों में भी पर्व स्नान और पूजा अर्चना की गई। बाराकोट के रामेश्वर, लोहाघाट के पंचेश्वर, एवं ऋषेश्वर, चंपावत के डिप्टेश्वर, क्रांतेश्वर आदि घाटों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। स्नान के बाद मंदिरों में जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की गई। देव डांगरों ने अवतरित होकर भक्तों को आशीर्वाद दिया।

पत्नी को छोड़कर किया दूसरा विवाह, केस दर्ज

सितारगंज : सितारगंज के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी पहली पत्नी और बच्ची को छोड़कर दूसरा विवाह कर लिया। पीड़ित महिला ने पति समेत छह लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कराया है।

गांव कैलाशपुरी निवासी निशा देवी ने बताया कि साल 2018 में उसका विवाह उमेश कुमार से हुआ था। जिससे उसकी एक तीन साल की बेटी है। बताया कि पति उमेश उससे मारपीट करता था। उसने उसे घर से निकाल दिया था। जिस कारण वह अपनी बहन के घर पर रह रही है। वहीं, इस संबंध में उसने पति उमेश के खिलाफ महिला हेल्पलाइन, रुद्रपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। तीन नवंबर को उमेश ने महिला हेल्पलाइन में जाकर पत्नी से राजीनामा किया। फिर, उसे अपने घर ले गया। घर ले जाने के बाद महिला को पता चला कि उसके पति उमेश ने मनीषा से दूसरा विवाह कर लिया है। आरोप लगाया कि वहां उसके पति उमेश, उसकी दूसरी पत्नी मनीषा, ससुर रामाज्ञा, ननद रीना, जेठ बृजेश कुमार और देवर कमलेश ने उससे मारपीट की। फिर, उसे और उसकी तीन साल की पुत्री को घर से निकाल दिया। धमकी दी कि यदि वह दोबारा घर पर आई तो उसे जान से मार देंगे।

चयनित लाभार्थियों को दें योजना का पूरा लाभ

अल्मोड़ा विकास भवन में सीडीओ ने ब्रायलर फार्म योजना की समीक्षा बैठक ली।

- सीडीओ ने ब्रायलर फार्म योजना के अंतर्गत समीक्षा बैठक ली
- अधिकारियों को योजना को लेकर आवश्यक निर्देश दिए

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सीडीओ रामजीशरण शर्मा ने बुधवार को ब्रायलर फार्म योजना के अंतर्गत समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने चयनित लाभार्थियों को योजना का लाभ शीघ्र प्रदान किया जाने निर्देश दिए।

विकास भवन में आयोजित बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश अग्रवाल द्वारा जनपद को प्राप्त आवेदनों का विवरण प्रस्तुत किया गया। जिन्हें जिला स्तरीय समिति के समक्ष रखा गया। समिति द्वारा परीक्षण उपरांत 66 आवेदनों को अनुमोदित किया गया। बैठक में सीडीओ ने कहा कि योजना का उद्देश्य पशुपालन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि ब्रायलर फार्म योजना के अंतर्गत लाभार्थी को 500 ब्रायलर (एक दिवसीय चूजों) के 6 बैच पालने पर 60 हजार का अनुदान प्रदान किया जाता है। बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा जनपद में अन्य कुकुट पालन योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। जिनका उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर आयवृद्धि और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

बसभीडा.रामलीला में अंगद- रावण संवाद का दृश्य।

प्रभु का दूत हूं मैं तो मुझे क्या डर तुम्हारी है..

बैरती (अल्मोड़ा) : क्षेत्र के बसभीडा.में चल रही रामलीला में गत रात्रि अंगद-रावण संवाद ने दर्शकों का मन मोह लिया। अंगद के पात्र नव प्रभात हाईस्कूल के प्रबंधक व रामलीला कमेटी के सह डायरेक्टर किरन कुमार पांडेय व रावण के पात्र दीनदयाल वर्मा के दमदार अभिनय ने सभी का दिल जीत लिया। इसके अलावा लक्ष्मण शक्ति, राम विलाप, कुंभकर्ण वध, मेघनाद वध तथा सुलोचना सती आदि का मंचन किया गया। राम के पात्र निशा नेगी, लक्ष्मण की हिमानी बिष्ट, मेघनाद के हीरा नेगी, हनुमान अंकुश वर्मा, सुषैन वैद्य कैलाश रौतेला, भरत हिमांशु, कुंभकर्ण त्रिलोक रौतेला, विभीषण ललित पालीवाल, सुलोचना नंदन मेहरा आदि का अभिनय शानदार रहा। इस अवसर पर यहां पधारे उप निरीक्षक चौखुटिया पुलिस - दीवान सिंह कोरंगा, डा.मदन चौधरी, गोबर्धन हर्बोला, भोपाल सिंह, नवीन चंद्र पांडेय, खीम सिंह बिष्ट तथा संजय वर्मा आदि अतिथियों का कमेटी अध्यक्ष नारायण दत्त तिवारी, कोषाध्यक्ष मोहन सिंह किरौला व अन्य पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। मंच संचालन धीरज तिवारी, कुन्दन बिष्ट व पवन तिवारी द्वारा किया गया।

फर्जी तरीके से लोन लेने का आरोप, मुकदमा दर्ज

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक में फर्जी ऋण लेने का एक मामला सामने आया है। आरोपी लोनिवि कर्मचारी ने स्वयं को फर्जी दस्तावेजों के जरिये अल्मोड़ा दिखा दिया और लाखों रुपये का कर्मचारी ऋण योजना से लोन ले लिया। अब बैंक ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक शाखा अल्मोड़ा के प्रबंधक समीर भटनागर ने तहरीर कोतवाली में सौंपी तहरीर में कहा कि हिमांशु कुमार पुत्र रतन सिंह, निवासी मानपुर पश्चिम देवलचौड़ हल्द्वानी वर्तमान में लोनिवि लोहाघाट में तैनात हैं। आरोपी ने स्वयं को फर्जी दस्तावेजों में अधीक्षण अभियंता प्रथम वृत्त लोनिवि अल्मोड़ा दिखाकर अल्मोड़ा शाखा से कर्मचारी ऋण योजना के तहत 31 मई 2025 को 19 लाख रुपये की ऋण सीमा प्राप्त की। इस बीच 20 सितंबर को काशीपुर शाखा से जानकारी मिली कि आरोपी इससे पूर्व 18.50 लाख रुपये का ऋण स्थानीय शाखा से ले चुका है। उस दौरान उसका वेतन काशीपुर शाखा से आहरित होता था। जांच में सामने आया कि आरोपी ने फर्जी दस्तावेज बनाकर स्वयं को अल्मोड़ा में तैनात दिखाया और फर्जी दस्तावेजों से वेतन खाता अल्मोड़ा स्थानांतरित कर 19 लाख रुपये का ऋण ले लिया। इधर, कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रबंधक की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एसएसबी ने लगाया पशु चिकित्सा शिविर

खटीमा: 57वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट मनोहर लाल के निर्देशन में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वाइब्रेंट विलेज नगला तराई में बुधवार को निःशुल्क पशु चिकित्सा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में डॉ गुरविंदर जीत सिंह कमान्डेंट पशु चिकित्सा द्वारा 14 ग्रामीणों के 60 पशुओं का निःशुल्क उपचार किया गया। शिविर में पशुपालकों को पशुओं में होने वाली मानसूनी बीमारी, खुरपका, मुंहपका, गलाघोटू, डिवॉर्मिंग, प्रजनन, मिल्क फीवर, कीटोसिस जैसी गंभीर बीमारियों और उसके बचाव के उपाय, रख रखाव और खान पान आदि की जानकारी दी। वहीं पशु पालकों को नाबार्ड से पशुओं हेतु लोन, डेयरी उद्योग पर जोर दिया गया ताकि ग्रामीणों को रोजगार मिल सके।

अल्मोड़ा में मंगलवार को ट्रेकिंग के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देते युवा। ● अमृत विचार

ट्रेकिंग कर दिया स्वच्छता का संदेश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पर्यटन विभाग की ओर से ट्रेक एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने ट्रेकिंग में हिस्सा लेकर स्वच्छता अभियान चलाकर जागरूक किया।

बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर निगम मेयर अजय वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद ट्रेक की शुरुआत पर्यटन कार्यालय से कैंट क्षेत्र से होकर डोलीडाना पहाड़ी की परिक्रमा करते हुए वापस करबला में संपन्न हुआ। पूरे रूट पर सफाई अभियान चलाते हुए लोगों को जागरूक किया। डोलीडाना खेल मैदान की सफाई की गई और कूड़े को एकत्र कर निस्तारण किया। जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश सिंह खत्री ने कहा कि ट्रेकिंग के माध्यम से लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यहां एडीएम युक्ता मिश्र, एसडीएम संजय कुमार, डीडीएमओ विनीत पाल, तहसीलदार ज्योति धपवाल आदि मौजूद रहे।

सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय में महानिरीक्षक के साथ पदोन्नत हुए जवान।

एसएसबी के पदोन्नत कार्मिकों को लगाए गए रैंक

रानीखेत : सीमा सशस्त्र बल सीमांत मुख्यालय में बलकर्मियों आरक्षी रिंकू लाल एवं आरक्षी धन्ना राम भट को पदोन्नत किया गया। इस अवसर पर महानिरीक्षक सीमांत रानीखेत अमित कुमार ने कार्मिकों को पदोन्नति अनुसार रैंक लगाकर शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पद के अनुसार अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाने तथा साथ ही साथ बल का नाम रौशन करने का सुझाव दिया। समारोह में दुर्गा बहादुर सोनार उप महानिरीक्षक, देबासिस पाल कमांडेंट, अनिल कुमार जोशी उप कमांडेंट अरविन्द कुमार उप कमांडेंट राहुल राय सहायक कमांडेंट व अन्य अधिकारीगण एवं बल कार्मिक उपस्थित रहे।

अल्मोड़ा गुरुद्वारे में बुधवार को प्रकाशोत्सव पर मौजूद संगत। ● अमृत विचार

गुरु नानक देव के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

अल्मोड़ा : नगर में गुरु नानक देव का प्रकाशोत्सव बुधवार को बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लिंक रोड स्थित गुरुद्वारे में शबद कीर्तन और लंगर का आयोजन किया गया। गुरुद्वारे में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और गुरु बाणी के माध्यम से गुरु नानक देव जी के उपदेशों का स्मरण किया। कीर्तन के दौरान संगत ने गुरु जी के बताए रास्ते पर चलने, मेहनत और जनसेवा का संकल्प लिया। वहीं, गुरुद्वारे पहुंचे लोगों ने कहा कि गुरु नानक देव सिखों के प्रथम गुरु थे। उन्होंने समाज के लिए कई कार्य किए। कहा कि समाज के लोगों को आगे बढ़ाने के लिए जनसेवा का मार्ग अपनाना जरूरी है। इस अवसर पर कुलदीप सिंह बवेजा, सुनील सजदेवा, रवि सजदेवा, परमजीत सिंह, अमरजीत सिंह, अमरजीत कौर, उषा सजदेवा, संविंदर कौर समेत बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग मौजूद रहे।

ठाकुर जी के जन्मोत्सव के बाबत विचार विमर्श करते अनुयायी। ● अमृत विचार

आंचलिक स्तर पर होगा ठाकुर अनुकूल चंद्र जी का 138वां जन्मोत्सव

शक्तिफार्म : श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी का 138वां जन्मोत्सव क्षेत्रीय स्तर का न होकर, बृहद रूप से आंचलिक स्तर पर मनाया जाएगा। सफल आयोजन के लिए कमेटी का गठन कर तैयारी आरंभ कर दी गई है। 25 दिसंबर को आयोजित होने वाला श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी का 138वाँ जन्मोत्सव, इस वर्ष आंचलिक स्तर पर मनाया जाएगा। नगर के सत्संग मंदिर में आयोजित बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई एवं सफल आयोजन के लिए कमेटी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद पर सूरज देवनाथ, सचिव पर रविंद्र नाथ मजूमदार, कोषाध्यक्ष पर तपन मंडल मनोनीत किए गए। वहीं बृहद धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण रूप से सफल रहे, इसके लिए शक्तिफार्म, पीलीभीत, रुद्रपुर, दिनेशपुर, बरेली, हल्द्वानी आदि क्षेत्रों के लिए उपाध्यक्ष एवं उपसचिव मनोनीत किए गए। आयोजन समिति अध्यक्ष सूरज देवनाथ ने कहा कि, इस वर्ष ठाकुर जी का जन्मोत्सव बृहद रूप से आंचलिक स्तर पर मनाया जाएगा।

किच्छा में आयोजित शिविर में उपस्थित लोग व संस्था के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

शिविर में दर्जनों लोगों की हुई एचआईवी जांच

किच्छा : स्वयंसेवी संस्था इम्पार्ट ने दिशा टीम के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर दर्जनों लोगों की एचआईवी जांच करते हुए एचआईवी एड्स विषय पर जागरूक किया गया। नगर के नई मंडी क्षेत्र में इम्पार्ट संस्था के बैनर तले स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित हुआ। शिविर में मेहनत मजदूरी करने वाले दर्जनों लोगों की निशुल्क एचआईवी जांच की गई तथा एचआईवी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस मौके पर इम्पार्ट संस्था प्रमुख इंदिरा मिश्रा ने एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि असुरक्षित यौन संबंध बनाने तथा संक्रमित सुई का उपयोग करने से एचआईवी बीमारी में बढ़ावा होता है। शिविर का संचालन दिशा टीम के डॉ. जयंत जोशी ने किया। मौके पर इम्पार्ट संस्था के परियोजना निदेशक मनोज सिंह, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्रीकांत राठौर रहे।

श्री बालाजी मंडल के महंत राजेंद्र अग्रवाल का निधन

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: श्री बालाजी मंडल के महंत राजेंद्र अग्रवाल (67) का मंगलवार की रात्रि रुद्रपुर सिंह कॉलोनी स्थित आवास में आकस्मिक निधन हो गया। निधन का समाचार सुनते ही क्षेत्र शोक में डूब गया। बुधवार को श्री बालाजी भक्तों, धार्मिक संस्थानों व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। व्यापार मंडल ने शोक में आधे दिन बाजार बंद रखा।

राजेंद्र अग्रवाल।

महंत राजेंद्र अग्रवाल 1988 में जसपुर से दिनेशपुर आकर बस गए थे। महंत राजेंद्र अग्रवाल ने सभी के सहयोग से 1990 में नगर में भव्य श्री बालाजी मंदिर का निर्माण करवाया। उनकी श्री बालाजी महाराज के प्रति आस्था व भक्ति से उत्तराखंड व यूपी में धीरे-धीरे हजारों की संख्या में भक्त जुड़ गए। उनके निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर, पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क, गदरपुर नपा पूर्व ईओ हरिचरन सिंह, रामलीला कमेटी अध्यक्ष अशोक कालड़ा, दुर्गा पूजा उत्सव कमेटी पूर्व अध्यक्ष मनोज राय उर्फ मुन्ना, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, व्यापारी नेता विशंभर लाल मिगलानी, केके गावा, राजकुमार भुड्डी, सुनील बंसल, रामविलास गुप्ता, सुधीर गगनेजा, चेतन सुखिजा, हिमांशु सरकार, मानसिंह कोरंगा, गोपाल डोगरा, आलोक पाठक आदि रहे।

गोष्ठी | कृषकों को वितरित की पशुपालन से संबंधित सामग्री

पशुपालन के वैज्ञानिक तरीके बताए

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय में पशुधन उत्पादन प्रबंध विभाग एवं पशु पोषण विभाग की ओर से एक दिवसीय पशुपालन गोष्ठी का आयोजन एससीएसपी और आईसीएआर अखिल भारतीय समन्वित बकरी परियोजना के तहत किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आयी 51 महिला कृषकों को वैज्ञानिक तकनीक से पशुपालन से संबंधित जानकारी दी गयी।

गोष्ठी में एलपीएम के प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष डॉ.आरके शर्मा ने बकरी पालन का महत्व एवं बकरी परियोजना से संबंधित जानकारी दी। पशु पोषण विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. रिपूसूदन कुमार ने बकरी का आहार प्रबंधन पर व्याख्यान दिया गया। सीवीएएससी के अधिष्ठाता डॉ. एससी त्रिपाठी ने पशुपालन के महत्व से संबंधित जानकारी दी। एलपीएम विभाग प्राध्यापक डॉ.एसके सिंह ने बकरियों में आवास प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। परजीवी विज्ञान विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. आरआर कुमार ने बकरियों के प्रमुख रोग एवं उनके नियंत्रण की जानकारी दी। निदेशक शोध डॉ. एसके वर्मा ने प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस दौरान निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह, संयुक्त निदेशक शोध मंजुल कांडपाल ने महिला कृषकों को पशुपालन से संबंधित सामग्री दाना खिलाने के लिए टब, पानी के लिए बाल्टी, छाता और टॉर्च आदि का वितरण किया। इस अवसर पर पशु पोषण विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीसी मंडल भी उपस्थित रहे।

किसानों को पशुपालन सामग्री बांटते निदेशक शोध और संयुक्त निदेशक शोध।

हवन से पूर्णिमा महोत्सव की शुरुआत

- करौली शंकर महादेव ने भक्तों को दी मंत्र दीक्षा

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: रायवाला स्थित मिश्री मठ में 8 नवंबर तक चलने वाले पंच दिवसीय पूर्णिमा एवं देवभूमि रजत उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पंचदिवसीय पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान करौली शंकर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

बुधवार को विशेष रूप से प्रातः काल बाबा जी एवं माताजी और माता महाकाली की आरती की गई। तत्पश्चात भजन एवं ध्यान साधना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर में एक साथ 5,000 से अधिक भक्तों ने पंच महाभूति शुद्धि का सामूहिक हवन किया। करौली शंकर महादेव ने कहा कि हिंदू ग्रंथों के अनुसार यह पूरा ब्रह्मांड पांच तत्वों से मिलकर बना है। अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी और आकाश और यहीं तत्व हमारे शरीर का निर्माण करते हैं। इस अवसर पर हवन करके भक्तों की पंच महाभूत शुद्धि करायी गयी जो कि मंत्र दीक्षा लेने के लिए अनिवार्य है। जिससे भक्तों के तन-मन की शुद्धि हो सके और वो भक्ति मार्ग में आगे बढ़ सकें। हवन के पश्चात ही भक्त दीक्षा ले सकते हैं। गुरुवार को तंत्र क्रिया योग के साधकों का महासम्मेलन एवं देवभूमि रजत उत्सव मनाया जायेगा, जिसमें उत्तराखंड संघर्ष समिति के लोगों का सम्मान भी किया जाएगा। इस पावन अवसर पर पांच दिनों में देश-विदेश से भारी संख्या में साधक भाग लेंगे। साथ ही देश के कई बड़े संत, राष्ट्रीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत स्वामी रवींद्र पुरी, अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज, कई अखाड़ों और संप्रदायों के संत और महामंडलेश्वर भी कार्यक्रम में सम्मलित होंगे जो कि साधकों का मार्गदर्शन करेंगे।

पूजन करते करौली शंकर महादेव। ● अमृत विचार

अमृत विचार

गुरुवार, 6 नवंबर 2025

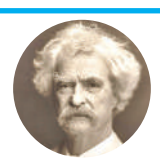

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाह हैं, पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिए।

—मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

रेलवे पर सवाल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रेल दुर्घटना ने यह सवाल फिर से उठाया है कि भारतीय रेल की सुरक्षा-संरक्षा प्रणाली क्यों चूक रही है! जांच के प्रारंभिक संकेत मानव त्रुटि या सिग्नलिंग की खामी बता रहे हैं, पर असली दोषी का पता तब चलेगा जब ब्लैक बॉक्स, सिग्नल लॉग, ड्राइवर की ड्यूटी रिकॉर्ड, ट्रैक सर्किट और नियंत्रण-कक्ष के डेटा की बारीकी से तकनीकी जांच के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त की रिपोर्ट आएगी। इससे तय होगा कि हादसे में मानवीय भूल का हाथ था या तकनीकी प्रणाली की विफलता। यदि रेलवे द्वारा आधुनिक तकनीक और उच्चस्तरीय सिग्नलिंग सिस्टम के दावे के बाद भी आमने-सामने की टक्कर हो रही है, तो बेशक हमारी सुरक्षा संस्कृति ही दोषपूर्ण है। रेलवे में सिग्नलिंग इंटरलॉकिंग की किंचित नाकामी ट्रेन को गलत ट्रैक पर भेज सकती है। सिग्नल सिस्टम में खामी का मतलब है कि ट्रैक सर्किट, इंटरलॉकिंग प्रणाली ने ठीक से काम नहीं किया। ये ठीक से काम करें, इसके लिए हार्डवेयर सुधार के साथ 'रियल टाइम रिमोट मॉनिटरिंग' जैसी व्यवस्थाएं लागू करना जरूरी हैं। हालांकि लोको पायलट की थकान, संचार की कमी या समय-संवेदनशील निर्णयों में विलंब से भी दुर्घटनाएं होती हैं। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई का प्रावधान है। निलंबन, बर्खास्तगी, दंडात्मक अभियोजन तक, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश जांच रिपोर्टें बरसों-बरस फाइलों में पड़ी रहती हैं। रेल सुरक्षा आयुक्त की अनुशंसाओं पर कार्रवाई का प्रतिशत अत्यंत अल्प है। भारतीय रेलवे की ऑडिट रिपोर्टें बताती हैं कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं में मानव-त्रुटि मुख्य कारण होने के बावजूद जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया धीमी और बेहद अपारदर्शी है। इसीलिए दोषियों और कारणों की पहचान के बावजूद सुधार तत्परता से लागू नहीं होते।

हर बड़े हादसे के बाद उच्चस्तरीय समितियां बनती हैं, नई घोषणाएं होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव, सुधार की रफ्तार बेहद धीमी रहती है। रेल मंत्रालय ने वर्षों पहले एंटी कोलिजन डिवाइस 'कवच' लगाने की योजना बनाई थी, ताकी इस तरह आमने-सामने की टक्कर न हो। अब तक यह कुछ हजार किलोमीटर रूट और सीमित संख्या में लोकोमोटिव तक ही सीमित है। बजटीय सीमाएं, तकनीकी संगतता और विशाल नेटवर्क इसके विस्तार में बाधा हैं, किंतु जान-माल की सुरक्षा के आगे प्राथमिकता स्पष्ट होनी चाहिए। हर चालित ट्रेन में 'कवच' या इसी तरह की स्वचालित सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य हो। रेलवे में गाड़ी का पटरी से उतरना, सिग्नल फेल होना, लोकोमोटिव फाल्ट छोटी दुर्घटनाएं रोज घटती हैं, पर ये मीडिया में नहीं आतीं। न इन पर प्रशासनिक दबाव बनता है। छोटी लापरवाहियों पर उपेक्षा की यही प्रवृत्ति आगे चल कर बड़े हादसे का रूप ले लेती है।

जरूरी है कि रेल मंत्रालय हर छोटे हादसे की रिपोर्टिंग और त्वरित विश्लेषण के बाद जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था विकसित करे। लालखदान की रेल त्रासदी चेतावनी है कि भारतीय रेल में तकनीकी निवेश के साथ मानव प्रबंधन, जवाबदेही और पारदर्शिता को समान महत्व दिया जाए। सुरक्षा सिर्फ उपकरणों से नहीं, प्रणालीगत ईमानदारी और सतर्कता से आती है।

प्रसंगवश

महज अतीत की धरोहर नहीं भविष्य की नींव हैं किताबें

समय के साथ हमारी पढ़ने की आदतें बदल रही हैं। एक दौर था, जब किताबें ही ज्ञान, कल्पना और चिंतन का मुख्य स्रोत थीं। अब वही भूमिका स्मार्टफोन, टैबलेट, गूगल और एआई उपकरणों ने ले ली है। सूचनाओं तक पहुंचना पहले से कहीं आसान हुआ है, पर इसी सुविधा ने गहराई से सोचने और समझने की क्षमता को चुनौती दी है। आज जब विद्यार्थी गूगल या एआई आधारित उपकरणों की मदद से तुरंत उत्तर प्राप्त कर लेते हैं, तब सवाल करना, विषय को गहराई से समझना और उस पर चिंतन करना पीछे छूटता जा रहा है। ज्ञान का सतही उपभोग गहन अध्ययन के महत्व को कमजोर कर सकता है।

आज का जीवन तेज और सूचना-भरा है। हर चीज अब तेज हो गई है। खबरें, मनोरंजन, सीखना और पढ़ना भी। डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा और जानकारी दोनों को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह बदलाव हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यूनेस्को और ओईसीडी के अध्ययन बताते हैं कि इंटरनेट ने ज्ञान के प्रसार को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

फिर भी शोध दर्शाते हैं कि स्क्रीन पर पढ़ना और कागज पर पढ़ना दो अलग अनुभव हैं। स्क्रीन मस्तिष्क को 'तेज प्रोसेसिंग मोड' में रखती है, जहां उद्देश्य केवल जानकारी छांटना होता है, उसे आत्मसात करना नहीं। परिणामस्वरूप, पूरी जानकारी या तर्क की सूक्ष्म परतें याद नहीं रहतीं और एकाग्रता बार-बार टूटती है। यही वह बिंदु है, जहां किताबों की भूमिका और अहम हो जाती है। किताबें हमें धीमा करती हैं, ठहरना सिखाती हैं और अर्थ को आत्मसात करने का अभ्यास कराती हैं।

अधिकांश विद्यार्थी अब पूरा अध्याय या कहानी के बजाय केवल 'महत्वपूर्ण प्रश्न' या 'सारांश' पर निर्भर हो जाते हैं। संक्षिप्त नोट और पावरपॉइंट स्लाइडें परीक्षा के लिए सुविधाजनक हो सकती हैं, लेकिन सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता को कमजोर करती हैं। गहन अध्ययन की जगह केवल जानकारी का उपभोग हावी हो जाता है। ज्ञान तब ही जीवित रहता है, जब उसे पढ़ने, समझने और तर्क करने की प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाए। ऐसे में विद्यालयों में नियमित 'पठन सत्र' या पुस्तकालय सत्र भाषा कौशल, एकाग्रता और तर्कशक्ति बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, वे सोचने का तरीका सिखाती हैं। ये हमें गहराई से किसी और के दृष्टिकोण से दुनिया देखने की क्षमता देती हैं। शोध बताते हैं कि 'डीप लर्निंग' मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है जो सहानुभूति, स्मृति और आलोचनात्मक सोच से जुड़े हैं। किताबें हमारी कल्पना, विवेक और संवाद की क्षमता को बढ़ाती हैं और हमें भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर विकसित करती हैं।

तकनीक और किताबों को विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए। सही उपयोग से तकनीक किताबों तक पहुंच आसान बना सकती है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, ई-पाठशाला और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म लाखों पुस्तकों और शैक्षणिक संसाधनों को विद्यार्थियों तक पहुंचा रहे हैं। ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें (ऑडियो बुक्स) पढ़ाई को कहीं भी, कभी भी संभव बना देती हैं। समस्या तब आती है जब तकनीक सोचने का विकल्प बन जाए। जब विद्यार्थी केवल एआई आधारित सारांश और गूगल से तुरंत उत्तर लेते हैं, तब ज्ञान सतही बन जाता है। तकनीक तभी सहायक है, जब वह जिज्ञासा और गहराई को बढ़ाए, न कि प्रतिस्थापित करे।

भारत के दोस्तों पर ना 'पाक' पड़ोसी की नजर

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी हार से बौखलाया पाकिस्तान भारत को अब हर तरफ से घेरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए अपने मित्र राष्ट्रों के दुश्मन देशों से भी हाथ मिलाने को आतुर है। इसका ताजा उदाहरण उत्तर कोरिया है। भारत और उत्तर कोरिया के रिश्ते बहुत ही अच्छे हैं। 2018 में तत्कालीन विदेश मंत्री ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था, हालांकि इस दौरे के बाद अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन भारत ने नजरअंदाज कर दिया था। अब पाकिस्तान उत्तर कोरिया से अपने राजनयिक रिश्ते बहाल करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस रिश्ते की बहाली के साथ ही दोनों देश गुपचुप तरीके से सैन्य समझौते भी कर सकते हैं।

बांग्लादेश का जन्म ही भारत के हाथों हुआ था। इस बात का एहसान बांग्लादेश के हुक्मरान मानते आए हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए दमन का दुख हर बांग्लादेशी नागरिक के मन में रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद, वहां पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ा है। बांग्लादेश की राजनीति में पाकिस्तानी हस्तक्षेप की झलक साफ दिखती है। यहां तक कि पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और अब कई बड़े सैन्य समझौते भी दोनों देशों के बीच होने जा रहे हैं। भारत के इस पड़ोसी देश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं हैं, हालांकि भारत इसकी काट निकालने में जुटा हुआ है।

बांग्लादेश पर पाकिस्तानी प्रभाव का ही असर है कि आए दिन वहां के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस भारत के विरुद्ध अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। भारत के कई हिस्सों को बांग्लादेश का बताकर नया नक्शा भी जारी कर रहे हैं। बांग्लादेश में मिली सफलता के बाद पाकिस्तान ने आर्मेनिया को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश की है। आर्मेनिया और अजरबैजान की दुश्मनी जग जाहिर है। अजरबैजान ने आर्मेनिया के कुछ भूभाग पर कब्जा भी कर रखा है। आर्मेनिया को जहां भारत हर मोर्चे पर समर्थन करता है, तो आर्मेनिया भी हर मंच पर भारत की बात को प्रमुखता से उठाता है। दोनों देशों के बीच न सिर्फ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हैं, बल्कि रक्षा संबंध भी प्रगाढ़ हैं। यही वजह है कि अजरबैजान भारत को हर मंच पर नीचा दिखाने की कोशिश करता है।

पहलगाम हमले की निंदा जब पूरी दुनिया ने की थी, तब भी अजरबैजान पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया था। आर्मेनिया ने भारत से बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी की है। इससे अजरबैजान परेशान है। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने आर्मेनिया से रिश्ते सुधारने की कवायद शुरू की है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने जा रहे हैं। अब तक भारत से नजदीकी के कारण ही पाकिस्तान उसे मान्यता नहीं देता था, लेकिन शहबाज शरीफ के देश ने अब अपनी नीति बदल दी है। चीन में एससीओ समिट से इतर आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। आर्मेनिया के इस कदम से रूस, तुर्की और ईरान की सीमा से लगे इस क्षेत्र में भारत के लिए समीकरण बदल सकते हैं, हालांकि पाकिस्तान के हर कदम पर भारत की नजर है।

भारत ने भी पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान से रिश्ते में गर्मजोशी लाने की नीति पर काम शुरू कर दिया है। इसका असर भी दिखने लगा है। बीते अक्टूबर में आयोजित हुई कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया की अध्यक्षता अजरबैजान ने की थी। भारत की कूटनीति का ही असर है कि अजरबैजान ने इसकी अध्यक्षता भारत को देने का प्रस्ताव रखा है। उसके इस प्रस्ताव से पाकिस्तान और चीन को झटका लगा है। भारत-अजरबैजान अपने व्यापारिक रिश्ते भी सुधारने में लगे हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने अब उत्तर कोरिया वाला दांव चला है।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कई अवसर पर उन पर तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं। उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा माना जाता है, लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंध हैं। भारत ने जुलाई 2021 में कोविड महामारी के कारण उत्तर कोरिया स्थित दूतावास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था, हालांकि 2024 में इसे बहाल कर दिया गया था।

अब पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के इस फैसले पर दुनिया के कई देशों की नजर है। भारत लगातार उत्तर कोरिया और पाकिस्तान के बीच संदिग्ध परमाणु और मिसाइल रिश्ते पर अंगुली उठाता रहा है और कार्रवाई की मांग करता रहा है। कोरोना काल से बंद चल रहे पाकिस्तान के दूतावास को पुनः बहाल करने के उत्तर कोरिया के निर्णय से एशिया में परमाणु प्रसार के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। माना जाता है कि उत्तर कोरिया ने ही पाकिस्तान को मिसाइल की तकनीक दी थी और पाकिस्तान ने किम जोंग उन को परमाणु तकनीक उपलब्ध कराई थी।

2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था, तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत, उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। साथ ही कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है।

पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है।

आमने

मैं जो कह रहा हूं वह सौ फीसदी सच है। एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। सभी सर्वेक्षणों में हरियाणा में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई गई थी, लेकिन नतीजे एकदम उलट आए। मैं जेन जी से कहना चाहता हूं कि देखिए कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है।

-राहुल गांधी, सांसद

सामने

लोकसभा में विपक्ष के नेता अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रेस को संबोधित कर रहे हैं। बिहार में मतदान होना है, लेकिन वे हरियाणा के किस्से सुना रहे थे। कांग्रेस के पास बिहार में कुछ नहीं बचा है और इसीलिए ध्यान भटकाने के लिए वे हरियाणा का मुद्दा उठा रहे हैं।

-किरन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है माले

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार के चुनावी गणित को देखें, तो यहां दो परिदृश्य गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि यहां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोटरों का रुझान बिल्कुल अलग है, खास तौर पर भाजपा के लिए। दूसरा यह कि बिहार में कम्युनिस्ट दलों का वर्चस्व अभी भी कायम है। पहले बिहार के लोकसभा व विधानसभा के चुनावी अंकगणित पर गौर करते हैं। 2004 के चुनावों से देखें, तो यह तस्वीर साफ नजर आती है कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में वोटर का मूड भिन्न होता है। विधानसभा चुनाव में किसी भी अकेले दल को सत्ता की चाबी नहीं थमाती। वह क्षेत्रीय दलों को तरजीह तो देती है, लेकिन बहुमत से दूर रखती है।

वह चाहे जदयू हो या आरजेडी। 2004 में लोकसभा की मात्र पांच सीट जीतने वाली भाजपा 2005 के विधानसभा चुनाव में 37 सीट जीत लेती है। लोकसभा चुनाव के मुकाबले विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी इनका बढ़ जाता है। 2009 में लोकसभा की 12 सीट जीतने वाली भाजपा को 2010 के विधानसभा चुनाव में 91 सीट पर सफलता मिलती है।

इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जब 22 सीट जीतती है, तो 2015 के विधानसभा चुनाव में इसे मात्र 53 सीटों पर ही कामयाबी मिलती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटें जीतती है, तो 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे 74 सीटों पर सफलता मिलती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 12 सीटों पर जीती थी। अब 2025 के इसी महीने में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा के हिस्से में कितनी सीटें आती हैं, यह देखना है।

मैदान में यूं तो कई क्षेत्रीय दल भाग्य आजमा रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन में ही है। सबसे दिलचस्प यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद को महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे बनाए जाने का भय सता रहा है। ऐसे में उनके वोटर चिराग पासवान की पार्टी के साथ खेल न कर दें, यह आशंका भी बनी हुई है। नीतीश कुमार की यह आशंका और बलवती हुई होगी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस के कनपटी पर कट्टा रखकर' तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने को मजबूर किया है।

मोदी की इस टिप्पणी के बाद नीतीश कुमार और उनके समर्थक इस बात को लेकर भयभीत हैं कि इसका मतलब एनडीए में जो मोदी चाहेंगे वही होगा। अर्थात पर्ची वाला भी मुख्यमंत्री हो सकता है। वोटरों की चुप्पी के बीच चुनाव बाद किस गठबंधन को कितनी सीटें हासिल होती हैं, यह तो अहम है ही, लेकिन सरकार किसके नेतृत्व में बनती है, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव का जो दूसरा परिदृश्य है, वह भी कम दिलचस्प नहीं है। उत्तर भारत के प्रदेशों में कम्युनिस्ट दलों का लगभग खात्मा हो चुका है, लेकिन बिहार इससे अछूता है। 2020 के विधानसभा में इस दल के 12 विधायक थे। अभी जो चुनाव चल रहा है, उसमें भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है। पिछले चुनाव में इस दल के दो-चार उम्मीदवार बहुत मामूली वोटों से हारे थे।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाकपा माले की हारी हुई एक सीट भोरे भी है, जहां से इस बार जेएनयू छात्रसंघ के प्रेसिडेंट रहे 29 वर्षीय धनंजय को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। भोरे विधानसभा क्षेत्र पश्चिमी बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित है। बिहार का यह जिला यूपी के देवरिया और कुशीनगर से सटा हुआ है। गोपालगंज जिले का भोरे विधानसभा क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ माना जाता है। पिछले चुनाव में कम्युनिस्ट उम्मीदवार रहे जितेंद्र पासवान बिहार के डीजीपी रहे जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार से 472 वोटों के मामूली अंतर से हारे थे। स्थानीय लोगों ने इस चुनाव परिणाम को संदिग्ध माना था।

इस बार फिर पार्टी ने जितेंद्र पासवान को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें नामांकन के दिन ही 2017 के एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, लिहाजा वे नामांकन दाखिल नहीं कर पाए। जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी के बाद माकपा ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धनंजय को उम्मीदवार बनाया है।

इधर, जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी को जदयू उम्मीदवार की हार के डर से प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया गया और इसके पीछे जेडीयू उम्मीदवार सुनील कुमार और नीतीश कुमार का हाथ माना गया। मात्र 472 वोटों से जीतने वाले पूर्व डीजीपी सुनील कुमार, नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री थे। यूपी सीमा से सटे बिहार के इस विधानसभा क्षेत्र का चुनाव बेहद दिलचस्प है, क्योंकि यहां जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार जैसे धनबल के मुकाबले जनता मैदान में है।

रिटायर्ड आईपीएस सुनील कुमार 1987 बैच के आईपीएस हैं। 2020 में वे पहली बार जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते। फिर बिहार के शिक्षा मंत्री बने। 1997 में यहां माले कार्यकर्ता उमेश पासवान की हत्या के बाद यह क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ बन गया। माले का स्ट्राइक रेट कांग्रेस से अच्छा हो, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है।

सोशल फोरम

खत्म होते रिश्ते और बिखरते परिवार

पक्के सामाजिक मनुष्य रूपी जीवों की समझ और सोच बिल्कुल अनोखी होती है। इनकी उम्र बीत जाती है समाज की अच्छाई, रिश्तों की अच्छाई, शादी ब्याह की अच्छाई, बच्चों और रिश्तेदारों की अच्छाई ढूंढने में और उसका बखान करने में। कोई लड़का-लड़की अगर बिना शादी किए लिव इन रिलेशन में रह रहे होते हैं और उनके रिश्तों में कुछ गड़बड़ हो जाए, वो एक-दूसरे को मार दें या कुछ भी खून कत्ल हो जाए उनके बीच, तो ये पारिवारिक प्राणी कमेंट करने को टूट पड़ेंगे, "और रहो ऐसे रिश्तों में", "और असामाजिक संबंधों में रहो, ऐसा ही होगा"....। फलाना-धिमाका बोलते हैं ये, जबकि शादियों में रोज इतने खून-कत्ल होते हैं, जितने रोड एक्सीडेंट में भी नहीं होते। आप फैमिली कोर्ट में जा कर वहां के हालत देखिए कभी, जबरदस्त भीड़ होती है।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

हजारों लोग परेशान कोर्ट के चक्कर लगाया करते हैं तलाक़ के लिए। लाखों केस पेंडिंग होते हैं। जिन मर्दों के ऊपर ये कोर्ट केस चल रहे होते हैं, उनकी नौकरी, घर, रुपया पैसा सब इसी में बर्बाद हो जाता है और वो कोर्ट के चक्कर लगा-लगा के अपनी आधी उम्र बिता देता है। फैमिली कोर्ट जा कर देखिए, भयावह दृश्य होता है। वो सब लिव इन वाले लोग नहीं हैं।

अनाथालयों में चले जाइए, देखिए कितने बच्चे, जो शादी नामक संस्था से पैदा हुए थे, किस तरह का जीवन जी रहे होते हैं। ये वो बच्चे होते हैं जो जाने कितने अरमान और जाने कितनों ने 'घर के चिराग' और 'वारिस' के लिए पैदा किए होते हैं। भीड़ है लावारिस बच्चों की इस दुनिया में। इन्हें अपना बच्चा ही मानव जाति के अस्तित्व को बचाने वाला एकमात्र मनुष्य दिखता है।

कभी वृद्धाश्रम जा कर देखिए, आपको शायद ही वहां कोई ऐसा बुजुर्ग मिले, जिसने 'एकल' जीवन चुना हो और उसने शादी न की हो। लगभग सभी आपको बाल-बच्चे, नाती-पोते वाले बुजुर्ग मिलेंगे। ये सारे अपने बच्चों द्वारा मार के भगाए गए बुजुर्ग होते हैं। वृद्धाश्रम का कॉन्सेप्ट ही घर से भगाए गए वृद्धों के लिए है, जहां कोई जाना नहीं पसंद करता है। आप जिस चीज को प्रेम कहते और बोलते हैं, वो सब सिर्फ 'आदत' होती है बस! केला-0सेब लेकर आपको अस्पताल में देखने आने वाले लोग वैसे ही होते हैं, जो आपकी शादी में आपके न्योते का लिफाफा देने पहुंचते हैं। इसमें कोई अच्छाई नहीं है, बस 'आदत' है ये!

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नकली बादल से हल नहीं होती असली समस्या

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भिगो दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवा कर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में जयपुर के करीब बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश का प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहा। वहां कई-कई बार ड्रोन उड़ाए और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरीं, जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया।

पहले दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता, तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश की बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं दिखते, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा, तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही है, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च भी बढ़ा रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेंबर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने का कोई निर्णायक उपाय नहीं हो रहे हैं। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है।

जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है, तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है ।

एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक खतरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती हैं। चिंता की बात यह है कि आक्सॉइड ऑफ नाइट्रोजन गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिल कर तेजाबी बारिश कर सकती है।

यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर जाम लग जाता है, जो दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

जेब में लैब

पलक झपकते बीमारियों की जांच

बीमारियों की जांच के लिए अब न तो पैथोलॉजी लैब में लाइन लगाने की जरूरत होगी और न ही रिपोर्ट के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ेगा। यह बड़ा बदलाव संभव होगा आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों की पहल से। दरअसल आईआईटी कानपुर ने एक ऐसी अत्याधुनिक पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस विकसित की है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन और स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली साबित हो सकती है। यह छोटा-सा उपकरण किसी भी व्यक्ति के रक्त, मूत्र, पसीने और लार के सैंपल से न सिर्फ विभिन्न रोगों की जांच कर सकता है, बल्कि मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद प्रदूषण की पहचान करके भी तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने में भी सक्षम है। इन्हीं विशेषताओं के कारण माना जा रहा है कि आईआईटी कानपुर की यह खोज भारत को सस्ती, तेज और सटीक जांच तकनीक के क्षेत्र में बड़ी पहचान दिला सकती है। 'जेब में लैब' जैसी यह डिवाइस आने वाले समय में स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों क्षेत्रों में नया अध्याय लिख सकती है।

- मनोज त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर दिया नाम

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और बायो इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में शोध छात्र अनिमेष कुमार सोनी तथा नेहा यादव द्वारा तैयार इस डिवाइस को पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फार केमिरसिस्टव सेंसर नाम दिया गया है। इसके जरिए बॉयोलाजिकल और केमिकल दोनों तरह के मालिक्यूल की जांच की जा सकती है। डिवाइस का पेटेंट आवेदन स्वीकृत हो चुका है। अनिमेष के अनुसार कागज की चिप और डिवाइस सेंसर को अलग-अलग रसायनों की जांच के लिए विशेषीकृत किया गया है। हर जांच के लिए अलग-अलग डिवाइस और चिप का प्रयोग किया जाता है।

डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित डायग्नोस्टिक डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी है। यानी यह एक 'जेब में समा जाने वाली लैब' जैसी है, जिसे लेकर किसी भी गांव, दूरस्थ इलाके या आपदा प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा जा सकता है और वहां मौके पर जांच की जा सकती है। इस पोर्टेबल डिवाइस से जांच रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में मोबाइल स्क्रीन पर मिल जाती है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह डिवाइस ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जहां संसाधनों की कमी के कारण अक्सर रोग की पहचान में देरी होती है, जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ता है।

तीन हजार की डिवाइस और 20 रुपये की कागज चिप

तीन हजार रुपये में तैयार होने वाली इस डिवाइस से की जाने वाली जांच भी बेहद सस्ती है। जांच के लिए कागज से बनी चिप का प्रयोग किया जाता है, जिससे जांच परिणाम तुरंत मिल जाते हैं। जांच प्रक्रिया तत्काल पूरी किए जाने से रक्त, मूत्र या लार के नमूनों के दूषित या बिगड़ने का खतरा भी नहीं रहता है। इस डिवाइस को कोई भी डॉक्टर अपनी क्लीनिक पर रख सकता है। इसके लिए कागज पर कार्बन इलेक्ट्रोड चिप बनाई गई है, जिसकी लागत 15 से 20 रुपये है।

मलेरिया, डेंगू, टायफाइड की आसानी से जांच

आईआईटी कानपुर की शोध टीम के अनुसार यह डायग्नोस्टिक डिवाइस बायोसेन्सिंग तकनीक पर आधारित है। यानी यह शरीर के तरल पदार्थों में मौजूद बायोमार्कर्स की पहचान करके बीमारी का पता लगाती है। इसके चलते इसकी मदद से मलेरिया, डेंगू, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के अलावा कई प्रकार के सूक्ष्म संक्रमण और प्रदूषक तत्वों की भी पहचान आसानी से और फटाफट की जा सकती है।

रिचार्जेबल डिवाइस का सोलर पैनल से भी संचालन

इस डिवाइस का इंटरफेस बेहद आसान है, इसके लिए किसी तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत नहीं पड़ती। बस सैंपल की एक बूंद डालते ही डिवाइस में लगे सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और कुछ मिनटों में ही परिणाम उपलब्ध करा देते हैं। खास बात यह है कि यह डिवाइस रिचार्जेबल है और बिजली न होने की स्थिति में सोलर पैनल से भी संचालित की जा सकती है।

ग्रामीण भारत के लिए 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट'

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस तकनीक से ग्रामीण भारत में रोग पहचान की प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार होगा, जहां पहले जांच के लिए सैंपल शहर भेजे जाते थे, वहीं अब 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट' संभव होगा। यही नहीं, पर्यावरणविद् भी इस नवाचार को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि यह मिट्टी, पानी और खाद्य पदार्थों में प्रदूषण का विश्लेषण करके, उन्हें सुरक्षित रखने का एक सस्ता और तेज साधन बन सकती है।

तकनीक हस्तांतरण का काम अंतिम चरण में

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर के जांच परिणाम सटीक पाए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा इसकी मदद से खेतों की मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद रसायनों की पहचान भी की जा सकती है। इससे दूध और शीतल पदार्थ की गुणवत्ता जांच भी संभव है। इस डिवाइस को बाजार में पहुंचाने के लिए तकनीक हस्तांतरण की दिशा में काम अंतिम चरण में है।

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक

- पद का नाम : एमएसएमई रिलेशनशिप मैनेजर
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : स्नातक
- आयु सीमा : 25 से 33 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 26-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : punjabandsind.bank.in

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

- पद का नाम : स्थानीय बैंक अधिकारी
- पदों की संख्या : 750
- वेतन मैट्रिक्स : रु. 48480-85920
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 30 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 23-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : pnb.bank.in

प्रादेशिक सेना

- पद का नाम : सैनिक
- पदों की संख्या : 1529
- योग्यता : 12वीं, 10वीं, 8वीं
- आयु सीमा : 18 से 42 वर्ष
- आवेदन प्रारंभ तिथि : 15-11-2025
- आवेदन की अंतिम तिथि : 14-12-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : regionalarmy.in

कैंपस में पहला दिन

'बड़े' होने की हुई शुरुआत

स्कूल से कॉलेज तक का सफर जैसे किसी बंद कमरे से खुली हवा में कदम रखना हो। स्कूल की ड्रेस, भारी बैग और रोज-रोज के होमवर्क से आजादी का एहसास अलग ही था। उस दिन सुबह जब आईने में खुद को देखा तो लगा- अब मैं बड़ा हो गया हूं। कॉलेज के पहले दिन दिल में उत्साह भी था और थोड़ी-सी घबराहट भी थी। नए माहौल, नए लोग और नए शिक्षक सब कुछ नया था। गेट पर खड़े होकर कुछ पल के लिए ठिठक गया, मानो कोई नया अध्याय शुरू होने से पहले दिल खुद को संभाल रहा हो। कैंपस में कदम रखते ही चारों ओर हंसी, बातें और परिचय का शोर। कोई अपने दोस्तों के साथ फोटो खिंचवा रहा था, तो कोई क्लास ढूंढने में व्यस्त। पहली क्लास में जब प्रोफेसर साहब ने 'वेलकम टू कॉलेज लाइफ' कहा, तो लगा जैसे किसी ने जिंदगी के अगले दरवाजे खोल दिए हों। यहां किताबों के साथ-साथ रिश्ते, अनुभव और आत्मविश्वास भी पढ़ना था। स्कूल की तरह सख्त अनुशासन नहीं, बल्कि सोचने और अपने विचार रखने की आजादी थी। ब्रेक के समय कैंटीन में समोसे और चाय के साथ नई दोस्ती की शुरुआत हुई। कुछ ही घंटों में अजनबी चेहरे अपनापन देने लगे। शाम को जब घर लौटा तो थकान नहीं, बल्कि चेहरे पर एक अलग-सी चमक थी। कुछ नया पाने की, कुछ बनने की। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि कॉलेज का पहला दिन ही असल में 'बड़े होने' की शुरुआत थी, जहां किताबों से ज्यादा जिंदगी सिखाई जाती है।

-शिव शंकर सोनी
शिक्षक, मवई, अयोध्या

नोटिस बोर्ड

- डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन (कानपुर) में पूर्व छात्र समागम आयोजित होगा। 8 नवंबर को होने वाले समारोह की तैयारियां संस्थान में चल रहीं है।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास व जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत नैसकॉम से स्किल प्रशिक्षण के लिए आगामी 12 नवंबर (बुधवार) को एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।
- एचडीएफसी बैंक और संभव फाउंडेशन के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिटेल एग्जीक्यूटिव, होटल मैनेजमेंट ऑपरेशन्स आदि क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) के करियर काउंसलिंग सेल की ओर से 14 नवंबर को एकदिवसीय प्रशिक्षणात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

यूजीसी नेट: बेहतरीन करियर अवसरों की चाबी

यूजीसी नेट एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा है, जिसे पास करने के बाद उम्मीदवारों के लिए करियर के अनेक द्वार खुल जाते हैं। खासतौर पर उन युवाओं के लिए यह परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के बाद आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और एक सम्मानजनक करियर की शुरुआत कर सकते हैं। *- फीचर डेस्क*

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका

यूजीसी नेट पास करने के बाद उम्मीदवार देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हो सकते हैं। सरकारी कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की शुरुआती वेतनमान लगभग 57,700 रुपये प्रतिमाह होता है। इसके अलावा विभिन्न भत्ते भी मिलते हैं, जिसके चलते कुल वेतन 75,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता है। उच्च शिक्षा में अध्यापन को भारत में अत्यंत सम्मानजनक पेशा माना जाता है।

रिसर्च संस्थानों में उज्ज्वल भविष्य

CSIR, ICAR, DRDO, ICMR जैसे देश के नामी शोध संस्थानों में भी NET या JRF धारकों को रिसर्च में काम करने का मौका मिलता है। यहां शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 रुपये प्रतिमाह होती है। रिसर्च का क्षेत्र उन छात्रों के लिए आदर्श है, जो नए ज्ञान की खोज और नवाचार करना चाहते हैं।

टॉप कंपनियों में भी मिलता है अवसर

यूजीसी नेट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को कई प्रतिष्ठित सरकारी कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर भी मिलता है। इनमें ONGC, NTPC, BHEL, IOCL जैसी कंपनियां शामिल हैं। यहां HR, मार्केटिंग, फाइनेंस और रिसर्च विभागों में जॉब मिल सकती है। इन पदों पर शुरुआती सैलरी 50,000 रुपये से शुरू होती है, जो अनुभव के साथ 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच सकती है।

प्रमोशन और नेतृत्व का अवसर

असिस्टेंट प्रोफेसर से शुरुआत करने वाले उम्मीदवार समय के साथ प्रमोशन पाकर एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और आगे चलकर डीन या वाइस चांसलर जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं। यह एक ऐसा करियर है, जिसमें न केवल वेतन और लाभ बढ़ते हैं, बल्कि सम्मान और प्रतिष्ठा भी निरंतर बढ़ती जाती है।

JRF के साथ रिसर्च में शानदार शुरुआत

यदि उम्मीदवार यूजीसी नेट के साथ जेनरल रिसर्च फैलोशिप (JRF) भी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो उन्हें रिसर्च फील्ड में जाने का सुनहरा अवसर मिलता है। JRF के तहत रिसर्च करने वाले छात्रों को आकर्षक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाता है। पहले दो वर्षों में 37,000 रुपये प्रतिमाह और इसके बाद 42,000 रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलता है। इसके साथ ही पीएचडी करने का अवसर भी स्वत: प्राप्त हो जाता है।

सौर विनिर्माण क्षमता 125 गीगावाट पार कर जाने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 125 गीगावाट को पार कर जाने की उम्मीद है। यह 40 गीगावाट की घरेलू मांग से तीन गुना से भी अधिक है। वैश्विक शोध और परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी ने यह बात कही है। यह वृद्धि सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का नतीजा है, जिसने विनिर्माण के तेजी से बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, उद्योग को अब अत्यधिक क्षमता के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अमेजन इंडिया ने गोदाम शुल्क 11% बढ़ाया

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपने गोदाम भंडारण शुल्क को 11% बढ़ाकर 50 रुपये प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह कर दिया है। यह शुल्क 15 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा। कंपनी ने उच्च परिचालन लागत का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। इस साल की शुरुआत में अमेजन इंडिया ने 135 श्रेणियों में 1.2 करोड़ से ज्यादा कम-मूल्य वाली वस्तुओं (300 रुपये तक) के लिए रेफरल शुल्क हटाया था। साथ ही, 300 से 500 रुपये कीमत वाली वस्तुओं पर शुल्क 1% या उससे कम कर दिया था। फैशन और छोटे उपकरणों जैसी उच्च मूल्य श्रेणियों में 7% तक की कटौती लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की।

ऋण मांग में 27% की वृद्धि : बजाज फिनसर्व

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व की इकाई बजाज फाइनेंस ने त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में उपभोक्ता ऋण वितरित की जानकारी दी। मात्रा के हिसाब से 27% और मूल्य के हिसाब से 29% की वृद्धि दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस ने कहा कि यह सरकार के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर में बदलावों के परिणाम को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना है। बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक 63 लाख ऋण बांटे हैं। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक हासिल किए, जिनमें से 52% नए ऋण लेने वाले थे। इस प्रकार वित्तीय समावेशन को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।

टेस्ला ने शरद को बनाया भारत प्रमुख

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने लैम्बॉर्गिनी इंडिया के पूर्व प्रमुख शरद अग्रवाल को अपने भारतीय परिचालन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर विचार कर रही है। टेस्ला ने जुलाई में मुंबई में अपना पहला अनुभव केंद्र खोला और अगस्त में दिल्ली के एरोसिटी में दूसरा केंद्र खोला। जुलाई में मॉडल वाई पेश करने के बाद कंपनी ने इसकी आपूर्ति शुरू कर दी है।

एफटीए में डेयरी, एमएसएमई के हितों पर ध्यान : गोयल

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित वार्ता में हुई है उल्लेखनीय प्रगति

- चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन गए हैं केंद्रीय मंत्री

ऑकलैंड, एजेंसी

ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस फोरम के दौरान अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व अन्य अधिकारी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेयरी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की लगातार सुरक्षा करता है। गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित एफटीए पर जारी वार्ता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत कभी भी डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं। न्यूजीलैंड विश्व का प्रमुख डेयरी उत्पादक देश है, और ऐसे में इस क्षेत्र में बाजार पहुंच बढ़ाने की उसकी मांग को लेकर भारत की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है।

उन्होंने कहा, हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं। वार्ता के अगले चरणों को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा, हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि भारत कृषि प्रौद्योगिकी, खासकर डेयरी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर देख सकता है। एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

समझौते के लिए भारत-अमेरिका कर रहे चर्चा

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए लगातार चर्चा जारी है। बातचीत अच्छी चल रही है और लगातार जारी है, कई संवेदनाशील मुद्दे हैं, कई गंभीर मुद्दे हैं तो स्वाभाविक है कि थोड़ा समय लगेगा। अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय अधिकारियों का दल गत माह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वॉशिंगटन गया था। तीन दिवसीय वार्ता 17 अक्टूबर को समाप्त हुई। फरवरी में भारत-अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का निर्देश दिया था। उन्होंने पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% का शुल्क लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

बैंकों का लाभ 9% बढ़कर 49,456 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई को छोड़कर सभी 12 बैंकों ने सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये कमाए

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 49,456 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह दो बैंकों द्वारा लाभ में गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद सालाना आधार पर 9% की वृद्धि को दर्शाता है। सभी 12 बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों के अनुसार, एसबीआई ने 49,456 करोड़ की कमाई में 40% का योगदान दिया। एसबीआई ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में 20,160 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10% अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक ने 58% की वृद्धि दर्ज की और 1,226 करोड़ का लाभ कमाया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 33% की वृद्धि के साथ 1,213 करोड़ कमाया। बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर अन्य बैंक लाभ में रहे। बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 8% घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। वहीं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लाभ 10% घटकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 23% और केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक ने क्रमशः 19, 14 और 12% की वृद्धि दर्ज की।

नवंबर से घट सकता है रूसी तेल का आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर भारत ले सकता है निर्णय

भारत नवंबर के अंत से रूसी कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। यह कदम रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों ने यह संभावना जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि देश के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी इकाइयां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) शामिल हैं। अमेरिका ने रूसी पेट्रोलियम कंपनियों-रोसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

इसके अलावा अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। रिलायंस का रोसनेफ्ट के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता है, जबकि एमआरपीएल और एचएमईएल ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप स्थगित करने की घोषणा की है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से कुल 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया जिसमें इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वडिनार रिफाइनरी (गुजरात) अपने मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। यह रिफाइनरी पहले से यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में है और रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। नौवहन सूचना फर्म 'केप्लर' के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी।

भारत के लिए व्यापक स्वर्ण नीति अपनाने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

एसबीआई ने जारी की एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश नामक रिपोर्ट

सोने की कीमतों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के बीच इसके लिए एक व्यापक नीति की जरुरत है क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक है जो पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव व निवेश मांग से प्रभावित है। बुधवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी 'कमिंग ऑफ (ए टर्बुलेंट) एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता व कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने की कीमत नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। 2025 में अब तक की कीमतों में 50% से अधिक की वृद्धि हुई है। अक्टूबर में कुछ दिन के लिए कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं, लेकिन नवंबर में फिर से 4,000 डॉलर प्रति औंस से पार चली गईं। सोने की घरेलू आपूर्ति भारत में कुल सोने की आपूर्ति का एक अंश है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, 2024 में कुल आपूर्ति में आयात का योगदान 86% होगा। भारत सबसे बड़े स्वर्ण बाजारों में से एक है जो सोने के प्रति सांस्कृतिक आकर्षण, निवेश की मांग और मुद्रास्फीति से बचाव तथा सुरक्षित निवेश सहित अन्य आर्थिक कारकों से प्रभावित है।

भारत में सोने की कुल उपभोक्ता मांग 2024 में बढ़कर 802.8 टन हो गई जो वैश्विक स्वर्ण मांग का 26% है। इससे भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया। चीन की उपभोक्ता मांग 815.4 टन थी। अध्ययन अनुसार चीन की सोने पर राष्ट्रीय नीति है, जिसका एक विशिष्ट उद्देश्य है। यह अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में सोने के व्यापार, भंडारण, मूल्यांकन और उपयोग के तरीके को नया रूप देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण रखता है। यह कई आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को साथ संबोधित करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश कुल भंडार का 77% से अधिक सोने के रूप में रखते हैं।

डीएलसी के लिए लगेगा शिविर

एसबीआई ने पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) के लिए शिविर का आयोजन किया, जिसमें 500 प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसका उद्घाटन राज्यमंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन) जितेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव वी श्रीनिवास, एसबीआई के डीएमडी (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल) शमशेर सिंह और एसबीआई के सीजीएम (सरकारी व्यापार सेवा और समाधान इकाई) अमृतेश मोहन उपस्थिति थे।

राष्ट्रीय

रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ

रक्षा मंत्री बोले- कांग्रेस नेता के पास तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा

बांका/जमुई/गयाजी, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा। रक्षा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार संग्राम

बिहार के जमुई जिले में जनसभा में सिंह ने कहा, राहुल को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है- 'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10% आबादी इन पर नियंत्रण रखती है।

सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हमारे सैनिकों ने आतंकियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया... मैं मारे गए आतंकियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है। भारत को कोई उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

चारा खाया, अब गरीबों का राशन खाएगा राजद : योगी

गया। भाजपा के स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने पहले पशुओं का चारा खाया और अब अगर सत्ता में आए तो गरीबों का राशन खाने की फिराक में है। उन्होने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 प्रतिशत लोगों गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

पहले व दूसरे चरण के 27% प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार चुनाव के पहले और दूसरे चरण के 2,600 उम्मीदवारों में से 697 (27%) पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। यह आंकड़ा 2020 के चुनाव की तुलना में अधिक है, जब 25% उम्मीदवारों ने इसकी घोषणा की थी। इस बार उम्मीदवारों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन दागी चेहरों का प्रतिशत बढ़ा है। एडीआर के अनुसार, सीपीएम के 4 में से 4 उम्मीदवार, सीपीआई के 9 में से 6, सीपीआई (एमएल) के 20 में से 13, कांग्रेस के 60 में से 32, लोजपा (रामविलास) के 28 में से 14, आरजेडी के 140 में से 69, भाजपा के 101 में से 49, जन सुराज पार्टी के 231 में से 100, जदयू के 101 में से 26, आप के 83 में से 21 और बीएसपी के 180 में से 28 उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर पार्टी ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 94 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किये हैं, जिनमें 5 पर दुष्कर्म का आरोप हैं। वहीं 52 ने हत्या और 165 ने हत्या के प्रयास के मामले घोषित किये हैं।

राजग वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है : प्रियंका

बेतिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। प. चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर और चनपटिया की जनसभाओं में प्रियंका ने कहा कि राजग जानता है कि जनता उससे ऊब चुकी है, इसलिए वह वोट चोरी में लिप्त है। आज देश में हालात ऐसे हैं, जैसे अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ करते थे, मुझे संदेह है कि भविष्य में इस देश में चुनाव भी होंगे या नहीं। प्रियंका ने कहा कि राजग सब कुछ बर्बाद कर देगा, यह भी साफ नहीं है कि आगे चुनाव होंगे या नहीं, आप चुप क्यों हैं? इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाइए।

मतदान से पहले जनसुराज का उम्मीदवार भाजपा में

मुंगेर। प्रथम चरण के मतदान से पहले जनसुराज के उम्मीदवार संजय सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा के मुंगेर प्रभारी राजेश झा के अनुसार, संजय सिंह ने भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय विकास और स्थिर सरकार की दिशा में उठाया गया कदम है। संजय सिंह ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की नीतियों से प्रभावित हैं और राजग के साथ विकास कार्य करना चाहते हैं।

हरियाणा का चुनाव चोरी हुआ था, सरकार वैध नहीं : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी पर बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची के आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि गत वर्ष अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी हुआ था। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया और कहा कि न सिर्फ हरियाणा की सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वैध रूप से पद पर नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सरकार में वैध रूप से नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में वोट चोरी को लेकर वह जो बातें कर रहे हैं वो सौ फीसदी सबूत पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सर्वेक्षणों में कांग्रेस की जीत की संभावना थी, लेकिन कांग्रेस की तय जीत को हार में बदला गया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री के बयान का वीडियो दिखाया, जिसमें सैनी ने सरकार बनाने की व्यवस्था होने की बात की थी। राहुल ने दावा किया कि हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी मतों से वोट चोरी हुई। डुप्लीकेट वोटर की संख्या 5,21,619 रही। फर्जी पते वालों की संख्या 93,174 थी, बल्क वोटर 19,26,351 थे। उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 और 7 का भी दुरुपयोग हुआ। फॉर्म 6 और फॉर्म 7 के जरिये वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है। महादेवापुरा और आलंद के खुलासे के बाद निर्वाचन आयोग ने इसका डेटा देना बंद कर दिया है।

बिहार में होना है मतदान और राहुल बता रहे हरियाणा की कहानी : रीजीजू

भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी संबंधी राहुल गांधी के दावों को बुधवार को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता पर अपनी नाकामियों को छिपाने तथा देश को बदनाम करने के लिए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने गांधी पर 'जेन जेड' को भड़काने का प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि देश के युवा इतने समझदार हैं कि वे ऐसे उकसावे में नहीं आएंगे। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में कहा, हरियाणा चुनावों के दौरान उनकी वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस जीत नहीं पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए। तीन दिन पहले कांग्रेस के पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भी कहा था। रीजीजू ने कहा कि बिहार में मतदान होने वाला है और वह हरियाणा की कहानी बता रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि बिहार में (कांग्रेस के लिए) कुछ नहीं बचा है। इसीलिए वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा लेकर आए हैं।

हरियाणा को लेकर राहुल के दावे निराधार: ईसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर लगाए गए आरोप निराधार हैं क्योंकि प्रदेश में न तो उनकी पार्टी के बूथ एजेंट की ओर से अपील दायर की गई और न ही एक से अधिक मतदान की शिकायत हुई थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सवाल किया कि कांग्रेस के बूथ एजेंट ने अक्टूबर 2024 में हुए हरियाणा चुनावों में कई बार वोट डालने वाले मतदाताओं को चिह्नित क्यों नहीं किया। कांग्रेस नेता के आरोपों का खंडन करते हुए एक अधिकारी ने कहा, मतदाता सूची में संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ स्तरीय एजेंट द्वारा कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई? बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) राजनीतिक दलों द्वारा मतदाता सूची में अनियमितता को चिह्नित करने के लिए नियुक्त किए जाते हैं। मतदाता सूचियों के विरुद्ध शून्य अपील दायर हुई थीं और वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केवल 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। कुल 23 चुनाव याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें से एक को बाद में वापस ले लिया गया।

बिलासपुर ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई, 20 घायल

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब मंगलवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 20 लोग घायल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (एमईएमयू) यात्री ट्रेन कोरबा जिले के गेवरा से पड़ोसी जिले बिलासपुर जा रही थी।

अधिकारियों ने कहा, दुर्घटना में छह महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हुई है तथा 20 अन्य घायल हो गए हैं। 11 मृतकों में से पांच में रेलगाड़ी के लोको पायलट विद्या सागर, लवकुश शुक्ला, रंजीत प्रभाकर, शीला यादव और प्रिया चंद्र है। मृतकों में से चार महिलाओं और दो पुरुषों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। 20 घायलों में नौ महिलाएं और दो वर्षीय बच्चा हैं। यात्री ट्रेन की सहायक लोको पायलट रश्मि राज और ट्रेन मैनेजर अशोक कुमार दीक्षित तथा मालगाड़ी के गार्ड शैलेश चंद्र भी अस्पताल में हैं। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि रेलगाड़ी का एक डिब्बा मालगाड़ी के एक डिब्बे के ऊपर चढ़ गया था।

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया लाभ अपराध से अर्जित आय है : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश कर कमाए लाभ को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी ने रिश्वत की राशि को निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं होता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, धन शोधन सतत अपराध है, जो अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है। पीठ ने कहा कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती और ऐसी पूरी राशि जब्ती योग्य होती है। यह फैसला ईडी की अपील पर दिया गया, जिसमें उसने फतेहपुर कोल ब्लॉक आवंटन से संबंधित मामले में एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी थी। ईडी ने 122.74 करोड़ की संपत्ति को जब्त किया था कि एम/एस प्रकाश इंडस्ट्रीज ने धोखाधड़ी से कोल ब्लॉक आवंटन पाया और शेयर की कीमतें बढ़ाईं।

वर्ल्ड ब्रीफ

जमैका में तूफान मेलिसा से 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गई और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

अंतरिक्ष में गए चीन के चालक दल की वापसी सुरक्षा के लिए टाली

बीजिंग। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात दल की बुधवार को निर्धारित वापसी को टाल दिया गया है। ऐसा संदेह है कि अंतरिक्ष यान पर सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव पड़ा है। यह घोषणा 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने की। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के दल को हर छह महीने में बदलता है। शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 दल के साथ कक्षा में कार्यभार हस्तांतरण पूरा किया था और उसका बुधवार को पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम था। शेनझोउ-20 में वर्तमान अंतरिक्ष दल सवार है।

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 की मौत, कई घायल

साराजेवा। बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए। अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं।

उलानबटोर में फंसे 228 यात्री लेकर एअर इंडिया का विमान दिल्ली आया

नई दिल्ली, एजेंसी

- सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान ने की थी आपात लैंडिंग

एअर इंडिया का एक विमान मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया, जिसके बाद यात्री वहां फंस गए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब आठ बजकर 24 मिनट पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। राहत उड़ान संख्या एआई183 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ संचालित की गई। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने सोमवार को कहा था कि उलानबटोर ले जाए गए बोइंग 777 विमान में 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों सहित 245 लोग सवार थे। एयरलाइन ने बुधवार को एक बयान में कहा, एहतियाती तौर पर मार्ग परिवर्तन के बाद मंगोलिया के उलानबटोर में फंसे एआई174 के यात्रियों और चालक दल को लेकर राहत उड़ान सुबह दिल्ली में उतरी। संबंधित अधिकारियों के अलावा एअर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को मार्ग परिवर्तन के दौरान उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद दिया।

भारतवंशियों की उपलब्धियां

दुनिया में भारत का परचम

अमेरिका के ताजा चुनाव में न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहर ममदानी, वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं गजाला हाशमी और ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के चुनाव में आफताब पुरेवैल की जीत ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश में एक बार फिर भारतवंशियों का डंका बजा दिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब भारतीय मूल के लोगों ने दूसरे देशों में राजनीतिक के शीर्ष पदों पर कब्जा जमाया है। इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनिया के लगभग 29 देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति के शीर्ष पदों पर रह चुके हैं या अब भी हैं, इनमें से आठ से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन, मॉरीशस, गुयाना, सिंगापुर और आयरलैंड शामिल हैं। भारतवंशियों ने दूसरे देशों में राजनीति के अलावा व्यवसाय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा की दम पर धाक जमाई है।

दूसरे देशों का नेतृत्व

- भारतीय मूल के ऋषि सुनक को वर्ष 2022 में यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री चुना गया था।
- लियो वराडकर ने 2017 से 2020 और 2022 से 2024 आयरलैंड के प्रधानमंत्री का पद संभाला।
- मॉरीशस में अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीन रामगुलाम, प्रविंद जगन्नाथ कई बार प्रधानमंत्री चुने गए।
- त्रिनिदाद और टोबैगो में कमला प्रसाद-बिस्सेसर वर्ष 2010 से 2015 के बीच प्रधानमंत्री चुने गए।
- गुयाना में 1990 से अब तक चेदी जगन, बर्रत जगदेओ, इरफान अली भारतीय मूल के राष्ट्रपति।
- सूरीनाम में वर्ष 2020 में भारतीय मूल के चंद्रिका प्रसाद संतोखी राष्ट्रपति पद संभालने का मौका।
- सेशेल्स में वेवेल रामकलावन, फिजी में महेंद्र चौधरी और सिंगापुर में श्रीनाथन ने भी नेतृत्व किया।

लोकप्रियता में भी आगे

- फिजी में महेंद्र चौधरी जातीय संघर्ष में अपने दृढ़ रुख के कारण पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने।
- आयरलैंड में लियो वराडकर पश्चिमी यूरोप के पहले खुले तौर पर समलैंगिक भारतवंशी प्रधानमंत्री।
- गुयाना का नेतृत्व करने वाले भारतवंशी चेदी जगन को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक माना जाता है।
- मॉरीशस में प्रविंद जगन्नाथ भारतीय मूल के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले नेताओं में एक थे।

भारत को क्या लाभ

- वैश्विक पहचान और मजबूत छवि, ऋषि सुनक, प्रविंद जगन्नाथ जैसे नेता भारत हितैषी नीति के लिए जाने जाते हैं।
- उद्यमी विदेश में भारत में निवेश के सेतु, सिलिकॉन वैली में भारतीय निवेशक भारत के स्टार्टअप्स को फंड देते हैं।
- सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। दिवाली और होली जैसे भारतीय त्योहारों को कई देशों में आधिकारिक मान्यता मिली है।
- भारतीय प्रवासी समुदाय दूसरे देशों में भारत की नीतियों के समर्थन में लॉबिंग करता है, अंतर्राष्ट्रीय लाभ प्राप्त होते हैं।

दुनिया के दूसरे देशों में भारतवंशियों की स्वीकार्यता

- अमेरिका, कनाडा, यूके जैसे उच्च आय वाले देशों में भारतीय मूल के लोगों को सफल, शिक्षित और भरोसेमंद समुदाय माना जाता है।
- कैरेबियाई और अफ्रीकी देशों में शुरू में भेदभाव था, अब भारतीय समुदाय स्थानीय राजनीति व अर्थव्यवस्था में मुख्यधारा में आया है।
- मध्य पूर्व में भारतीय मूल के लोग मुख्यत: श्रमिक और तकनीकी कामगार हैं, और वहां उनका प्रभाव सीमित है, लेकिन वे सम्मानित हैं।

यहां भी आगे : राजनीति के अलावा भारतवंशी कई अन्य क्षेत्रों में भी अगुवाई कर रहे हैं। सुंदर पिचाई गूगल के सीईओ हैं और सत्य नडेला माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ। यूएस की टेक पॉलिसी में अर्जुन रामपाल, वेंचर कैपिटल में विनोद खोसला का नाम आता है। साइंस एंड रिसर्च में नोबल पुरस्कार विजेता वेंकटरमण रामकृष्णन, व्यापार और वित्त में लक्ष्मी मित्तल का नाम आता है।

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती

चुनाव जीतने के बाद नेहरू को किया याद, कहा- पुराने से नए युग में रखेंगे कदम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ममदानी की विजय के बाद उनके समर्थक जश्न मनाने न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतर आए।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी ने अपने तेजतर्रार विजयी भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती दी, 'राजनीतिक वंशवाद' को खत्म करने की बात कही और पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत अत्याचार और मुनाफाखोरी के खिलाफ उम्मीद का प्रतीक है।

भारतीय मूल के ममदानी ने मंगलवार को चुनावों में निर्णायक एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। इस जीत के साथ ही ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए।

ममदानी ने आधी रात के आसपास डाउनटाउन ब्रुकलिन के एक संगीत स्थल 'ब्रुकलिन पैरामाउंट' में अपने हज़ारों समर्थकों के सामने जोशीले विजयी भाषण में कहा, भविष्य हमारे हाथों में है। दोस्तों, हमने एक राजनीतिक वंश को उखाड़ फेंका है। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और अपने समर्थकों के नारों के बीच कहा, न्यूयॉर्क, आज रात आपने कर दिखाया, यह बदलाव का जनादेश है। एक नई राजनीति का जनादेश। एक ऐसे शहर का जनादेश, जहां रहने का खर्चा हम वहन कर सकते हैं। और एक ऐसी सरकार का जनादेश जो बिल्कुल यही करती है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की बात करते हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आपके सामने खड़े होकर मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आते हैं। इतिहास में कभी-कभी ऐसा क्षण आता है जब हम पुराने से नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब किसी राष्ट्र की लंबे समय से दबाई गई आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा... तो आइए अब हम स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ इस बारे में बात करें कि यह नया युग क्या लाएगा और किसके लिए लाएगा।

ट्रंप पर वार... अब आव्रजक ही चलाएंगे न्यूयॉर्क

ममदानी ने अपने विजय भाषण में ट्रंप को चुनौती दी, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क को आव्रजकों द्वारा चलाया जाएगा और उनकी ऐतिहासिक जीत के बाद इसका नेतृत्व भी एक आव्रजक द्वारा किया जाएगा। अपने माता-पिता और पत्नी रमा दुवाजी के साथ ममदानी का लगभग 25 मिनट का भाषण बॉलीवुड फिल्म 'धूम' के लोकप्रिय भारतीय गीत 'धूम मचाले' के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा, मेरे मां और बाबा, आज मैं जो कुछ हूं, आपकी वजह से हूं। मुझे आपका बेटा होने पर बहुत गर्व है। और मेरी अद्भुत पत्नी रमा, मेरी जिंदगी : इस पल और हर पल, आपके सिवा मैं किसी और को अपने साथ नहीं देखना चाहता।

मेरे चुनाव प्रचार में न उतरने और शटडाउन के कारण हारे : ट्रंप

वाशिंगटन। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट में कहा कि चुनाव प्रचार से उनकी अनुपस्थिति और शटडाउन के कारण रिपब्लिकन पार्टी मेयर चुनाव हार गई। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मतदाता सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने लिखा, रिपब्लिकन 'फिलिबस्टर' को समाप्त करें। कानून पारित कराने और मतदाता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें। फिलिबस्टर एक संसदीय प्रक्रिया है, जिसमें विधायी निकाय के एक या अधिक सदस्य प्रस्तावित कानून पर बहस को इतना लंबा खींचते हैं कि निर्णय में देरी हो जाती है या उसे पूरी तरह से रोका जा सकता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत का जश्न मनाया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने ममदानी और अन्य पार्टी नेताओं को चुनावी सफलता की बधाई दी। क्लिंटन ने लिखा, न्यूयॉर्क के अगले मेयर के रूप में चयन पर जोहरान ममदानी को बधाई। आपकी सफलता की कामना करता हूं, जब आप अपने चुनाव अभियान के जोश को एक बेहतर, न्यायसंगत और अधिक किफायती न्यूयॉर्क बनाने के प्रयास में बदलने के लिए काम करेंगे। ओबामा ने कहा, यह हमें याद दिलाता है कि जब हम मजबूत और दूरदर्शी नेताओं के साथ एकजुट होते हैं, जो महत्वपूर्ण मुद्दों को ध्यान में रखते हैं, तो हम जीत सकते हैं।

अमेरिकी के केंटुकी में विमान दुर्घटना, सात मरे, आसपास के इलाकों तक फैली आग

- कार्गो विमान में था 38000 गैलन जेट ईंधन, प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्गो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ऊपर उठता घना काला धुआं।

अमेरिका के केंटुकी में लुइसविले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मंगलवार को एक कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इस घटना में विमान में आग लग गई जो विमान के गिरने के साथ ही एक बड़े क्षेत्र में फैल गई।

संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यूपीएस के विमान 2976 में 38,000 गैलन जेट ईंधन और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। यह विमान लुइसविले के मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद स्थानीय समयानुसार शाम लगभग सवा पांच बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

गर्वनर एंडी बेशियर ने कहा कि इस विनाशकारी दुर्घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि यह संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि विमान हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे दो व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए और क्षेत्र के अन्य व्यवसाय भी प्रभावित हुए। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में भीषण आग और दुर्घटनास्थल से काले धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया। लुइसविले के अग्निशमन प्रमुख ब्रायन ओ'नील ने कहा कि सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों ने आग पर लगभग काबू पा लिया है और संभावित पीड़ितों की तलाश में पूरे इलाके में ग्रिड दर ग्रिड तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अमेरिका में सबसे लंबा 36 दिन का शटडाउन

वाशिंगटन। अमेरिका में एक अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन बुधवार को 36वें दिन में प्रवेश कर गया। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। इस शटडाउन की वजह से 4.2 करोड़ गरीब अमेरिकियों की खाद्य सहायता (फूड स्टैंप) रुक गई है।

अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर 24% टैरिफ को एक साल के लिए स्थगित करेगा चीन

बीजिंग, एजेंसी

- व्यापार वार्ता में बनी सहमति को लागू करने का लिया गया निर्णय

चीनी वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई व्यापार वार्ता के अनुरूप चीन 10 नवंबर से एक वर्ष के लिए अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत आयात शुल्क को स्थगित करेगा।

मंत्रालय के मुताबिक चीन-अमेरिका व्यापार वार्ता के दौरान बनी सहमति को लागू करने के लिए आयात शुल्क कानून, सीमा शुल्क कानून, विदेश व्यापार कानून और अन्य प्रासंगिक कानूनों तथा विनियमों तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। राज्य परिषद की स्वीकृति से 10 नवंबर, 2025 से अमेरिकी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत का अतिरिक्त सीमा शुल्क एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। लेकिन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लागू रहेगा।

मंत्रालय ने कहा कि इस स्थगन से दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास सुनिश्चित होगा। दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाने और वैश्विक समृद्धि में योगदान करने में मदद मिलेगी। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन चीनी आयातों पर फेंटेनाइल से संबंधित शुल्कों में कटौती करेगा और चीनी उत्पादों पर कुछ पारस्परिक शुल्कों को स्थिर रखेगा। मंगलवार को जारी कार्यकारी आदेशों में उल्लिखित ये कदम अक्टूबर में दक्षिण कोरिया में एपेक सम्मेलन के दौरान जिनपिंग के साथ हुए व्यापक व्यापार समझौते के प्रमुख तत्वों को समाहित करते हैं।

इसके तहत चीन 10 नवंबर से अमेरिका से आयातित ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ़, जलीय उत्पादों, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के साथ चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15 प्रतिशत शुल्क भी हटाएगा। इस समझौते के तहत चीन चार मार्च से घोषित सभी परस्पर शुल्कों को स्थगित कर देगा।

पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती मनाने सिख जत्थे के साथ जा रहे हिंदुओं को रोका

अमृतसर, एजेंसी

गुरु नानक देव की जयंती समारोह में भाग लेने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का पहला जत्था मंगलवार को अटारी-वाघा सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचा, लेकिन तीर्थयात्रियों की खुशी वाघा सीमा पर उस समय फीकी पड़ गई, जबएक बड़े सिख प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे 12 हिंदू तीर्थयात्रियों के एक समूह को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद अचानक आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि वे हिंदू होने के कारण आगे नहीं बढ़ सकते।

इन हिंदू तीर्थयात्रियों को भारत लौटना पड़ा। भारतीय अधिकारियों और संगठनों ने इस कार्रवाई की व्यापक रूप से निंदा की और इसे भेदभावपूर्ण बताया। हिंदू तीर्थयात्रियों के पास वैध वीजा थे और उन्होंने सभी आव्रजन और यात्रा प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें ननकाना साहिब जाने वाली बस में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि केवल सिखों के रूप में सूचीबद्ध लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति होगी। इसके बाद तीर्थयात्रियों को भारत वापस भेज दिया गया, और उनमें से एक ने इस घटना पर अपना अपमान और दुख व्यक्त किया।

गुरु पर्व मनाने पहुंचे पहले सिख जत्थे का स्वागत करते पाकिस्तानी अधिकारी।

भारत सरकार दे मुंहतोड़ जवाब : प्रो. चावला ने कहा कि जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। यह उनसे आशा की जाती है कि वे इस अन्याय को रोकते और पाकिस्तान की चाल का मुंह तोड़ जवाब देते। अफसोस ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि अब भारत सरकार को चाहिए कि वे पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दे और पाकिस्तान के केवल हिंदू श्रद्धालुओं को ही भारत यात्रा की आज्ञा दे।

हिंदू-सिखों में फूट डालने की नापाक चाल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान जाने वाला यह पहला जत्था था और इस घटना को हिंदू और सिख समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के एक जानबूझकर किया गया कृत्य माना जा रहा है। पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो. लक्ष्मीकांत चावला ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान में हिंदू श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दर्शन के लिए न जाने देना भारत में लोगों में फूट डालने का घृणित प्रयास है, जिसका केंद्र सरकार शीघ्र ही गंभीर नोटिस लेना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि हिंदू और सिख जो एक ही मां के दो बेटे हैं, एक ही परंपरा से पैदा हुए हैं और जिनका परिवार भी एक है उनको बांटने के लिए पहले अंग्रेजों ने प्रयास किया। 1882 में पहले अंग्रेजों का थोपा हुआ प्रिंसिपल मैकालिफ इस काम को आगे बढ़ाता रहा और इसके बाद अपने ही देश के कुछ नेताओं ने समाज को बांटने की कमान संभाल ली। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के सभी प्रमुख गुरुद्वारों में विशेषकर अमृतसर श्री हरिमंदिर में अगर रोज के श्रद्धालुओं की संख्या देखी जाए तो हिंदू श्रद्धालु ज्यादा हैं, जो देश से भी आते हैं, विदेश से भी आते हैं। प्रो. चावला ने कहा कि वैसे तो हिंदू और सिख दो लिखने में ही कष्ट होता है, पर अगर राजनीतिक हितों ने उन्हें दो पक्ष बना ही दिया है तो पाकिस्तान को यह छूट नहीं दी जा सकती कि वह भारत से गए हिंदू श्रद्धालुओं को गुरु घर के दर्शन करने न जाने दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 14.54 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

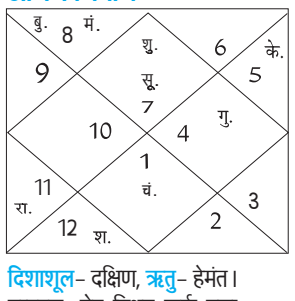

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 06.34 तक तत्पश्चात कृत्तिका 7 नवंबर 03.28 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष आज का दिन नई साझेदारियों के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता बढ़ सकती है। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। पड़ोसियों से अपने संबंध अच्छे रखें। प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

वृष आज समाज में आपको उचित मान-सम्मान मिलेगा। रुका हुआ कार्य बनने से मानसिक अशांति दूर होगी। दांपत्य संबंधों की कड़वाहट दूर हो सकती है। ससुराल पक्ष से अपने संबंध अच्छे रखें। परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा।

मिथुन आज अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने से बचें। वाहन चलाते समय चोट लग सकती है। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क आज कारोबार में नई शुरुआत कर सकते हैं। नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। प्रेमीजन से विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। मित्रों और सहयोगियों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि होगी।

सिंह आज अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी राजनीतिक चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें। प्रेमी जन से कोई वादा न करें।

कन्या आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा में परेशानियां बढ़ सकती हैं। घर के छूटे कार्यों को लेकर तनाव हो सकता है। आर्थिक नुकसान होने की संभावना बन रही है।

तुला आज कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर ही लें। अनावश्यक चर्चाओं से दूरी बनाकर रखें। दांपत्य संबंधों में संवादहीनता जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। नजदीकी लोगों की सलाह को अनसुना करना नुकसानदेह हो सकता है।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। पिछले काफी समय से चली आ रही उलझनों से राहत मिलेगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। गले में कफ की शिकायत हो सकती है।

धनु आज आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अचानक नए कार्यों की शुरुआत न करें। आपको सभी कार्य समय पर करने चाहिए। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। अपने स्वभाव में लचीलापन रखना आवश्यक है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मकर आज निवेश के दौरान सावधानी रखें। दार्शनिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से नुकसान होगा। उच्च रक्तचाप के कारण समस्या होगी। अधिकारी वर्ग के साथ तनाव हो सकता है। नए प्रेम संबंधों को लेकर समस्या होगी।

कुंभ आज अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। रियल एस्टेट से जुड़े लोग नए सौदों को जांच-परख कर ही करें। जाने-अनजाने में आपसे कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। आपको सिरदर्द और वायरल बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। जॉब में स्थायित्व की भावना बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके नए मित्र बन सकते हैं। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। आपको अधिकारियों से सहायता लेनी चाहिए।

सुडोकू-152

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1				2	3	
	2	4						
			2	6	7			
5			3	7				
7								8
3				9	4			
			8	5	1			
	3					7	2	
	6	5				9		

सुडोकू - 151 का हल

9	1	5	6	2	8	3	4	7
3	4	8	5	1	7	6	9	2
6	7	2	3	4	9	8	5	1
2	6	4	9	7	3	1	8	5
8	3	1	4	5	2	7	6	9
5	9	7	8	6	1	2	3	4
1	5	6	7	3	4	9	2	8
7	8	3	2	9	5	4	1	6
4	2	9	1	8	6	5	7	3

अर्शदीप सिंह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें।
–मोर्ने मोर्कल

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार 6 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सऊदी अरब के रियाद में डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के महिला एकल मैच के दौरान कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा के शॉट को रोकती हुई।

रिचा घोष को सोने की परत वाली गेंद और बल्ला देगा कैब

कोलकाता : बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष को महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये यहां शनिवार को ईडन गार्डस पर एक भव्य सम्मान समारोह में खास तौर से बनाए गए सोने की परत चढा बल्ला और गेंद प्रदान करेगा। भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की शिल्पकारों में से एक रिचा ने आठ पारियों में 133.52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। वह टीम के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली पांच बल्लेबाजों में से थी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के हस्ताक्षर वाला बल्ला उन्हें भारतीय क्रिकेट में अतुलनीय योगदान के लिये प्रदान किया जाएगा।

वेस्टइंडीज ने सात रन से न्यूजीलैंड को हराया

आकलैंड : वेस्टइंडीज ने कम स्कोर वाले पहले टी-20 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया। कप्तान शाई होप ने 39 गेंद में 53 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर छह विकेट पर 164 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दसवें ओवर तक दो विकेट खोकर 70 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद टीम की लय बिगड़ गई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला आज, भारत का पड़ला भारी

शुभमन गिल की निगाह बड़े स्कोर पर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद शृंखला 1-1 से बराबर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था, जब भारत 186 रन के लक्ष्य को हासिल करके शृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय एजेंसी की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि अभिषेक शर्मा ने विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज की अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया है और टीम को उनसे एक बार फिर एक और जोरदार पारी की उम्मीद होगी। गिल को एक सप्ताह के भीतर लाल गेंद से खेलना शुरू करना होगा और अगर वह किसी भी प्रारूप में खेल रहे हों तो कुछ रन बनाने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत के साथ अपनी पुरानी फॉर्म की झलक दिखाई है लेकिन अब वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली सीरीज से पहले उन्हें एक महीने का ब्रेक मिलेगा। इस बीच, उम्मीद की जा रही है कि सूर्यकुमार पुडुचेरी के खिलाफ मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे। अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है।

समय दोपहर 1:45 बजे से

शुभमन गिल व अभिषेक शर्मा।

स्पिन का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी जरूरी : मैथ्यू शॉर्ट

गोल्ड कोस्ट : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट मौजूदा टी-20 शृंखला में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के अवसर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में स्पिन के अनुकूल ढलना महत्वपूर्ण होगा। शॉर्ट मौजूदा सीमित ओवरों की शृंखला का अभिन्न हिस्सा रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी से मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है। शॉर्ट ने चौथे टी-20 मैच से पहले कहा सुधार करने के अपने अलग-अलग तरीके होते हैं। विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है और इसे देखते हुए स्पिन के खिलाफ खेलना मेरे लिए अच्छी बात है। मुझे लगता है कि इसमें थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

टीम प्रबंधन का मुख्य मुद्दा हमेशा से यह रहा है कि कुलदीप व अर्शदीप दोनों को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता। पर फिलहाल ऐसी कोई समस्या नजर नहीं आती है। वाशिंगटन सुंदर की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए कप्तान मिशेल मार्श और टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज के एक मैच के दौरान विकेट लेने के बाद जश्न मानते अर्शदीप सिंह।

अर्शदीप सिंह जानते हैं हमारी योजना : मोर्कल

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल बोले- हम आजमा रहे हैं अलग-अलग संयोजन

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा कि अर्शदीप सिंह को चयन मामलों में भले ही परेशानी का सामना करना पड़ा हो, लेकिन यह तेज गेंदबाज इस बात को अच्छी तरह से समझता है कि टीम प्रबंधन बड़ी तस्वीर को देखते हुए अलग-अलग संयोजन आजमा रहा है। अर्शदीप को होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था।

उन्होंने शानदार वापसी की और वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम एकादश में नहीं चुना गया, क्योंकि उन्हें और कुलदीप यादव को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता और दुबई की परिस्थितियों के कारण सितंबर में एशिया कप में भी वे पहली पसंद नहीं थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज़ हैं।

मोर्कल ने गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले संवाददाताओं से कहा अर्शदीप अनुभवी हैं और उन्हें पता है कि हम बड़ी तस्वीर को देख रहे हैं और अलग-अलग संयोजनों को आजमा रहे हैं। उन्हें पता है कि वह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा हम जानते हैं कि वह टीम के लिए कितने अमूल्य खिलाड़ी है, लेकिन हमें अन्य संयोजनों पर भी गौर करने की जरूरत है और वह इस बात को समझते हैं। मोर्कल ने हालांकि स्वीकार किया कि अर्शदीप जैसी क्षमता वाले गेंदबाज के लिए यह आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा यह आसान काम नहीं है लेकिन कभी-कभी कड़े फैसले करने पड़ते हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें। टी20 विश्व कप से पहले अब सीमित मैच ही बचे हैं। मोर्कल ने कहा इसलिए, हमारे लिए यह देखना ज़रूरी है कि दबाव की परिस्थितियों में खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं।

फिटनेस साबित करने के बाद पंत की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शमी को नहीं मिली जगह

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पैर के फ्रेक्चर से उबरकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिये भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान चोट लगी थी और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली श्रृंखला नहीं खेल सके थे। उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी की और दूसरी पारी में 90 रन बनाए। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम में उन्होंने एन जगदीशन की जगह ली। बंगाल के लिये तीन रणजी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले शमी को टीम में जगह नहीं मिल सकी है। पैंतीस वर्ष के शमी ने उत्तराखंड और गुजरात के खिलाफ बंगाल की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन मैचों में 93 ओवर डालकर 15 से अधिक विकेट लिए।

टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतिश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

भारत ए वनडे टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुतार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह।

पहला टेस्ट कोलकाता में 14 नवंबर से
दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में 22 नवंबर से

चयनकर्ताओं को शायद लगा होगा कि अब वह टेस्ट क्रिकेट में लंबे स्पैल नहीं डाल सकेंगे चूंकि घरेलू क्रिकेट में भी स्पैल के बीच उन्होंने ब्रेक लिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अगले छह महीने भारत को टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना है जिसे देखकर लगता है कि शमी के लिये दरवाजे बंद हो चुके हैं। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी कंधे की चोट से उबरकर वापसी की है। वह भारत ए टीम का भी हिस्सा हैं। भारत के पास तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज हैं जबकि स्पिन की कमान रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर के पास होगी।

चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भारत ए वनडे टीम की भी घोषणा की है जिसमे तिलक वर्मा को कप्तान बनाया गया है। ये मैच 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में होंगे।

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पास सीरीज जीतने का बड़ा मौका : बावुमा

बेंगलुरु : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बावजूद भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज आसान नहीं होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण के दम पर उनकी टीम के पास 25 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार 1999-2000 में दिवंगत हैंसी क्रोन्ये की कप्तानी में भारत में पहली टेस्ट शृंखला जीती थी। दो मैचों की शृंखला का दूसरा मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। बावुमा ने कहा दक्षिण अफ्रीका टीम ने लंबे समय से भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। इस बार हमारे पास सुनहरा मौका है। उन्होंने भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा विश्व चैम्पियन होने के नाते हमसे काफी अपेक्षाएं हैं। भारत में खेलना हमेशा कठिन होता है। भारत के पास बेहतरीन युवा खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा विराट और रोहित ने लंबे समय तक भारत के लिए खेला और भारत को वहां पहुंचाया, जहां टीम आज है। युवा खिलाड़ी उनकी जगह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह हालांकि बहुत बड़ी चुनौती है। जहां तक हमारी बात है तो हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं और हमें यहां मिलने वाली चुनौती का अहसास है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। बावुमा की नजरें अच्छे स्पिन आक्रमण के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमी का फायदा उठाने पर भी लगी हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को हुई परेशानी उनकी नजरों से बच नहीं सकी है। बावुमा ने कहा गेंदबाजी हमेशा से हमारी ताकत रही है। हम इस बार बेहतर स्पिन आक्रमण के साथ आये हैं।

शर्मा और चक्रवर्ती पुरुष टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी-20 खिलाड़ियों की बुधवार को जारी रैंकिंग में बल्लेबाजों और गेंदबाजों में शीर्ष स्थान कायम रखा है।

अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में 925 रेटिंग अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट और भारत के तिलक वर्मा उनके बाद हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आठवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं जबकि आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

भारत का कोई अन्य गेंदबाज शीर्ष दस में नहीं है। हरफनमौलाओं की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब शीर्ष पर, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा दूसरे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस तीसरे स्थान पर हैं।

कुलदीप, सिराज और राहुल की नजर अच्छी तैयारी पर

बेंगलुरु, एजेंसी

- भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए का मुकाबला आज से

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार से यहां तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा।

सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं।

स्मृति, जेमिमा हरमनप्रीत टीम की नई ब्रांड : घावरी

मुंबई : भारत के पूर्व तेज गेंदबाज करसन घावरी ने महिला वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए बुधवार को हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और स्मृति मंधाना को भारतीय क्रिकेट का नया ब्रांड करार दिया।

भारतीय महिला टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का कोई टूर्नामेंट जीता। घावरी ने कहा भारतीय महिला टीम की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया विशेष कर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह विश्व कप जीतने की असली हकदार थी।

ओलंपिक की तैयारी | अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों का किया पुनर्गठन

मीराबाई चानू अपना भार वर्ग बदलने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा सोमवार को घोषित लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों के पुनर्गठन के बाद भारतीय स्टार मीराबाई चानू को एक वर्ग ऊपर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टोक्यो 2020 में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली और पेरिस 2024 में इसी वर्ग में चौथे स्थान पर रहने वाली मीराबाई चानू अब लॉस एंजेलिस में इस वर्ग में भाग नहीं ले पाएंगी। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में भारोत्तोलन के लिए महिलाओं की न्यूनतम श्रेणी अब 53 किग्रा होगी। आईडब्ल्यूएफ ने लॉस एंजेलिस 2028 में 12 नए वर्गों की पुष्टि की है- पुरुषों और महिलाओं के लिए छह-छह। पेरिस 2024 में प्रत्येक लिंग के लिए पांच वर्ग थे।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक भारोत्तोलन भार वर्ग पुरुषः 65 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 95 किग्रा, 110 किग्रा, 110 किग्रा महिलाः 53 किग्रा, 61 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा, 86 किग्रा पेरिस 2024 में, पुरुषों के लिए 61 किग्रा, 73 किग्रा, 89 किग्रा, 102 किग्रा और 102 किग्रा और महिलाओं के लिए 49 किग्रा, 59 किग्रा, 71 किग्रा, 81 किग्रा और 81 किग्रा थे। आईडब्ल्यूएफ ने अब एक साल से भी कम समय में दो बार भार वर्ग बदले हैं। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि यह बदलाव मीराबाई के पक्ष में काम कर सकता है। शर्मा ने कहा यह (49 किग्रा हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है क्योंकि 48 किग्रा तक अपना वजन कम करना एक कठिन प्रक्रिया थी। 31 वर्षीय मीराबाई ने इस साल 48 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

ओलंपिक कार्यक्रम से हटा 49 किग्रा वर्ग

इस साल की शुरुआत में, आईडब्ल्यूएफ द्वारा ओलंपिक कार्यक्रम से 49 किग्रा वर्ग को हटाने के बाद, चानू 48 किग्रा वर्ग में आ गईं। 49 किग्रा वर्ग को तब से आईडब्ल्यूएफ के विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में बहाल कर दिया गया है, लेकिन इसे ओलंपिक में शामिल नहीं किया जाएगा। मीराबाई चानू की सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां – जिनमें तीन विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप पदक और तीन राष्ट्रमंडल खेल पदक शामिल हैं – 50 किग्रा से कम भार वर्ग में ही आई हैं।